



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-01042024-253474  
CG-DL-W-01042024-253474

साप्ताहिक/WEEKLY  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30—अप्रैल 5, 2024 (चैत्र 10, 1946)  
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30—APRIL 5, 2024 (CHAITRA 10, 1946)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय-सूची

|   | पृष्ठ सं. |  | पृष्ठ सं. |
|---|-----------|--|-----------|
| भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....   | 123       | छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....  | *         |
| भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....   | 295       | भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... | *         |
| भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....  | 1         | भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....   | *         |
| भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....   | 433       | भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....  | 1003      |
| भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....  | *         | भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....  | *         |
| भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....  | *         | भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....  | *         |
| भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....   | *         | भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....   | 5         |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)..... | *         | भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....   | 1179      |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को  |           | भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण.....   | *         |

\*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

## CONTENTS

|  | Page<br>No. |   | Page<br>No. |
|--|-------------|---|-------------|
| PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....  | 123         | (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ....   | *           |
| PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....   | 295         | PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) ..... | *           |
| PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....   | 1           | PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .....  | *           |
| PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .....   | 433         | PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .....   | 1003        |
| PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....  | *           | PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs .....   | *           |
| PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations .....  | *           | PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .....  | *           |
| PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .....   | *           | PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .....   | 5           |
| PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..... | *           | PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .....   | 1179        |
| PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  |             | PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi .....  | *           |

\*Folios not received.

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की

गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 2024

सं. 5-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :-

1. आईसी-78103एल मेजर दिग्विजय सिंह रावत, 21 पैरा (एस एफ)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 26 मार्च 2023)

मणिपुर में पहुँचने के कुछ ही दिनों के भीतर 21 पैरा (एस एफ) टुप कमांडर मेजर दिग्विजय सिंह रावत ने एक नवीनतम और गहन खुफिया नेटवर्क स्थापित किया और अपने अथक प्रयासों से सभी घाटी आधारित विद्रोही समूहों के बारे में सटीक जानकारी एकत्रित की।

एक ऑपरेशन के दौरान मेजर रावत को मणिपुर दौरे पर आने वाले एक वीआईपी को घाटी आधारित विद्रोही समूहों द्वारा निशाना बनाने की खुफिया जानकारी मिली। इस खबर के आधार पर मेजर रावत ने बिना समय गवाये अपने गुप्तचरों को सक्रिय करते हुए इस आतंकवादी संगठन को उस स्थान की तरफ गुमराह किया जहाँ उनकी टुकड़ी घात लगाये बैठी थी। घात टुकड़ी द्वारा चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने स्वचलित हथियार का प्रयोग करके भारी गोलीबारी की। मेजर रावत ने चतुराई से अपनी पार्टी को आतंकवादियों को उलझाने के लिए तैयार किया और स्वयं रेंगते हुए एक तरफ पहुँचे और उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक स्वघोषित कैप्टन को मार गिराया और दूसरे को घायल कर दिया। खुफिया सूचना के अनुसार उक्त स्वघोषित कैप्टन और स्वघोषित मेजर असम राइफल्स पर घात लगाकर हमला करने वाले साजिशकर्ता थे। इसी प्रकार एक अन्य ऑपरेशन के दौरान मेजर रावत को घाटी आधारित विद्रोही समूहों की घुसपैठ की सूचना मिली। इलाके की विस्तृत जानकारी का भरपूर इस्तेमाल करते हुए उन्होंने बहुत ही बारीकी से निगरानी का जाल बुना और नजदीकी मुठभेड़ में सफलता पूर्वक घाटी आधारित विद्रोही समूह के तीन उच्च विद्रोही को पराजित कर पकड़ लिया।

दृढ़ नेतृत्व दर्शाने, अनुकरणीय मिशन समर्पण, अद्वितीय बहादुरी, अदम्य साहस, कुशाग्र युद्ध नीति तथा नजदीकी मुठभेड़ के दौरान बुद्धि-विवेक बनाए रखने के लिए, मेजर दिग्विजय सिंह रावत को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. एसएस-45933एफ मेजर दीपेन्द्र विक्रम बासनेट, 4 सिख

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 15 जून 2023)

मेजर दीपेन्द्र विक्रम बासनेट 15 जून 2023 को कुपवाड़ा जिले के केरेन सेक्टर की नियंत्रण रेखा पर तैनात एंबुश पार्टी के कमांडर थे। यह एंबुश पांच आतंकवादियों के एक समूह द्वारा संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर तैनात किया गया।

उनकी निगरानी टीम ने आतंकवादियों को देखा और उसकी पूर्व सूचना दी। अत्यधिक दबाव की स्थिति के बावजूद उत्कृष्ट सूझ-बूझ दिखाते हुए उन्होंने आतंकवादियों को घेरने के लिए तुरंत अपने सैनिकों को पुनः समायोजित किया।

16 जून 2023 को अर्द्धरात्रि के उपरान्त, जैसे ही आतंकवादी उनके एंबुश में दाखिल हुए, उन्होंने उन पर भारी गोलाबारी की। पहले आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए मेजर दीपेन्द्र और उनके साथियों पर ग्रेनेड फेंके। अपने साथियों के लिए खतरे को महसूस करते हुए, अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना, अधिकारी ने भारी गोलाबारी में रेंगते हुए आतंकवादी की ओर बढ़कर उसे मार गिराया। गोलाबारी के दौरान वे दूसरे आतंकवादी के सामने आ गये। बिना वक्त गवाये, वे आतंकवादी पर कूद पड़े और गुथ्यम गुथ्या की लड़ाई में आतंकवादी को अपने चाकू से मार डाला।

खुद लड़ते हुए भी, उन्होंने ऑपरेशन को पूरी तरह से नियंत्रण में रखा और तीसरे आतंकवादी के खात्मे में सहायता की, जो उनके साथियों पर गोलीबारी कर रहा था। अधिकारी ने अपने साथियों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और ऑपरेशन को सफल किया। इस ऑपरेशन में, भारी हथियारों से लैस पाँच विदेशी आतंकवादियों का खात्मा किया गया।

बिना किसी नुकसान के ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने, अदम्य साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए, मेजर दीपेन्द्र विक्रम बासनेट को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

### 3. एमएस-20323के कैप्टन अंशुमन सिंह, सेना चिकित्सा कोर/ 26 पंजाब (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 19 जुलाई 2023)

कैप्टन अंशुमन सिंह ने 19 मार्च 2020 को सेना चिकित्सा कोर में कमीशन प्राप्त किया। अधिकारी ऑपरेशन मेघदूत के तहत चंदन कॉम्प्लेक्स के लिए चिकित्सक अधिकारी के रूप में पंजाब रेजीमेंट की 26वीं बटालियन में शामिल हुए।

19 जुलाई 2023 की रात को चंदन ड्रॉपिंग जोन में एक बड़ी आग की घटना घटित हुई। अधिकारी ने आग लगने की चेतावनी की आवाज सुनी और अपनी फाईबर ग्लास हट से बाहर निकले। उन्होंने अपने पास की फाईबर ग्लास हट से 4-5 लोगों को बचाया, जो धुंए से भरी हुई थी और आग लगने की कगार पर थी। उन्होंने लोगों का सुरक्षित स्थान तक मार्गदर्शन किया। उसी समय उन्होंने देखा कि चिकित्सा जाँच कक्ष, जिसमें दवाईयाँ और अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरण व दस्तावेज रखे हुए थे, आग से घिरा हुआ है। इन जीवन रक्षक दवाईयों व आवश्यक चिकित्सा सम्बन्धित उपकरणों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना चिकित्सा जाँच कक्ष में प्रवेश किया, परंतु बाहर नहीं निकल सके क्योंकि आग की लपटें फैल गई थी और तेज गति वाली हवाओं के कारण उनका आश्रय स्थल आग की चपेट में आ गया था। लगातार कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके मृत शरीर को आग बुझने के उपरान्त निकाला गया।

कैप्टन अंशुमन सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना असाधारण बहादुरी और सर्वोच्च कोटि के संकल्प का प्रदर्शन किया। उनकी वीरता और बलिदान भारतीय सेना की बेहतरीन परंपराओं को दर्शाता है। कैप्टन अंशुमन सिंह को “कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।

### 4. 4576018एल हवलदार पवन कुमार यादव, 21 महार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 जून 2023)

हवलदार पवन कुमार यादव ने संभावित घुसपैठ की खुफिया जानकारी के आधार पर घात लगाने वाली टीम का नेतृत्व किया एवं कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के समीप घने जंगलों में, 4-5 आतंकवादियों के द्वारा घुसपैठ की विशिष्ट जानकारी प्राप्त होने पर हवलदार पवन कुमार यादव ने घात लगाने की अपनी स्वेच्छा जाहिर की।

उन्होंने दुश्मन की चौकी से महज कुछ दूरी पर घात लगाकर अदम्य साहस का परिचय दिया। आतंकवादी उनकी टीम पर नजदीक से भीषण गोलीबारी करते हुए शत्रु पोस्ट की तरफ भागने लगे। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए, निर्भीक होकर, विस्फोटक माइन से बिछे हुए घने जंगल होने के बावजूद वे अपनी स्वेच्छा से आगे बढ़े और एक भागते हुए आतंकवादी को ताबड़तोड़ गोलीबारी करके मार गिराया। दूसरा आतंकवादी शत्रु पोस्ट की तरफ अभी भी भाग रहा था। हवलदार पवन कुमार यादव अदम्य साहस का परिचय देते हुए, अपने जीवन को जोखिम में डालकर आतंकवादी के जवाबी हमले के बीच रेंगकर लक्ष्य के करीब पहुंचे और करीबी लड़ाई में दूसरे आतंकवादी को मार गिराया।

कर्तव्य की सीमा से परे अपनी जान जोखिम में डालकर विशिष्ट वीरता, निडरता और अदम्य साहस के लिए, जिसके परिणामस्वरूप दो कट्टर विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया, हवलदार पवन कुमार यादव को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

### 5. 9114288वाई हवलदार अब्दुल माजिद, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 नवम्बर 2023)

हवलदार अब्दुल माजिद नवीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के एक स्क्वाड कमांडर के रूप में 2011 से जम्मू और कश्मीर में कार्यरत थे।

22 नवंबर 2023 को राजोरी जिले के जंगली इलाके में एक तलाशी अभियान के दौरान उनका दस्ता 63 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के कैप्टन एमवी प्रंजल को निकालने के लिए आगे बढ़ा, जो आतंकवादियों की गोलीबारी के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आतंकवादियों को पकड़ने के लिए भारी गोलाबारी करते हुए, वह रेंगते हुए आगे बढ़े और अधिकारी को सुरक्षित क्षेत्र में ले गए और वापस अपनी स्थिति में लौट आए। असाधारण सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए वह अपने दस्ते को उस गुफा के पास ले गए जहाँ से आतंकवादी छिप कर अंधाधुंध

गोलीबारी कर रहे थे। गोलीबारी के दौरान पैर में गोली लगने और अत्यधिक खून बहने के बावजूद उन्होंने गुफा में छिपे आतंकवादियों पर एक ग्रेनेड फेंका जिससे घायल आतंकवादी को गुफा से बाहर आना पड़ा। अपने साथियों के लिए खतरे को भांपते हुए हवलदार माजिद ने तेजी से अपनी स्थिति को बदला और आतंकवादी की ओर हमला किया तथा वीरगति को प्राप्त होने से पहले उन्होंने करीबी लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया।

एक गंभीर रूप से घायल अधिकारी को निकालने और एक कट्टर विदेशी आतंकवादी को मार गिराने के दौरान उनके असाधारण साहस, निस्वार्थता और असाधारण वीरता के लिए हवलदार अब्दुल माजिद को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

#### 6. 2710816डब्ल्यू सिपाही पवन कुमार, ग्रेनेडियर्स/ 55 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 27 फरवरी 2023)

दिनांक 27 फरवरी 2023 को दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के एक गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। सिपाही पवन कुमार ने एक अभेद्य घेरा डालने में सामरिक कौशल और सूझ-बूझ का परिचय दिया।

सिपाही पवन कुमार ने तलाशी का नेतृत्व किया और स्वेच्छा से अपने साथियों के साथ तलाशी के लिये एक घर में दाखिल हुए। जैसे ही वह पहली मंजिल के पास पहुंचे, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलियाँ चलाई और ग्रेनेड फेंके। सिपाही पवन कुमार ने रण कौशल का परिचय देते हुए संयम के साथ जवाबी कार्यवाही की और आतंकवादियों को भागने से रोका। अपने सहयोगियों के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए सर्वोच्च साहस और अदम्य साहस का परिचय देते हुए सिपाही पवन कुमार आगे बढ़े और एक आतंकवादी को आमने-सामने की लड़ाई में उसका हथियार छीनकर उसे मार गिराया और दूसरे आतंकवादी को घायल कर दिया। इस भीषण गोलीबारी में सिपाही पवन कुमार को गोली लगी और भारतीय सेना की उच्चतम परम्पराओं का पालन करते हुए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दे दिया। मारे गए आतंकवादी की पहचान 'ए' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई।

अदम्य साहस, असाधारण समर्पण और कर्तव्य की पुकार से परे निष्ठा का प्रदर्शन करने के लिए सिपाही पवन कुमार को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 6--प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

#### 1. आईसी-76640एक्स मेजर मानेओ फ्रांसिस पी एफ, 21 पैरा (एस एफ)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 04 जनवरी 2023)

मेजर मानेओ फ्रांसिस पी एफ 21 पैरा (एस एफ) के असॉल्ट टीम कमांडर के रूप में 2022 से मणिपुर में तैनात हैं। इस छोटी सी समयावधि के दौरान उन्होंने एक परिपक्व खुफिया तंत्र की स्थापना की और मणिपुर में हो रही आतंकी गतिविधियों के ऊपर पैनी नजर रखी, जिससे घाटी आधारित विद्रोही समूहों के बारे में सटीक जानकारी हासिल हुई।

आतंकवादियों द्वारा एक अति विशिष्ट व्यक्ति पर हमले की सटीक खुफिया खबर मिलने पर, मेजर मानेओ फ्रांसिस पी एफ ने इस हमले को विफल करने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई। लंबे समय के अथक प्रयासों और निगरानी की मदद से उन्होंने आतंकवादी संगठन के घुसपैठ के इलाके को चिन्हित किया और अपनी टुकड़ियों को तैनात किया। भारी मात्रा में हथियारों से लैस चार आतंकवादियों को घुसपैठ करते हुए देखा तो उन्हें आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया। जवाब में आतंकवादियों ने भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी। इस विषम परिस्थिति में खुद की परवाह न करते हुए और परिपक्व सूझबूझ का परिचय देते हुए मेजर फ्रांसिस ने अपनी टुकड़ियों को पुनर्स्थापित किया और सफलतापूर्वक आतंकवादी संगठन संयुक्त लड़ाकू बल के एक सेल्फ स्टाईल मेजर को मार गिराया और एक अन्य को गंभीर रूप से घायल किया तथा साथ ही अन्य आतंकवादियों को भारी गोलीबारी करके उलझाये रखा और अपनी टुकड़ी की सुरक्षा सुनिश्चित की। खुफिया जानकारी के अनुसार सेल्फ स्टाईल मेजर व सेल्फ स्टाईल कैप्टन असम राईफल्स पर घात लगाकर किए गए हमले के मास्टरमाइंड थे।

मेजर फ्रांसिस ने दृढ़ नेतृत्व, अदम्य साहस, सटीक खुफिया जानकारी व कौशलता का प्रदर्शन करते हुए एक बड़े आतंकवादी हमले को विफल कर दिया, जिसकी पुष्टि बरामदगी से हुई। इस वीरतापूर्ण और निस्वार्थ कार्य के लिए, मेजर मानेओ फ्रांसिस पी एफ को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

## 2. एसएस-47915एक्स मेजर अमनदीप जाखड़, 4 सिख

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 15 जून 2023)

मेजर अमनदीप जाखड़ 15 जून 2023 को नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा जिले के केरेन सेक्टर में तैनात एक एंबुश के कट-ऑफ ग्रुप के हिस्सा थे। इस एंबुश दल को पांच आतंकवादियों के एक समूह द्वारा संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर तैनात किया गया था।

16 जून 2023 को जैसे ही एंबुश दल ने आतंकवादियों पर गोलाबारी शुरू की, दो आतंकवादियों ने अधिकारी और उसकी टीम पर भारी गोलाबारी करते हुए भागने की कोशिश की। मेजर अमनदीप ने आतंकवादियों की गोलाबारी के बावजूद उनका पीछा किया। इस दौरान वह एक आतंकी के सामने आ गए और गुथम-गुथा की लड़ाई में उसे मार डाला। दूसरा आतंकी एक पेड़ के पीछे से भारी गोलीबारी व ग्रेनेड से हमला कर रहा था। अपने साथियों के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए, अधिकारी अपनी जान की परवाह किए बिना, आतंकी के नजदीक पहुंच गए ताकि उसको अपनी आड़ से बाहर निकाल सके। जैसे ही आतंकी ने अधिकारी पर फायर किया, उसकी स्थिति की सटीक जानकारी हो गई और अधिकारी के साथी ने आतंकी को मार गिराया।

अधिकारी ने अपने साथियों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और ऑपरेशन को सफल किया। ऑपरेशन में भारी हथियारों से लैस पांच विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

अदम्य साहस, दृढ़ नेतृत्व और युद्ध की स्थिति में उत्कृष्ट निर्णय लेने के लिए, मेजर अमनदीप जाखड़ को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

## 3. आईसी-83609एन कैप्टन एमवी प्रंजल, सिग्नल्स/ 63 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 नवम्बर 2023)

22 नवम्बर 2023 को राजौरी जिले के जंगली इलाके में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी के आधार पर कैप्टन एमवी प्रंजल एक छोटी टीम को लेकर निगरानी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। जिस क्षेत्र में अभियान चल रहा था उस क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों सहित अन्य नागरिक भी मौजूद थे।

आड़ लेते हुए, उन्होंने दो आतंकवादियों की हरकत देखी। आतंकवादियों ने भी उन्हें देख लिया और गोलीबारी शुरू कर दी। महिलाओं और बच्चों के लिए खतरे को भांपते हुए, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, कप्तान एमवी प्रंजल ने उनको खतरे से बाहर निकाला और साथ ही आतंकवादियों से भिड़ गए। अपनी टीम के आकार और भारी गोलीबारी के बावजूद, उन्होंने अतिरिक्त सैनिकों के आने तक आतंकवादियों से संपर्क बनाए रखा। इस दौरान गोली लगने के कारण वह वीरगति को प्राप्त हो गये।

नागरिकों की जान बचाने और आतंकवादियों के साथ संपर्क बनाए रखते हुए उनके खात्मे के लिए प्रदर्शित की गई अदम्य बहादुरी अनुकरणीय रही है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान इलाके में नागरिकों की हत्या और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने वाले मास्टर माइंड के रूप में की गई। इस सफलता से इलाके में आतंकियों को निर्णायक झटका लगा। अद्वितीय और निःस्वार्थ साहस के प्रदर्शन के लिए, कैप्टन एमवी प्रंजल को “शौर्य चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।

## 4. आईसी-86211के कैप्टन अक्षत उपाध्याय, 20 जाट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 27 मई 2023)

दिनांक 27-28 मई 2023 की रात्रि को कैप्टन अक्षत उपाध्याय और उनके दल ने एक अस्थाई ऑपरेटिंग बेस बनाया। सुबह लगभग 0300 बजे उन्होंने गाँव में कुछ दूरी पर एक घर को आग से जलता हुआ देखा और गाँव की ओर एक भीड़ की आवाजाही देखी। कैप्टन अक्षत उपाध्याय ने तुरंत उजाले के लिए अपने दल को रौशनी गोलीबारी करने का निर्देश दिया। रौशनी होते ही उनके दल के ऊपर जलते हुए घर की दिशा से स्वचालित हथियारों से भारी मात्रा में गोलीबारी हुई। भारी गोलीबारी के बीच कैप्टन अक्षत उपाध्याय ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक छोटी टुकड़ी के साथ असामाजिक तत्वों के बड़े दल को पीछे से घेर लिया और चेतावनी दी कि घरों को न जलाएँ, परन्तु पुनः उन पर भारी गोलीबारी की गई। जवाबी कार्यवाही में कैप्टन अक्षत ने चार हथियारबंद विद्रोहियों को बिल्कुल नजदीक से मार गिराया और पांच को युद्ध जैसे सामान के साथ पकड़ लिया। कैप्टन अक्षत की इस कार्यवाही ने बचे हुए असामाजिक तत्वों को भागने पर मजबूर किया तथा 200 ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

असाधारण साहस के इस कार्य के लिए, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना भारी गोलाबारी के बीच अद्वितीय बहादुरी, सामरिक कौशलता, चुनौतीपूर्ण स्थिति में त्वरित कार्यवाही के लिए, कैप्टन अक्षत उपाध्याय को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

## 5. जेसी-573009ए नायब सूबेदार बारिया संजय कुमार भमर सिंह, 21 महार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 12 जून 2023)

विभिन्न ऐजेंसियों से मिली घुसपैठ की खुफिया जानकारी के आधार पर, नायब सूबेदार बारिया संजय कुमार भमर सिंह को 12 जून 2023 को खुफिया घात लगाने का कार्य सौंपा गया। ग्यारह दिनों तक मुश्किल हालातों में भी इन्होंने खुफिया घात को बनाए रखा तथा अपनी टोली को प्रेरित रखा जो कि इनके कुशल नेतृत्व का परिमाण था। दिनांक 22 जून को, जब खुफिया घात को विसर्जन करने का आदेश मिला, उसी दौरान 4-5 आतंकवादियों के द्वारा घुसपैठ की विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। नायब सूबेदार बारिया संजय कुमार भमर सिंह ने शारीरिक रूप से थके होने के बावजूद भी काला जंगल में फिर से खुफिया घात लगाने की इच्छा जाहिर की।

23 जून 2023 को जब आतंकवादी प्रभावी फायरिंग रेंज के भीतर आ गए, लेकिन ऊबड़ खाबड़ जमीन होने के कारण आतंकवादियों से मुकाबला नहीं किया जा सका, तब नायब सूबेदार बारिया संजय कुमार भमर सिंह भीषण गोलाबारी के बीच स्वेच्छा से आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए आगे बढ़े। फौलादी साहस का परिचय देते हुए इन्होंने आतंकवादी समूह के प्रति तेज और आक्रामक जवाबी कारवाई की और घनी जंगल वाले एवं विस्फोटक से लैश इलाका होने के बावजूद अपनी जान की परवाह न करते हुए ताबड़तोड़ गोलाबारी करके इन्होंने एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया।

एक कट्टर आतंकवादी को निष्प्रभावी करने और अदम्य साहस, सामरिक कौशल और सीमा से परे आत्म उदाहरण प्रदर्शित करने के लिए, नायब सूबेदार बारिया संजय कुमार भमर सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 6. जी/95821एक्स हवलदार संजय कुमार, 9 असम राईफलस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 13 मई 2023)

13 मई 2023 को हवलदार संजय कुमार को चार सशस्त्र उग्रवादियों की उपस्थिति से संबंधित एक खुफिया जानकारी मिली।

1100 बजे एक अधिकारी के अधीन एक दल को आगे भेजा गया और लगभग 1200 बजे दल सामान्य क्षेत्र तक पहुंच गया। हवलदार संजय कुमार ने कम दूरी (08 मीटर) पर दो सशस्त्र विद्रोहियों को देखा और उन्हें चुनौती दी, लेकिन सशस्त्र विद्रोहियों ने अपने स्वचलित हथियार से उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। हवलदार संजय कुमार को उनकी दाहिनी पिंडली में गोली लगी, इसके बावजूद उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस और सामरिक कौशल का परिचय देते हुए एवं इलाके की जानकारी का इस्तेमाल कर अपनी लाइट मशीनगन को तुरंत ऊंचाई पर तैनात कर दिया। हवलदार संजय कुमार ने यह सुनिश्चित किया कि सशस्त्र उग्रवादियों को ढेर करते समय उसका अनुभाग प्रभावी गोलीबारी की चपेट में न आए। भारी स्वचलित गोलीबारी के इस आदान-प्रदान में, उन्होंने घायल होते हुए भी अपने पूरे स्तंभ की सुरक्षा की।

मानवीय कार्य और सशस्त्र विद्रोहियों के साथ हुई गोलीबारी के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने के लिए, हवलदार संजय कुमार को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 7. जी/5031618पी राईफलमैन आलोक राव, 18 असम राईफलस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 03 मई 2023)

03 मई 2023 को मणिपुर में जातीय दंगे भड़क उठे और पूरे राज्य में तेजी से स्थिति बिगड़ने लगी। बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 18 असम राईफलस के दल को तैनात किया गया। राईफलमैन आलोक राव, जिले के अति संवेदनशील इलाके में तैनात आंतरिक सुरक्षा दल का हिस्सा थे। दल को इलाके के सबसे ऊँचे स्थान पर कब्जा करने का काम सौंपा गया था, ताकि हिंसक गतिविधियों में शामिल गाँवों की निगरानी की जा सके।

10 मई 2023 को राईफलमैन आलोक राव को लाइट मशीनगन बंकर में तैनात किया गया था। लगभग 1130 बजे, 10-12 संदिग्ध सशस्त्र विद्रोहियों को उनकी ओर बढ़ते देखा गया। राईफलमैन आलोक राव ने अपनी स्थिति और अपने सहयोगियों के लिए एक आसन्न खतरे को महसूस करते हुए सशस्त्र समूह को चुनौती दी, जिसने बिना किसी चेतावनी के गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया, जिसमें दो तीन विद्रोही घायल हुए और उन्हें भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, गोलीबारी में राईफलमैन आलोक राव भी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें सैन्य अस्पताल में ले जाया गया। जहाँ वे वीरगती को प्राप्त हो गए।

अनुकरणीय साहस और बहादुरी, ऑपरेशन के दौरान बुद्धिमत्ता का परिचय व अन्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए, राईफलमैन आलोक राव को “शौर्य चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।

#### 8. श्री परषोत्तम कुमार, केयर ऑफ 63 राष्ट्रीय राईफलस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 05 अगस्त 2023)

श्री परषोत्तम कुमार, जिला राजौरी के निवासी हैं, जो पेशे से किसान और एक सक्रिय ग्राम रक्षा समिति के सदस्य भी हैं। वह एक साहसी व्यक्ति हैं और उनके अंदर राष्ट्र के प्रति सेवा करने की भावना निहित है और वह अपने गांव की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

अगस्त 2023 में, जब श्री परपोत्तम कुमार अपने परिवार के साथ जंगल में जलावन के लिए लकड़ी इकट्ठा कर रहे थे, तो उन्होंने दो अज्ञात हथियारबंद व्यक्तियों को उनके स्थान के करीब आराम करते हुए देखा। गाँव के लिए खतरा महसूस करते हुए, उन्होंने चुपचाप अपने परिवार के सदस्यों को सचेत किया और अपने घर की सुरक्षा में ले गए और अपना हथियार ले आए। उन्होंने सूझबूझ और दूरदर्शिता का परिचय देते हुए, उनके वीडीसी के अन्य सदस्यों, पुलिस और सेना को सतर्क किया। जब सुरक्षाबल इकट्ठा हो रहे थे, उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना दोनों आतंकवादियों का पीछा किया तथा अदम्य साहस और उत्कृष्ट फील्ड क्राफ्ट के साथ, वे पहले आतंकवादी के नजदीक गए और उन्हें नजदीक से उलझा कर रखा। उन्होंने सुरक्षा बल के आने तक दूसरों से सम्पर्क बनाये रखा। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई की मदद से एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

प्रखर देशभक्ति, संकल्प और अदम्य साहस को प्रदर्शित करने के लिए श्री परपोत्तम कुमार को उनकी प्रेरणादायक वीरता के लिए “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 9. 09883-के लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 06 मार्च 2023)

दिनांक 06 मार्च 2023 को ओएनजीसी की तरफ से एक आपातकालीन संदेश प्राप्त हुआ और भारतीय नौसेना से तत्काल गोताखोरी की सहायता मांगी गयी। देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण एक प्रमुख अपतटीय विकाश परियोजना के लिए काकीनाडा बन्दरगाह के बाहरी तट पर तैनात, एक ईंधन उत्पादन भंडारण तथा स्थांतरण की एक विशालकाय नौका आरमदा स्टरलिंग वी में ईंधन ई-निष्कर्षण उपकरण (तुरेट) क्षेत्र में घने मछली के जाल फसने के कारण पिरचालन को तुरंत बंद कर दिया गया। भारतीय नौसेना की ओर से एक गोताखोरी दल को सहायता के लिए तैनात किया गया जिसमें लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे।

आरमदा स्टरलिंग की सहायता में गोताखोर को 18 फीट की ऊँचाई पर एवं 100 फीट क्षैतिज गोताखोरी कर के ईंधन ई-निष्कर्षण उपकरण को संचालित करना था। पानी के नीचे की कार्यवाही बहुत चुनौतीपूर्ण थी। जहाज के जटिल संरचना तथा तीव्र जल प्रवाह के कारण गोताखोरी की कार्यवाही बहुत ही जोखिम भरी थी। उस जगह पे गोताखोरी की कार्यवाही करना ही एक साहसिक कार्य था।

गोताखोर अपने आप को पानी के नीचे स्थिर नहीं कर पा रहे थे। इस कार्य में लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा ने प्रथम गोताखोरी कर के दल का मनोबल बढ़ाया तथा एक निडर गोताखोर के रूप में निखर कर आए। दिनांक 12 मार्च 2023 समय 1000 बजे जैसे ही अधिकारी ने गोता लगाया पानी के बेरहम तेज बहाव ने उनपर हमला किया तथा उनको पीछे की ओर धकेल दिया। लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा अद्भुत साहस के साथ तेज बहाव का सामना करते हुए 18 फीट की गहराई में जा कर जहाज के नीचे पहुंचे जहाँ पानी का बहाव ज्यादा तेज था। अधिकारी ने निडरता के साथ रस्सी (बॉटम चैन) को थामे रखा और तेज बहाव का सामना करते हुए आगे बढ़ते रहे। इस कार्यवाही के दौरान गोताखोर अपनी सांस लेने की नली को संभालते हुए इंच दर इंच अपने लक्ष्य की ओर बढ़े फिर 100 फीट की दूरी तय करने के बाद सफलतापूर्वक ईंधन ई-निष्कर्षण उपकरण तक पहुंचे। इस जंग में अपने धैर्य और मनोबल को नियंत्रण में रखते हुए एक-एक करके, ईंधन ई-निष्कर्षण उपकरण में फसे मछली के जाल को निकाला। पहले गोता के बाद ही लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा को ये एहसास हुआ की यह कार्य कोई सरल कार्य नहीं और बहुत जोखिमभरा है, अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्होंने पूर्ण दृढ़ता के साथ गोताखोरी का भार अपने कंधे पे ले लिया। लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा ने दो चरणों में कुल मिलाकर 16 बार गोताखोरी की जिसका कुल समय 552 मिनट था। उसके बाद भवरों का सामना करे हुए अधिकारी ने जहाज के नीचे गोता लगाया और जटिल ईंधन ई-निष्कर्षण उपकरण का चल-चित्र बनाया। जिसके कारण पानी के अंदर की सटीक तस्वीर पेश की गयी। इस चल-चित्र के बदौलत ईंधन ई-लाइनों की निर्वाध स्थापना सक्षम की गयी।

पूरी तरह से प्रतिकूल गोताखोरी ऑपरेशन में अधिकारी के निःस्वार्थ कार्य और अदम्य साहस ने ओएनजीसी के परिचालन आपातकाल को समाप्त कर दिया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए लेफ्टिनेंट बिमल रंजन बेहेरा को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 10. 29507 विंग कमांडर शैलेश सिंह, उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 11 फरवरी 2023)

विंग कमांडर शैलेश सिंह को 16 जून 2007 को भारतीय वायु सेना की हेलिकॉप्टर शाखा में उड़ान(पायलट) के रूप में कमीशन प्रदान किया गया।

इन्हें चारों ओर से उच्च सुरक्षित जगह के बीच में स्थित राष्ट्र विरोधी तत्वों (एएनई) को लक्ष्य बनाने के एक चुनौतीपूर्ण और साहसी विशेष हेलिबोर्न ऑपरेशन के नेतृत्व फॉर्मेशन में नं. 2 हेलिकाप्टर पर उड़ान भरने का जिम्मा सौंपा गया। मिशन के मुख्य दिन (D-Day) में हेलिकॉप्टर पर सैन्यदल (ट्रूप्स) के साथ घने जंगल क्षेत्र के बीच से अत्यधिक कम ऊँचाई पर उड़ान भरना और एक कठिन ऑपरेशन के लिए चारों ओर बड़े-बड़े दरखतों से घिरी छोटी खाली जगहों पर पहुंचाना शामिल था। क्षेत्र स्थिति की जानकारी न होने और जमीन से शत्रु द्वारा गोलीबारी की संभावना ने इस कार्य को और अधिक दुष्कर बना दिया। जैसे ही ये हेलिकॉप्टर पर सैन्यदल के 24 कार्मिकों के साथ लैंडिंग स्थल पर पहुंचे, हेलिकॉप्टर पर चारों दिशाओं से स्वचालित हथियारों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की जाने लगी। अपनी सूझ-बूझ से इन्होंने तुरंत ही जवाबी गोलीबारी का आदेश दिया जिससे शत्रु तत्वों को गंभीर क्षति हुई। असाधारण बहादुरी प्रदर्शित करते हुए इन्होंने कुशलता और चतुराई से वायुयान को गोलीबारी क्षेत्र से बाहर निकाला। इनके हेलिकॉप्टर को 35 गोलियां लगी जिसमें हेलिकॉप्टर की मुख्य प्रणालियों को गंभीर क्षति पहुंची और



काँकपिट में एक फ्लाइट इंजीनियर सहित छह सैनिक घायल हो गए। गोलियां लगने से बाएं ओर के ईंधन स्थानांतरण पंप को नुकसान पहुंचा और फ्लाइट गनर ने कार्गो कक्ष में अत्यधिक रिसाव की सूचना दी। हेलिकॉप्टर के भीतर ईंधन के अत्यधिक रिसाव से आग लगने और विस्फोट होने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। इसके कुछ देर बाद ही दूसरा ईंधन स्थानांतरण पंप फेल हो गया और ईंधन का स्तर नाजुक स्तर तक कम हो गया। निडर होकर, ये शांत एवं लक्ष्य की ओर ध्यान देते रहे और समय पर हेलिकॉप्टर को 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नजदीकी हेलीपैड पर ले जाने का निर्णय लिया तथा हेलिकॉप्टर एवं सभी कार्मिकों को सुरक्षित बचा लिया।

शत्रु की गोलाबारी का सामना करते हुए जीवन को खतरे में डालने वाली स्थिति में उत्कृष्ट शौर्य, असाधारण साहस तथा अनुकरणीय नेतृत्व प्रदर्शित करने के लिए विंग कमांडर शैलेश सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 11. 36810 फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिकेश जयन करन्थेडथ, फ्लाईंग (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 24 मई 2023)

फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिकेश जयन करन्थेडथ (36810) को 20 जून 2020 को भारतीय वायु सेना की उड़ान (पायलट) शाखा में कमीशन प्रदान किया गया।

24 मई 2023 को उन्हें ऑनबोर्ड दो भूकम्पी दल के डी ओ-228 वायुयान में पठानकोट से दिल्ली के लिए कैप्टन के तौर पर एक रूटीन ट्रांसपोर्ट रोल मिशन पर उड़ान भरने के लिए नामित किया गया था। मिशन के अंतिम समय के दौरान लैंडिंग गियर डाउन का चयन करते समय तीन हरी बत्तियां नहीं जली तथा हाइड्रॉलिक दाब शून्य आ रहा था। एक विकट स्थिति को सामने देखते हुए जिससे वायुयान तथा उसके यात्रियों को खतरा हो सकता था, उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा, आपातस्थिति की सही से पहचान की तथा तुरंत बचाव कार्रवाई शुरू की। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारी यातायात स्थिति को समझते हुए उन्होंने लैंडिंग गियर का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने के लिए हिंडन एयरफील्ड जाने का निर्णय लिया। पायलट प्रचालन पुस्तिका के अनुसार सभी कार्रवाई करने पर तथा लैंडिंग गियर के साथ आपातस्थिति में उपयोग किए जाने वाले साधनों का चयन करने पर भी तीन हरी बत्तियां नहीं जली। हवा में तेजी से खराब होती इस स्थिति के बीच उन्होंने असाधारण साहस तथा परिस्थिति के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया तथा अतिरिक्त ईंधन को जलाने के बाद बैली लैंडिंग करने का निर्णय लिया। अपने सीमित अनुभव के बावजूद उन्होंने स्थिति की कमान अपने हाथ में संभाली, उत्कृष्ट कर्मीदल संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन किया तथा रेडियो टेलिफोन के माध्यम से भूमि (हवाई अड्डे) पर उपलब्ध सुपरवाइजर (पर्यवेक्षक) से लैंडिंग गियर को नीचे करने के लिए कोई अतिरिक्त जानकारी हासिल करने के लिए अपने सह-पायलट को निर्देश दिया, जबकि उन्होंने स्वयं वायुयान को सटीकता से उड़ाना जारी रखा। हिंडन रनवे पर बैली लैंडिंग करने का निर्णय लेते हुए उन्होंने शाम के समय एक उत्तम बैली लैंडिंग का निष्पादन करने के लिए परिशुद्ध कर्मीदल समन्वय तथा स्थानिक स्थिति निर्धारण का प्रदर्शन किया। उन्होंने वायुयान को रनवे की मध्य रेखा पर रोका, तुरंत बाहर निकलने का आदेश दिया तथा कर्मीदल का वायुयान से सुरक्षित बच निकलना सुनिश्चित किया।

एक विकट आपातस्थिति के दौरान असाधारण साहस के कार्य के लिए फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिकेश जयन करन्थेडथ को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

#### 12. 11225 सहायक कमांडेंट बिभोर कुमार सिंह, 205 कोबरा, सीआरपीएफ

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 25 फरवरी, 2022)

25 फरवरी, 2022 को गुप्त सूचना के आधार पर, लंगोराही, पचरुखिया, ब्रह्मदेव बथान, करीबा धोबा, बांदी और दूधझागरा पहाड़ थाना-मदनपुर, जिला- औरंगाबाद, बिहार, के आसपास चकरबन्ध वन क्षेत्र में नक्सलियों के एक सशस्त्र समूह की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिली, 205 कोबरा, 47 सीआरपीएफ और बिहार पुलिस द्वारा एक विशेष एसएडीओ (SADO)लॉन्च किया गया।

205 कोबरा की टीम संख्या-01, 02 और 10 के साथ 47 सीआरपीएफ की एक कंपनी को लगभग 1100 बजे लक्ष्य क्षेत्र पर हमला करने का काम सौंपा गया था। लगभग 1455 बजे, योजना के अनुसार, 47 सीआरपीएफ की टुकड़ियां, श्री वरिंदर पाल सिंह, उप कमांडेंट, की कमान में टीम नंबर 10, श्री अनीश ए.एस., सहायक कमांडेंट, की कमान के तहत टीम नंबर 01 और श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट की कमान के तहत टीम नंबर 02 की टुकड़ियां रणनीतिक रूप से करीबा धोबा की ओर बढ़ी। श्री वरिंदर पाल सिंह, उप कमांडेंट ने इलाके में नक्सलियों की कार्यप्रणाली और आईईडी की मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए इलाके का गहन विश्लेषण किया। तत्पश्चात, जवानों को दो समूहों में विभाजित करते हुए, लक्ष्य को दो दिशाओं से कवर करने का निर्णय लिया गया। बड़े पत्थरों, झाड़ियों और नालों जैसी चुनौतीपूर्ण बाधाओं से गुजरते हुए, जवान बहादुरी से लक्षित पहाड़ी की चोटी की ओर बढ़े। टीम नंबर 10 करीबा धोबा की पहाड़ी पर जाने के लिए आगे बढ़ी, टीम नंबर 01 और टीम नंबर 02 को लक्ष्य की तलहटी की खोज और छानबीन का काम सौंपा गया। चोटी पर चढ़ने के दौरान, जैसे ही टीम नंबर 10 पहाड़ी की चोटी की ओर आगे बढ़ी और लक्ष्य तक पहुंचने की वाली थी, लगभग 1630 बजे, नक्सलियों ने ऊंचाई से टीम नंबर 10 के जवानों पर भारी मात्रा में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जानलेवा स्थिति के बीच और टीम नंबर 10 को माओवादियों की भारी गोलीबारी के प्रभाव क्षेत्र में आते देख, श्री अनीश ए.एस., सहायक कमांडेंट, अपनी टीम के साथ, साहसपूर्वक बाएं किनारे से सहायता प्रदान करने के लिए आगे बढ़े। सिपाही/जीडी मौ. काजल शेख, एक कुशल बीडीडीएस जवान, ने भारी बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र को तेजी से और प्रभावी ढंग से सुरक्षित किया, जिससे जवानों को आगे बढ़ने के लिए एक सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हुआ। हालाँकि, नक्सलियों की ओर से लगातार अंधाधुंध गोलीबारी उनके आगे बढ़ने के लिए एक

महत्वपूर्ण चुनौती थी। नेतृत्व और सामरिक कौशल का असाधारण प्रदर्शन करते हुए श्री अनीश ए.एस., सहायक कमांडेंट, ने अपनी टीम को संगठित किया और अपने साथी जवान (बड्डी) और स्काउट ग्रुप के साथ बड़े और मजबूत पत्थरों के पीछे छिपे नक्सलियों की ओर आगे बढ़े। पहाड़ी की तलहटी के पास कमांडरों और जवानों की वीरतापूर्ण जवाबी कार्रवाई के बावजूद, नक्सलियों की अच्छी तरह से मजबूत स्थिति से तीव्र गोलीबारी ने जवानों को आगे बढ़ने से रोक दिया। पहाड़ी की चोटी के बाईं ओर से भारी और अंधाधुंध फायरिंग के कारण उत्पन्न गतिरोध को पहचानते हुए और शाम ढलने को ध्यान में रखते हुए, श्री अनीश ए.एस., सहायक कमांडेंट ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट को गतिरोध को तोड़ने के लिए बगल से आक्रमण करने का निर्देश दिया। स्थिति के जवाब में, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने अटूट दृढ़ संकल्प और निडरता का प्रदर्शन किया। हवलदार/आर.ओ. सुरेंद्र कुमार यादव और अन्य की अपनी टीम के साथ टीम नंबर 01 को सहायता प्रदान करने के लिए दाहिनी ओर से आगे बढ़े, जो पहाड़ी की तलहटी के पास फंसी हुई थी। आसन्न खतरे के बावजूद अदम्य साहस और निस्वार्थता का प्रदर्शन करते हुए और रेंगते हुए नक्सलियों की ओर गोलीबारी करते हुए आगे बढ़े। हालाँकि, नक्सली चट्टानों और पेड़ों की सुरक्षित आड़ में जमे रहे और रणनीतिक रूप से लगाए गए कमांड व प्रेशर आईईडी द्वारा उनकी सुरक्षा और मजबूत हो गयी थी। गंभीर और खतरनाक स्थिति का आकलन करते हुए और अपनी टीम की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट और हवलदार/आर.ओ. सुरेंद्र कुमार यादव ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए लगातार आगे बढ़ना और गोलीबारी जारी रखी। नक्सली हमले का मुकाबला करने के लिए, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने साहसिक कार्रवाई की और नक्सली ठिकानों पर यूबीजीएल फायर करने का निर्देश दिया। उनकी इस दुस्साहसिक कार्रवाई से नक्सलियों की किलेबंदी ध्वस्त हो गई, उनका मनोबल टूट गया और भय पैदा हो गया, जिससे उन्हें मुठभेड़ स्थल से पीछे हटना पड़ा। नक्सली द्वारा पीछे हटते हुए कब्जे से बचने के लिए पत्थरों और पेड़ों की आड़ का इस्तेमाल करते हुए जवानों पर लगातार गोलीबारी जारी रखी गयी। नक्सलियों के खिलाफ जोरदार जवाबी हमले के दौरान, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, हवलदार/आर.ओ. सुरेंद्र कुमार यादव और हवलदार/जीडी सुमन कुमार पांडे के साथ, नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गए। परिणामस्वरूप, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, और हवलदार/आर.ओ. सुरेंद्र कुमार यादव को गंभीर और भारी चोटें आईं। घावों की गंभीरता के बावजूद, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया और जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति का सामना करते हुए भी, अटूट दृढ़ संकल्प के साथ अपने जवानों का नेतृत्व और निर्देशन करना जारी रखा। अपना बायाँ पैर खोने के बाद व गंभीर स्थिति के बावजूद, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने निडरता से असाधारण वीरता, साहस और शक्ति का उदाहरण दिया। अपनी अक्षम गतिशीलता से विचलित हुए बिना, उन्होंने आड़ के पीछे अपनी फायरिंग स्थिति बनाए रखी और अपनी टुकड़ी को आगे की प्रगति में सहायता के लिए कवरिंग फायर प्रदान करना जारी रखा। गंभीर रूप से घायल होने का एहसास और बहते खून का दृश्य किसी को भी विचलित कर सकता था लेकिन श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किए बिना, अदम्य इच्छाशक्ति के साथ बहादुरी से अपने जवानों का नेतृत्व और निर्देशन करते रहे। अकल्पनीय दर्द और पीड़ा के बावजूद, उन्होंने कमान और नियंत्रण में रिकतता न हो यह सुनिश्चित किया और जवानों को प्रभावी ढंग से महत्वपूर्ण निर्देश देना जारी रखा। श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट के अद्वितीय नेतृत्व और अटूट संकल्प ने उनके आसपास के सभी जवानों के लिए जबरदस्त प्रेरणा का काम किया। श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट द्वारा विपरीत परिस्थितियों में दिखाई गई बहादुरी और दृढ़ता ने उन सभी पर एक अमिट छाप छोड़ी, जिन्होंने उनके साहसी कार्यों को देखा। गंभीर बाधाओं का सामना करने के बावजूद, श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने आसन्न खतरे के सामने भी अटूट साहस, कर्तव्य की पुकार से परे, गहरी प्रतिबद्धता और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया। जब मौत सामने खड़ी थी, तब उन्होंने निडरता से अपने जवानों का नेतृत्व किया और उन्हें एक समन्वित और उत्साही आक्रमण शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जिससे नक्सलियों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके साहसी प्रयासों के परिणामस्वरूप, 205 कोबरा की टुकड़ियाँ सफलतापूर्वक पहाड़ी की चोटी पर पहुँच गईं और प्रभुत्व वाली स्थिति पर नियंत्रण हासिल कर लिया। नतीजा यह हुआ कि नक्सली पीछे हटने को मजबूर हो गये, लेकिन पीछे हटते वक्त वे रुक-रुक कर फायरिंग करते रहे। जवाबी कार्रवाई में, 205 कोबरा के जवानों ने एक मजबूत जवाबी हमला किया और उनके साहसी कार्रवाई और सामूहिक प्रयास ने स्थिति बदल दी, जिससे नक्सलियों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप टुकड़ियों द्वारा पहाड़ी की चोटी को सुरक्षित किया गया। श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट के असाधारण दृढ़ संकल्प और नेतृत्व के साथ-साथ जवानों के अटूट संकल्प ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित की। ऑपरेशन के दौरान घटना स्थल से भारी मात्रा में आई.ई.डी. बनाने का सामान बरामद किया गया।

गंभीर चोटों के बावजूद, आसन्न खतरे के सामने, उनकी अदम्य वीरता और अनुकरणीय दृढ़ संकल्प की मान्यता में, 205 कोबरा के श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

13. जेकेपीएस116050 पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 14 जून, 2022)

दिनांक 14.06.2022 को जिला श्रीनगर के बेमिना क्षेत्र में अवैध हथियार/गोला-बारूद ले जाने वाले अज्ञात आतंकवादियों की आवाजाही/उपस्थिति के संबंध में (पीसी) श्रीनगर को एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। यह भी पता चला कि आतंकवादियों की श्री अमरनाथ जी यात्रा 2022 के मद्देनजर पुलिस/एसएफ/काफिले/तैनाती पर हमला करके पंथा चौक परिम्पूरा अक्ष से एनएचडब्ल्यू पर फिदायीन हमले जैसी गतिविधि को अंजाम देने की योजना है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई के लिए आतंकवादियों का सही स्थान/उचित पहचान प्राप्त करने के लिए, तुरंत जिला श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर की पुलिस टोली का गठन कर के क्षेत्र में तैनात किया गया ताकि बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मामले में कार्रवाई की जा सके।

आतंकवादियों का पीछा करने, किसी भी अप्रिय घटना से बचने और उचित कार्रवाई करने के लिए, श्रीनगर के पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में एक छोटी टीम ने जेवीसी बिमना बाईपास, श्रीनगर में एक विशेष नाका स्थापित किया। अधिकारी अपने साथियों के साथ घात दल में सबसे आगे तैनात हो गए ताकि सबसे संभावित मार्ग को कवर किया जा सके जोकि पास के SKIMS बिमना (जेवीसी) की ओर जाता था, जहां हमेशा आम नागरिकों के अलावा मरीजों और उनके परिचारकों की आवाजाही बनी रहती है। आतंकवादियों द्वारा भागने या पुलिस पार्टी से सामना करने के बाद अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए इस प्रतिष्ठान का उपयोग किया जा सकता था। 'फिदायीन दस्ता' होने के कारण आतंकवादी जब नाका/घात के पास पहुंचे, तो उन्होंने नाका पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी की और पास के बिल्ड-अप क्षेत्र की ओर भाग गए, जिसके एक तरफ सरकारी अस्पताल और दूसरी तरफ CRPF कैंप था। पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल अपने साथियों के साथ परिचालन रणनीति के बीच लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ते रहे और जैसे ही उनके साथी कार्यालय के करीब पहुंचे, छिपे हुए आतंकवादियों को उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ और उन्होंने अधिकारी और उनके साथियों पर अंधाधुंध गोलीबारी के बीच हथगोले फेंके, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए। हालाँकि, अधिकारी ने अतुलनीय वीरता और असाधारण साहस का परिचय देते हुए घायल होने के बाद भी अपनी जान की परवाह किए बिना अपने साथी को गोलीबारी क्षेत्र से हटा दिया। अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए आगे से अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए, अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल दृढ़ रहे और साहस दिखाया। सरकारी अस्पताल की ओर आतंकवादियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए, जहां नागरिक, महिलाएं और बच्चे सहित मरीज/परिचारक मौजूद थे और उक्त प्रतिष्ठान में बंधक जैसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए, अधिकारी ने आतंकवादियों को चुनौती दी। जवाबी कार्रवाई में आतंकवादियों ने अधिकारी की ओर ग्रेनेड फेंकने के अलावा अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारी ने नागरिकों के जीवन के लिए आसन्न खतरे को भांपते हुए, अपनी जान की परवाह किए बिना और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए गोलीबारी में आगे बढ़ना जारी रखा और अपने निजी हथियार से बहुत करीब से गोलीबारी में एक आतंकवादी को ढेर कर दिया तथा दूसरा घायल कर दिया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में आतंकवादी कमांडर "राही भाई उर्फ अब्दुल्ला गोजरी, निवासी पाकिस्तान, लश्कर संगठन का "ए+" श्रेणी का आतंकवादी" के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। एक मामला एफआईआर संख्या 52/2022 यू/एस 307 आईपीसी, 7/27 आर्म्स एक्ट; आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन बेमिना, श्रीनगर में 16,18,38 यूएलए (पी) अधिनियम दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल असाधारण साहस का परिचय देते हुए अपनी छोटी सी टीम का नेतृत्व करते हुए पास के इलाके की ओर बढ़े, जहां दूसरा आतंकवादी घायल होने के बाद एक सीमेंटेड ढांचे के पीछे छिप गया था। पुलिस दल की गतिविधि को देखते हुए, आतंकवादी ने हथगोले फेंकने के अलावा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप कुछ अन्य कर्मी घायल हो गए। इस स्तर पर, अपनी टीम के सदस्यों के जीवन के लिए आसन्न खतरे को भांपते हुए, श्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक पीसी श्रीनगर ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपना कवर छोड़ दिया और आतंकवादी की ओर बहादुरी से आगे बढ़े और उसे बहुत करीब से अपनी असॉल्ट राइफल से मार गिराया। उक्त मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में "आदिल हुसैन मीर उर्फ मुसैब पुत्र अल्ताफ हुसैन मीर निवासी लिवर श्रीगुफवारा अनंतनाग, जो कि लश्कर-ए-तैयबा संगठन का पाकिस्तान प्रशिक्षित "बी" श्रेणी का आतंकवादी था, के रूप में सामने आई। मारे गए ये आतंकवादी घाटी में कई आतंकी हमलों में शामिल थे। ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ और इन आतंकवादियों का खात्मा दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।

पुलिस स्टेशन बेमिना के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले जेवीसी श्रीनगर के पास बेमिना में तत्काल आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन 02 संवेदनशील प्रतिष्ठानों के निकट एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान पर आतंकवादियों की मौजूदगी के कारण सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण था; एक तरफ सरकारी अस्पताल और दूसरी तरफ CRPF कैंप। पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में पुलिस टीम सरकारी अस्पताल के अंदर नागरिकों और आस-पास के इलाके में रहने वाले लोगों और CRPF की स्थापना सुनिश्चित करने के अलावा ऑपरेशन के दौरान लगातार अनिश्चितता के बावजूद अविचल और अग्रिम मोर्चे पर कार्रवाई में दृढ़ रही और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। लश्कर-ए-तैयबा के खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने की उपलब्धि का श्रेय पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के जबरदस्त धैर्य, दृढ़ संकल्प, अनुकरणीय वीरता और कभी न हार मानने वाले जज्बे को दिया जाता है।

असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता, अदम्य इच्छाशक्ति और भारी बाधाओं के बावजूद राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने के लिए अधिकारी द्वारा प्रदर्शित जुनून के कारण पूरा ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सबसे चुनौतीपूर्ण और दुर्लभ परिस्थितियों (दुश्मन के सामने) में अतुलनीय बहादुरी, अदम्य साहस, अनुकरणीय नेतृत्व, सामरिक कौशल और अद्वितीय युद्धभाव के प्रदर्शन के लिए पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल जेकेपीएस116050 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

14. इएक्सके022280 उप निरीक्षक अमित रैना, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 03 जनवरी, 2022)

दिनांक 03.01.2022 को विश्वसनीय स्रोतों से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि अवैध हथियार/गोला-बारूद रखने वाले कुछ अज्ञात आतंकवादी श्रीनगर शहर के भीतर पुलिस/एसएफ पर हमला करने के इरादे से डार मोहल्ला वानिहामा श्रीनगर क्षेत्र में मंजूर अहमद डार पुत्र अब्दुल अहद डार निवासी वानिहामा बटपोरा के घर में छिपे हुए हैं। आतंकवादियों का सकारात्मक स्थान/उचित पहचान प्राप्त करने के लिए, तुरंत सटीक स्थान की पहचान करने और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मार गिराने के लिए जिला श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर/घाटी क्यूएटी CRPF/24 आरआर की पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने उक्त क्षेत्र में तलाशी तेज कर दी और उस घर का पता लगाने में सफलता हासिल की जिसमें आतंकवादी छिपा हुआ था। इसी बीच अग्रिम दल द्वारा चिन्हित लक्ष्य घर को घेर लिया गया।

पता चला कि लश्कर-कमांडर हाफिज उर्फ हमजा उर्फ अबू उकाशा निवासी पाक श्रेणी "ए" लक्षित घर के अंदर मौजूद है। पुलिस घटक श्रीनगर, घाटी क्यूआरटी और सेना (24-आरआर) की टीमों ने चर्चा की और उक्त क्षेत्र में एक अभियान शुरू करने की योजना तैयार की। उचित योजना के बाद, यह निर्णय लिया गया कि पहचान छुपाने और आश्चर्य बनाए रखने के लिए, पुलिस घटक श्रीनगर, घाटी क्यूआरटी और सेना (24-आरआर) की एक छोटी टीम क्षेत्र में अभियान शुरू करेगी। पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर के एसआई अमित रैना के नेतृत्व में एक छोटी टीम ने अपने साथी के साथ घर को पीछे से और दूसरी छोटी टीम ने सामने से कवर किया। उपनिर्क्षक अमित रैना इएक्सके 022280 ने अपने साथी के साथ लक्षित घर की पहचान की और उसका पता लगा लिया और प्रारंभिक घेराबंदी कर दी। घेरे के अंदर के घरों को या तो ऊंची टिन की चादरों या ऊंची चारदीवारी से अलग किया गया था, जिससे आतंकवादियों से लगातार खतरे के तहत इन बाधाओं को पार करके कर्मियों को एक घर से दूसरे घर तक जाने में बहुत सारी समस्याएं होती थीं। चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने आश्चर्य बनाए रखा और लक्ष्य घर के करीब पहुंच गए। अधिकारी और उसके साथी ने आतंकवादियों के भागने की सबसे अधिक संभावना वाली जगह को कवर करने के लिए खुद को तैनात किया और नागरिकों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया और अपनी टीम का आगे से नेतृत्व किया और लक्ष्य घर की ओर आगे बढ़ने के दौरान दृढ़ साहस का परिचय देते हुए डटे रहे। इस दौरान, छिपे हुए आतंकवादी ने कर्मियों की उपस्थिति देखी और हथगोले फेंके, जिसके दौरान वे बाल-बाल बच गए और दुश्मन के सामने अत्यंत साहस दिखाते हुए, नियंत्रित आग से जवाब दिया, जिससे आतंकवादी दूसरी दिशा में भागने लगे। उसे दूसरी तरफ से फंसा हुआ पाकर जैसे ही पुलिस कंपोनेंट, वैली क्यूआरटी/आर्मी (24-आरआर) की दूसरी टीम ने घर के दूसरी तरफ से आतंकवादी को घेर लिया, आतंकवादी छिपने के लिए भागा और एक सीमेंटेड ढांचे और चारदीवारी के पीछे छिप गया। घर को निशाना बनाया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वह आतंकवादी से उलझता रहा और आतंकवादी के करीब चला गया और उसके करीब आते ही आतंकवादी ने उन पर भारी गोलीबारी की जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और उसे जान बचाकर भागने पर मजबूर होना पड़ा। पुलिस घटक श्रीनगर, घाटी क्यूआरटी/सेना (24-आरआर) की दूसरी टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी घायल हो गए। जब दोनों अधिकारियों को एहसास हुआ कि आतंकवादी घायल हो गया है तो उन्होंने आतंकवादी को खत्म करने का फैसला किया। वह अपनी जान की परवाह किए बिना अपना कवर छोड़कर आतंकवादी की ओर बढ़े और आतंकवादी के साथ आमने-सामने की मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर हो गया। बाद में, मारे गए आतंकवादी का शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किया गया, जिसकी पहचान विदेशी आतंकवादी हाफिज उर्फ हमजा उर्फ अबू उकाशा निवासी पाक के रूप में की गई, जो लश्कर संगठन का "ए" श्रेणी का वर्गीकृत आतंकवादी था। आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन जकूरा श्रीनगर में मामला एफआईआर संख्या 02/2022 यू/एस 307 आईपीसी, 7/27 आर्म्स एक्ट और 13, 16, 18, 20, 38 यूएलएपी एक्ट दर्ज किया गया है।

उपनिर्क्षक अमित रैना इएक्सके 022280 ने न केवल लश्कर कमांडर के खात्मे के लिए मोर्चा संभाला, बल्कि अपनी असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य इच्छाशक्ति, सफल होने के जुनून और भारी बाधाओं और पेशेवर रणनीति के बावजूद राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने का प्रदर्शन किया। इसका श्रेय जबरदस्त धैर्य, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय वीरता को दिया जाता है जिसके कारण पूरा ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उपरोक्त के मद्देनजर, उपनिर्क्षक अमित रैना इएक्सके 022280 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

15. एआरपी995924 उप निरिक्षक फ़रोज़ अहमद डार, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 03 जनवरी, 2022)

दिनांक 03.01.2022 को लगभग 1420 बजे विश्वसनीय स्रोतों से एक विशिष्ट इनपुट प्राप्त हुआ कि अवैध हथियार/गोला-बारूद रखने वाले आतंकवादी जिला श्रीनगर के शालीमार गार्डन में घूम रहे हैं। आतंकवादी की तुरंत उचित पहचान करने के लिए जिला श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर/घाटी क्यूएटी सीआरपीएफ की पुलिस टीमों का गठन किया गया ताकि सटीक स्थान की पहचान की जा सके और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादी को मार गिराया जा सके।

पता चला कि लश्कर कमांडर मोहम्मद सलीम पारे "ए++ श्रेणी" शालीमार गार्डन के अंदर मौजूद है। सलीम पारे उर्फ बिल्ला को गला काटने वाले के नाम से भी जाना जाता था और वह 12 नागरिकों की हत्या और 05 जम्मू-कश्मीर पुलिस कर्मियों और 01 सीआरपीएफ कर्मि को शहीद करने के अलावा कई लोगों को घायल करने के लिए जिम्मेदार था। एसओजी श्रीनगर और घाटी क्यूआरटी की टीमों ने बगीचे के अंदर एक ऑपरेशन शुरू करने की योजना पर चर्चा की। यह पता था कि सलीम पारे पहले भी कई ऑपरेशनों से बच चुका है। उचित योजना के बाद यह निर्णय लिया गया कि पहचान छुपाने और आश्चर्य बनाए रखने के लिए एसओजी और वैली क्यूआरटी की छोटी टीमों बगीचे के अंदर सिविल में गुप्त ऑपरेशन शुरू करेंगी। उपनिर्क्षक फ़रोज़ अहमद डार एआरपी995924 के नेतृत्व में एक छोटी टीम ने सामने की ओर से बगीचे में प्रवेश किया और एसओजी और वैली क्यूआरटी की एक अन्य छोटी टीम ने पीछे की ओर से प्रवेश किया। बाग़ आम नागरिकों से भरा हुआ था जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। बगीचे के अंदर नागरिकों की आबादी शुरू में घनी थी और अंत में कम थी। उपनिर्क्षक फ़रोज़ अहमद डार ने अपने साथी के साथ बगीचे के अंत में आतंकवादी की स्थिति की पहचान की और सैनिकों की उपस्थिति को महसूस करते हुए आतंकवादी की ओर बढ़े और आतंकवादी ने अपना हथियार निकाल लिया। उपनिर्क्षक फ़रोज़ अहमद डार ने आतंकवादी को हथियार छोड़ने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और भागने लगा। हालाँकि, पुलिस दल ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया और चमत्कारिक ढंग से बच निकले। उपनिर्क्षक फ़रोज़ अहमद डार ने दुश्मन के सामने अत्यंत साहस दिखाते हुए नियंत्रित गोलीबारी से जवाब दिया, जिससे आतंकवादी दूसरी दिशा में भागने पर मजबूर हो गया। खुद को दूसरी तरफ से फंसा हुआ पाकर जैसे ही एसओजी श्रीनगर और घाटी क्यूआरटी की दूसरी टीम ने आतंकवादी को दूसरी तरफ से घेरा, आतंकवादी छिपने के लिए भाग गया। खूंखार आतंकवादी ने एक सीमेंटेड ढांचे और बड़े तने वाले पेड़ के बीच एक लाभप्रद स्थिति ले ली और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने पाया कि नागरिकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं,

जिनकी जान को खतरा है, उन्होंने आतंकवादी द्वारा चलाई गई गोलियों के बीच अपना आड़ छोड़ दिया और अपने साथी को आड़ फायर देने के लिए कहा और अपनी जान की परवाह किए बिना नागरिकों की ओर बढ़े और नागरिकों के करीब पहुंचते हुए, उन्हें स्थानांतरित कर दिया। नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद उन्होंने दूसरी टीम के साथ मिलकर आतंकवादी को जल्द से जल्द खत्म करने का फैसला किया। उपनिरीक्षक फ़रोज़ अहमद डार को एहसास हुआ कि आतंकवादी घायल हो गया है और उन्होंने आतंकवादी को खत्म करने का फैसला किया, उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना अपना आड़ छोड़ दिया और आतंकवादी की ओर बढ़े और आतंकवादी के साथ आमने-सामने की मुठभेड़ में उसे ढेर कर दिया। बाद में, मुठभेड़ स्थल से मारे गए आतंकवादी का शव बरामद किया गया और उसकी पहचान मोहम्मद सलीम पारें उर्फ बिल्ला पुत्र गुलाम मोहम्मद पारें निवासी खान मोहल्ला हाजिन, बांदीपोरा के रूप में हुई, जो कि लश्कर-ए-तैयबा का "ए++ श्रेणीबद्ध" आतंकवादी था और साथ ही हथियार/गोला-बारूद की बरामदगी हुई। आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन हरवान श्रीनगर में मामला एफआईआर संख्या 02/2022 यू/एस 307 आईपीसी, 7/27 आर्म्स एक्ट 13,16,18 यूएलएपी एक्ट दर्ज किया गया है।

ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ और उक्त आतंकवादी का खात्मा दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है। उपर्युक्त निष्प्रभावी आतंकवादी घाटी में कई आतंकवादी संबंधी गतिविधियों/हमलों में भी शामिल था। उपनिरीक्षक फ़रोज़ अहमद डार ने न केवल लश्कर कमांडर के खात्मे के लिए मोर्चा संभाला, बल्कि अपनी असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य इच्छाशक्ति, सफल होने और भारी बाधाओं और पेशेवर रणनीति के बावजूद राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने का जुनून भी प्रदर्शित किया। जबरदस्त धैर्य, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय वीरता जिसके कारण पूरा ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उपरोक्त के मद्देनजर, उपनिरीक्षक फ़रोज़ अहमद डार एआरपी 995924 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

#### 16. एआरपी182381 सिपाही वरुण सिंह, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 12 जून, 2022)

दिनांक 12.06.2022 को, विश्वसनीय स्रोतों से एक विशिष्ट इनपुट प्राप्त हुआ था कि कुछ अज्ञात आतंकवादी अवैध हथियार/गोला-बारूद लेकर जिला श्रीनगर के संगम क्षेत्र के चोंची फकीर इलाके में छिपे हुए हैं और पुलिस/एसएफ पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। श्रीनगर शहर में, तुरंत, स्थानीय पुलिस श्रीनगर/पीसी श्रीनगर की टीमों का गठन किया गया और क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। जब तलाशी अभियान को लक्षित इलाके चोंची फकीर, संगम श्रीनगर में शुरू किया जा रहा था, तो आतंकवादियों ने हत्या करने और इलाके से भागने के इरादे से पुलिस दस्ते पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए ग्रेनेड फेंके। घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान, आतंकवादियों ने पुलिस दस्तों की उपस्थिति को भांपते हुए इलाके से भागने में कामयाब होने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी की और हथगोले फेंके, लेकिन पुलिस दस्ते ने एसओपी के अनुसार सभी सावधानियां बरतते हुए जवाबी कार्रवाई की। अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना बहादुरी और प्रभावी ढंग से गोलीबारी की।

इस बीच, सिपाही वरुण सिंह एआरपी182381 ने अपनी टीम के साथ इलाके में संदिग्ध का पता लगाया और अपनी तरफ से आतंकवादी की ओर बढ़े। जबकि आतंकवादी ने अपने प्रति कर्मियों की उपस्थिति को भांपते हुए सिपाही वरुण सिंह और उनके साथियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। हालाँकि, अधिकारी ने तेजी से खुद को और अपने साथियों को लेटने की स्थिति में खींच लिया और इस तरह सिपाही वरुण सिंह और उनके साथी बाल-बाल बच गये। इस बीच, सिपाही वरुण सिंह ने जवाबी कार्रवाई की और भाग रहे आतंकवादी के पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। इसी दौरान, सिपाही वरुण सिंह ने जल्द से जल्द आतंकवादी को खत्म करने का फैसला किया और उन्होंने पेड़ों के पीछे छिपे आतंकवादी को अपनी तरफ से घेर लिया और गोलीबारी में खूंखार आतंकवादी को ढेर कर दिया। मारे गए आतंकवादी का शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किया गया और बाद में उसकी पहचान "आदिल अहमद पारें उर्फ अबू बकर पुत्र हबीबुल्लाह पारें निवासी खान मोहल्ला बदरकुंड गांदरबल" के रूप में की गई, जो लश्कर-ए-तैयबा/ टीआरएफ का ए-श्रेणी का आतंकवादी था। मुठभेड़ स्थल पर मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। केस एफआईआर संख्या 22/2022 यू/एस 307 आईपीसी, 7/27 शस्त्र अधिनियम, 16,18,20 यूएलए (पी) अधिनियम आगे की जांच के लिए पी/एस संगम, श्रीनगर में पंजीकृत है। उक्त आतंकवादी घाटी में हुई कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ और आतंकवादी का सफाया मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर/टीआरएफ आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।

सिपाही वरुण सिंह एआरपी182381 ने न केवल लश्कर/टीआरएफ कमांडर के खात्मे के लिए मोर्चा संभाला, बल्कि अपनी असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य इच्छाशक्ति और जबरदस्त धैर्य, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय पेशेवर रणनीति के प्रदर्शन के कारण पूरा ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विशिष्ट, अनुकरणीय साहस, और में कभी न हार मानने वाले जज्बे के प्रदर्शन के लिए, सिपाही वरुण सिंह एआरपी182381 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 7-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कर्मिकों को अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "परम विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-42273के लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल, एवीएसएम, वीएसएम, दि सेना सेवा कोर
2. आईसी-42298डब्ल्यू लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एवीएसएम, दि इन्फैन्ट्री

3. आईसी-42336एफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
4. आईसी-42387पी लेफ्टिनेंट जनरल सुरेन्द्र सिंह महल, एवीएसएम, वीएसएम, दि क्वचित कोर (सेवानिवृत्त)
5. आईसी-42390पी लेफ्टिनेंट जनरल माधवन उन्नीकृष्णन नायर, एवीएसएम, एसएम, दि कोर ऑफ सिग्नलस
6. आईसी-42794एक्स लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्रा कुमार, एवीएसएम, वाईएसएम\*\*, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
7. आईसी-43245के लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमनी, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
8. आईसी-43252ए लेफ्टिनेंट जनरल कुलभूषण हनुमन्त गवस, वीएसएम दि कोर ऑफ सिग्नलस
9. आईसी-43262के लेफ्टिनेंट जनरल अरुण अनन्तनारायण, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
10. आईसी-43285एल लेफ्टिनेंट जनरल देवेन्द्र प्रताप पाण्डेय, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
11. आईसी-43295पी लेफ्टिनेंट जनरल रविन खोसला, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री (सेवानिवृत्त)
12. आईसी-43370एन लेफ्टिनेंट जनरल जोनसन पी मैथ्यु, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
13. आईसी-43444एक्स लेफ्टिनेंट जनरल पी गोपालाकृष्णा मेनन, यूवाईएसएम, एवीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
14. आईसी-43684पी लेफ्टिनेंट जनरल जगदीश बलीराम चौधरी, एसएम, वीएसएम, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
15. आईसी-43710एल लेफ्टिनेंट जनरल तरुण कुमार आईच, एवीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
16. आईसी-43771एच लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमनियन मोहन, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, दि सेना वायु रक्षा कोर
17. आईसी-43796पी लेफ्टिनेंट जनरल समीर गुप्ता, वीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
18. आईसी-44504एन लेफ्टिनेंट जनरल गुरवीरपाल सिंह, एवीएसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
19. एमआर-04902एम लेफ्टिनेंट जनरल अशोक कुमार जिंदल, एवीएसएम, वाईएसएम, दि सेना चिकित्सा कोर (सेवानिवृत्त)
20. एमआर-05712एम लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकण्ठन, दि सेना चिकित्सा कोर
21. आईसी-44038के मेजर जनरल हरिहरन धर्मराजन, एवीएसएम, एसएम\*\*, वीएसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
22. आईसी-44473वाई मेजर जनरल रवि मुरुगन, एवीएसएम, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
23. 02904जेड वाईस एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, एवीएसएम, एनएम
24. 50884डब्ल्यू वाईस एडमिरल संदीप नैथानी, एवीएसएम, वीएसएम, (सेवानिवृत्त)
25. 02797एफ वाईस एडमिरल संजय महेंद्र, एवीएसएम, एनएम (सेवानिवृत्त)
26. 17358 एयर मार्शल जोन्नलगेड्डा चलापति, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी उड़ान (पायलट) (सेवानिवृत्त)
27. 17647 एयर मार्शल विभास पाण्डेय, एवीएसएम, वीएसएम, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)
28. 17699 एयर मार्शल विक्रम सिंह, एवीएसएम, वीएसएम, उड़ान (पायलट) (सेवानिवृत्त)
29. 17726 एयर मार्शल बी चन्द्र शेखर, एवीएसएम, उड़ान (पायलट) (सेवानिवृत्त)
30. 17853 एयर मार्शल आर रधीश, एवीएस एम, वीएम, उड़ान (पायलट)
31. 18253 एयर मार्शल रवि गोपाल कृष्ण कपूर, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 8-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को संघर्ष/शत्रुता के दौरान असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "उत्तम युद्ध सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-47603एफ लेफ्टिनेंट जनरल विरेश प्रताप सिंह कौशिक, वाईएसएम, एसएम, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट, मुख्यालय 33 कोर

2. आईसी-48067डब्ल्यू लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री मुख्यालय 14 कोर
3. आईसी-48085वाई लेफ्टिनेंट जनरल मनीष मोहन ऐरी, एवीएसएम, एसएम, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, मुख्यालय 4 कोर
4. आईसी-48389डब्ल्यू लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, दि राजपूत रेजीमेन्ट, मुख्यालय 3 कोर

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 9-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "बार टू अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-42958एच लेफ्टिनेंट जनरल एस हरिमोहन अय्यर, एवीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
2. आईसी-43223एल मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स (सेवानिवृत्त)

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 10-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-42400एन लेफ्टिनेंट जनरल तुमुल वर्मा, एसएम, वीएसएम, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स
2. आईसी-42781ए लेफ्टिनेंट जनरल उल्हास वीरप्पा तलूर, वीएसएम, दि सेना वायु रक्षा कोर
3. आईसी-42792एम लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सूरी, दि सेना विमानन कोर
4. आईसी-43297ए लेफ्टिनेंट जनरल जगमोहन सिंह सिदाना, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स
5. आईसी-43655ए लेफ्टिनेंट जनरल के विनोद कुमार, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
6. आईसी-43858के लेफ्टिनेंट जनरल मंजीत कुमार, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
7. आईसी-44065एन लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह, वाईएसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
8. आईसी-47023एम लेफ्टिनेंट जनरल नवनीत सिंह सरना, एसएम, वीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
9. आईसी-47076एल लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर, वीएसएम, दि कवचित कोर
10. आईसी-47079वाई लेफ्टिनेंट जनरल संजय सेठी, वीएसएम, दि सेना आयुध कोर
11. आईसी-48050एच लेफ्टिनेंट जनरल विपुल सिंघल, एसएम, दि कवचित कोर
12. आईसी-48427एफ लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद वालिया, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
13. एमआर-05385एम लेफ्टिनेंट जनरल सरत चन्द्र दास, वाईएसएम, वीएसएम\*\*, दि सेना चिकित्सा कोर
14. एमआर-05688एफ लेफ्टिनेंट जनरल नरेन्द्र कोतवाल, एसएम, वीएसएम, दि सेना चिकित्सा कोर
15. आईसी-43702एम मेजर जनरल पातंजली राहुल, वीएसएम, दि सेना वायु रक्षा कोर (सेवानिवृत्त)
16. आईसी-44729डब्ल्यू मेजर जनरल परमवीर सिंह सेहरावत, एसएम\*\* दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
17. आईसी-46701पी मेजर जनरल वक्मुल्ला हरिहरन, एसएम, दि इन्फैन्ट्री
18. आईसी-47213वाई मेजर जनरल अशोक कुमार, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
19. आईसी-48219एम मेजर जनरल विनोद टी मैथ्यू, वाईएसएम, दि इन्फैन्ट्री

20. आईसी-48510वाई मेजर जनरल संदीप सिंह, दि कवचित कोर
21. आईसी-48749एफ मेजर जनरल अनूप सिंघल, एसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
22. आईसी-48923एच मेजर जनरल संजीव शर्मा, एसएम, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
23. आईसी-48957डब्ल्यू मेजर जनरल गुरप्रीत सिंह, एसएम, वीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
24. आईसी-48963के मेजर जनरल पंकज मल्होत्रा, एसएम, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
25. आईसी-49200ए मेजर जनरल प्रित पाल सिंह, दि कवचित कोर
26. आईसी-49473एच मेजर जनरल राजन सहरावत, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
27. आईसी-49680पी मेजर जनरल विकास लखेड़ा, एसएम, दि इन्फैन्ट्री
28. आईसी-49870एफ मेजर जनरल चरनजीत सिंह मान, वीएसएम, दि कवचित कोर
29. आईसी-49926एच मेजर जनरल विजय कुमार पुरोहित, वाईएसएम, एसएम, दि इन्फैन्ट्री
30. आईसी-50080वाई मेजर जनरल यशपाल सिंह अहलावत, वाईएसएम, एसएम, दि इन्फैन्ट्री
31. आईसी-50226एफ मेजर जनरल अजय कुमार सिंह, एसएम, दि इन्फैन्ट्री
32. आईसी-50765एक्स मेजर जनरल गिरीश कालिया, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
33. एमआर-05515के मेजर जनरल भूपेश कुमार गोयल, वीएसएम, दि सेना चिकित्सा कोर
34. आईसी-52426डब्ल्यू ब्रिगेडियर गौरव सिंह कार्की, वीएसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
35. एमआर-06329ए ब्रिगेडियर अमरेश घई, दि सेना चिकित्सा कोर
36. जेसी-572305वाई सूबेदार साबले अविनाश मुकुंद, वीएसएम, 5 महार
37. 75408एफ वाईस एडमिरल आरती सरीन, वीएसएम
38. 03371के वाईस एडमिरल संजय भल्ला, एनएम
39. 03482एन वाईस एडमिरल विनित मकार्ती
40. 03594टी वाईस एडमिरल गुरचरण सिंह, एनएम
41. 03579एच वाईस एडमिरल ए एन प्रमोद
42. 03136ए रियर एडमिरल संजय रोय, वीएसएम
43. 41392वाई रियर एडमिरल दीपक कुमार गोस्वामी
44. 51116वाई रियर एडमिरल आर विजय शेखर, एनएम
45. 18324 एयर मार्शल प्रवाल कान्ति घोष, प्रशासन
46. 18539 एयर मार्शल अजय कुमार अरोरा, वीएसएम, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
47. 18575 एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र, वीएसएम, उड़ान (पायलट)
48. 18781 एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती, वीएम, उड़ान (पायलट)
49. 18787 एयर मार्शल सीतेपल्ली श्रीनिवास, वीएसएम, उड़ान (पायलट)
50. 20186 एयर वाइस मार्शल जगजीत सिंह भल्ला, वीएसएम, प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर
51. 20491 एयर वाइस मार्शल जसवीर सिंह मान, वीएम, उड़ान (पायलट)
52. 20743 एयर वाइस मार्शल फिलिप थॉमस, वीएम, उड़ान (पायलट)
53. 22525 एयर कमोडोर मनसिज लाल, उड़ान (पायलट)
54. 22666 एयर कमोडोर पंकज कुमार श्रीवास्तव, उड़ान (पायलट)



55. 22916 एयर कम्पोजोर आनन्द सौधी, वीएसएम, उड़ान (पायलट)
56. 22920 एयर कम्पोजोर मुकेश कुमार यादव, वीएम, उड़ान (पायलट)
57. 22925 एयर कम्पोजोर प्रदीप अरुण शाह, वीएम, उड़ान (पायलट)
58. 0225-एल महानिदेशक राकेश पाल, रा त प, त प
59. जीओ-1993डब्ल्यू अपर महानिदेशक राम कुमार धीमान, वीएसएम

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 11-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "युद्ध सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-53553एक्स ब्रिगेडियर तपस कुमार मिश्रा, वीएसएम, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स, मुख्यालय 268 इन्फैन्ट्री ब्रिगेड
2. आईसी-54360के ब्रिगेडियर बनित सिंह नेगी, दि महार रेजीमेन्ट, मुख्यालय 118 (स्वतंत्र) इन्फैन्ट्री ब्रिगेड ग्रुप
3. आईसी-55543एम ब्रिगेडियर माइकल डिसूजा, दि राजपूत रेजीमेन्ट, मुख्यालय 27 सेक्टर असम राईफल्स
4. आईसी-63824एक्स कर्नल मनीष रमेश लान्जेकर, 15 कुमाऊँ
5. आईसी-64526एन कर्नल अरुण टोम सेवेस्टियन, एसएम, ग्रेनेडियर्स, 55 राष्ट्रीय राईफल्स
6. आईसी-67510एन कर्नल वकनिस हृषिकेश अजित, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 52 राष्ट्रीय राईफल्स
7. आईसी-68580वाई कर्नल जान डेनियल, 12 पैरा (एसएफ)
8. 25864 ग्रुप कैप्टन समीर शर्मा, उड़ान (पायलट)
9. 27749 विंग कमांडर विनित विजय मारवडकर, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर
10. 28775 विंग कमांडर अनुराग सक्सेना, परिभारिकी

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 12-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/ आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-67551एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल वरुण चौधरी, 662 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
2. आईसी-68161एफ लेफ्टिनेंट कर्नल जी विजया राजन, 207 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (यू एच)
3. आईसी-69987एफ लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक जोशी, 662 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
4. आईसी-72206एन लेफ्टिनेंट कर्नल अनुज शर्मा, दि डोगरा रेजीमेन्ट, 40 राष्ट्रीय राईफल्स
5. आईसी-72421वाई मेजर जयवीर सिंह, 203 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (यू एच)
6. आईसी-74900वाई मेजर विवेक कुमार सिंह, 1/3 गोरखा राईफल्स
7. आईसी-74937ए मेजर दिपक कुमार कटारिया, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 16 असम राईफल्स
8. आईसी-76936डब्ल्यू मेजर अभिमन्यु सिरोही, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 666 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
9. आईसी-77210ए मेजर दिक्षांत कुमार गुप्ता, 246 फील्ड रेजीमेन्ट
10. आईसी-78550पी मेजर तुफैल अहमद, दि ब्रिगेड ऑफ दि गाइर्स, 207 आर्मी एविेशन स्क्वाडन (यू एच)
11. आईसी-78657के मेजर सुमुख एम एस, 16 कुमाऊँ

12. आईसी-79032एफ मेजर मोहित सांगवान, दि पंजाब रेजीमेन्ट, 16 असम राईफल्स
13. आईसी-79677के मेजर गोविंद सिंह, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
14. आईसी-80181एफ मेजर नवीन जानु, 3/8 गोरखा राईफल्स
15. आईसी-81698वाई मेजर धनंजय कुमार, दि राजपुताना राईफल्स, 43 राष्ट्रीय राईफल्स
16. आईसी-82518एक्स मेजर अवितोश सिंह तोमर, 12 पैरा (एस एफ)
17. आईसी-82652एच मेजर सौरभ थापा, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 10 असम राईफल्स
18. आईसी-82676एम मेजर रोहित जोशी, दि कोर ऑफ इंजिनियर्स, 39 राष्ट्रीय राईफल्स
19. आईसी-84254ए मेजर माणिक सती, 20 जाट
20. एसएस-47264एम मेजर अभिमन्यु शर्मा, दि कवचित कोर, 9 असम राईफल्स
21. आईसी-82759एक्स कैप्टन जयदीप सिंह रावत, दि जाट रेजीमेन्ट, 45 राष्ट्रीय राईफल्स
22. आईसी-83988पी कैप्टन सोइबा मनींग्वा रंगन में, दि बिहार रेजीमेन्ट, 22 असम राईफल्स
23. आईसी-84541के कैप्टन शुभम गुप्ता, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
24. आईसी-85485एच कैप्टन विमान्यु त्यागी, 2 पैरा (एस एफ)
25. जेसी-472231ए सूबेदार हरवीर सिंह, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
26. जेसी-523357एल सूबेदार नरेश कुमार, दि डोगरा रेजीमेन्ट, 40 राष्ट्रीय राईफल्स
27. जेसी-424154वाई नायब सूबेदार कुलदीप सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 16 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
28. जेसी-454211के नायब सूबेदार सुल्तान सिंह, दि ग्रेनेडियर्स, 39 राष्ट्रीय राईफल्स
29. जेसी-एनवाईए-4195267एल नायब सूबेदार पवन सावंत, 16 कुमाऊँ
30. 13626760एक्स हवलदार नरेंद्र कुमार, 1 पैरा (एस एफ)
31. 13626843एच हवलदार नीलम सिंह, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
32. 3201202ए हवलदार जितेंद्र पाल सिंह, 20 जाट
33. 3409952एक्स हवलदार बलविंदर सिंह, 4 सिख
34. 4576473एन हवलदार पवन कुमार, 21 महार
35. 5050596डब्ल्यू हवलदार फुप दोर्जी भुटिया, दि 11 गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काउट्स
36. 9108628ए हवलदार शाबीर अहमद शेक, दि जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैन्ट्री, 2 राष्ट्रीय राईफल्स
37. 9927927पी हवलदार स्तानजिन सेपक, 5 लद्दाख स्काउट्स
38. 13629119के नायक पद्मा रिग्जेन, 9 पैरा (एस एफ)
39. 15501430एल नायक हेम राज, दि कवचित कोर, 55 राष्ट्रीय राईफल्स
40. 19003541एक्स नायक हरविन्दर सिंह, 4 सिख
41. 3205970वाई नायक जसवीर सिंह, 20 जाट
42. 4374707के नायक लाल्हमंगइहसांगा चिन्जाह, 1 असम
43. 15717577पी लांस नायक हरीश चन्द्र नैन, दि कोर ऑफ सिग्नल्स, 59 राष्ट्रीय राईफल्स
44. 4207184पी लांस नायक संजय बिष्ट, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
45. 4490974के लांस नायक कुलवंत सिंह, दि सिख लाइट इन्फैन्ट्री 49 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
46. 12984723एक्स सिपाही मोहम्मद मकबूल सोफी, 163 इन्फैन्ट्री बटालियन (टीए)

47. 3217343वाई सिपाही अब्दुल कुदुस, दि जाट रेजीमेन्ट, 45 राष्ट्रीय राईफल्स
48. 4591889एच सिपाही चेतन कल्लप्पा सारापुरे, दि महार रेजीमेन्ट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स
49. 17029915एन क्राफ्ट्समैन पब्ल्ला अनिल, दि कोर ऑफ इनेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स, 207 आर्मी एविएशन स्कवार्डन (यू एच) (मरणोपरांत)
50. 2713812एल ग्रेनेडियर गोविन्द, दि ग्रेनेडियर्स, 29 राष्ट्रीय राईफल्स
51. 13785699एल राईफलमैन चुन्नी लाल, 2 जम्मू और कश्मीर राईफल्स
52. 5761756एक्स राईफलमैन धिरेन्द्र सिंह धामी, 3/8 गोरखा राईफल्स
53. 16032927एक्स पैराट्रूपर सचिन लोर, 2 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 13-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल/ नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 08159टी लेफ्टिनेंट कमान्डर भास्कर राजवंशी

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 14-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/ एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 21218 ग्रुप कैप्टन पंकज गुप्ता, उड़ान (पायलट) (सेवानिवृत्त)
2. 26730 विंग कमांडर विशाल लाकेश, प्रशासन
3. 29204 विंग कमांडर मोमिन मोहम्मद हफीज़ुल्ला, उड़ान (पायलट)
4. 34919 स्क्वाड्रन लीडर निकिता मल्होत्रा, उड़ान (पायलट)

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 15-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "बारू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-48525एफ मेजर जनरल विकास रोहेला, एसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
2. आईसी-48643पी मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा, एसएम, वीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
3. आईसी-53934वाई ब्रिगेडियर यशदीप साँगवान, एसएम, दि मद्रास रेजीमेन्ट
4. आईसी-54003एफ ब्रिगेडियर नागराज मोहन बेंडीगेरी, एसएम, दि डोगरा रेजीमेन्ट
5. आईसी-54412पी ब्रिगेडियर वेदपाल यादव, एसएम, दि नागा रेजीमेन्ट
6. आईसी-51506एफ ब्रिगेडियर सौम्या बनर्जी, एसएम, दि मद्रास रेजीमेन्ट
7. आईसी-51602डब्ल्यू ब्रिगेडियर मनीष कुमार, एसएम, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
8. आईसी-59175ए कर्नल शुभांकर घोषाल, एसएम, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 16-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-50257एफ लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर आईवन डिकुन्हा, दि सेना वायु रक्षा कोर
2. एमआर-05377एन लेफ्टिनेंट जनरल वटापराम्बिल साबिद सईद, दि सेना चिकित्सा कोर
3. आईसी-47043ए मेजर जनरल बिक्रमदीप सिंह, वीएसएम, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स
4. आईसी-49426एल मेजर जनरल आशीष शाह, दि कवचित कोर
5. आईसी-49498पी मेजर जनरल बिमल मोंगा, वीएसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
6. आईसी-49499एक्स मेजर जनरल जय सिंह बैसला, दि इन्फैन्ट्री
7. आईसी-49558वाई मेजर जनरल शमशेर सिंह विर्क, दि इन्फैन्ट्री
8. आईसी-49759एक्स मेजर जनरल राजदीप सिंह रावल, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
9. आईसी-50306वाई मेजर जनरल अरविंद चौहान, वाईएसएम, दि इन्फैन्ट्री
10. आईसी-50427ए मेजर जनरल आर के सुरेश, एससी\*\*, दि इन्फैन्ट्री
11. आईसी-51118के मेजर जनरल विशाल सिंह, वीएसएम, दि कवचित कोर
12. एमआर-05521एक्स मेजर जनरल कविता सहाय, वीएसएम, दि सेना चिकित्सा कोर
13. एमआर-05913एल मेजर जनरल देसीराजु विवेकानन्द, दि सेना चिकित्सा कोर
14. आईसी-50890एफ ब्रिगेडियर अमर पाल सिंह चहल, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
15. आईसी-51142ए ब्रिगेडियर मनीष गुप्ता, वीएसएम, दि मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
16. आईसी-51267एक्स ब्रिगेडियर अखिलेश कुमार, दि राजपुताना राईफल्स
17. आईसी-51493पी ब्रिगेडियर बंगुरु रघु, वीएसएम, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
18. आईसी-52056एफ ब्रिगेडियर संजीव लूथरा, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
19. आईसी-53072एल ब्रिगेडियर एस गोपीकृष्णन्, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
20. आईसी-53513डब्ल्यू ब्रिगेडियर बलजिंदर सिंह मुलतानी, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
21. आईसी-53530डब्ल्यू ब्रिगेडियर सुखविन्दर सिंह धालीवाल, एससी, वाईएसएम, दि 5 गोरखा राईफल्स
22. आईसी-53920वाई ब्रिगेडियर कपिल राना, दि असम रेजीमेन्ट
23. आईसी-54023पी ब्रिगेडियर संजीव मेहरोत्रा, वाईएसएम, वीएसएम, दि सिख लाइट इन्फैन्ट्री
24. आईसी-54300पी ब्रिगेडियर रजनीश मोहन, दि पैराशूट रेजीमेन्ट
25. आईसी-54326के ब्रिगेडियर रमेश कृष्णन्, दि गढ़वाल राईफल्स
26. आईसी-54386वाई ब्रिगेडियर शैलेन्द्र बिष्ट, दि 1 गोरखा राईफल्स
27. आईसी-56727एक्स ब्रिगेडियर सैयद फैसल अहमद, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री
28. आईसी-58600एन कर्नल दयानन्द शर्मा, दि मराठा लाइट इन्फैन्ट्री
29. आईसी-59621डब्ल्यू कर्नल गौरव बत्रा, दि मद्रास रेजीमेन्ट
30. आईसी-66845वाई कर्नल सतीश पाटील, दि 11 गोरखा राईफल्स
31. आईसी-66852पी कर्नल शिवेश सिंह, दि डोगरा रेजीमेन्ट
32. आईसी-66927एफ कर्नल राकेश माधव बिरार, दि सिख रेजीमेन्ट
33. आईसी-67398एम कर्नल रोहित कुमार सिंह, दि बिहार रेजीमेन्ट

34. आईसी-68532वाई कर्नल जयेंद्रसिंग कुमारसिंग पाटील, दि 1 गोरखा राईफल्स
35. आईसी-60906पी लेफ्टिनेंट कर्नल योगेन्द्र सिंह, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
36. आईसी-67422एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक, वीएसएम, दि राजपूत रेजीमेन्ट
37. आईसी-75041एल मेजर आदित्य प्रकाश, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट
38. एसएस-48584 मेजर सुरजीत बनर्जी, दि तोपखाना रेजीमेन्ट

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 17-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण समर्पण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "नौ सेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 04071ए रियर एडमिरल विवेक दहिया
2. 41764टी कोमोडोर विकास चावला
3. 04279जेड कोमोडोर नीरज मल्होत्रा
4. 41805के कोमोडोर एस गणेशन
5. 04050बी कैप्टन अय्यानार मुरलीधर
6. 04692एन कैप्टन अशोक कोटेश्वर राव
7. 51647बी कैप्टन राजेश जांगिड
8. 05168डब्ल्यू कैप्टन अनीष मैथ्यू
9. 03562डब्ल्यू कैप्टन अतुल सिन्हा (टी एस)
10. 05935एन कमान्डर लिबु राज

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 18-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/ एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 24915 ग्रुप कैप्टन मोहित सक्सेना, उड़ान (पायलट)
2. 26512 ग्रुप कैप्टन फालगुनी लाहा राय, उड़ान (पायलट)
3. 26733 ग्रुप कैप्टन हरसीरत सिंह सिद्धू, उड़ान (पायलट)
4. 26995 ग्रुप कैप्टन क्षितिज अवस्थी, उड़ान (पायलट)
5. 27202 ग्रुप कैप्टन अमित राय टम्टा, उड़ान (पायलट)
6. 27206 ग्रुप कैप्टन सत्येन्द्र सिंह राणा, उड़ान (पायलट)
7. 27211 ग्रुप कैप्टन गोविंदु दिनेश कुमार रेड्डी, उड़ान (पायलट)
8. 27213 ग्रुप कैप्टन मनीष गुलिया, उड़ान (पायलट)
9. 27439 ग्रुप कैप्टन विनोद प्रभाकरन, उड़ान (पायलट)
10. 27443 ग्रुप कैप्टन रोहित कटारिया, उड़ान (पायलट)
11. 27444 ग्रुप कैप्टन रवि किरण सिंह, उड़ान (पायलट)

12. 27445 ग्रुप कैप्टन नीरज झांब, उड़ान (पायलट)
13. 27457 ग्रुप कैप्टन अर्पित काला, उड़ान (पायलट)
14. 26586 विंग कमांडर मनोहर टि भीमसेन राव, प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 19-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "बारू विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-49025डब्ल्यू मेजर जनरल राजेश कुमार, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
2. आईसी-50104एक्स मेजर जनरल दिनेश सिंह बिष्ट, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
3. आईसी-50730एफ मेजर जनरल मोहित सेठ, एसएम, वीएसएम, दि इन्फैन्ट्री
4. एमआर-05531एफ मेजर जनरल संदीप थरेजा, एसएम, वीएसएम, दि सेना चिकित्सा कोर
5. आईसी-53926ए ब्रिगेडियर अमनदीप मल्ही, वीएसएम, दि पंजाब रेजीमेन्ट

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 20-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-43856वाई मेजर जनरल एम ज्ञान सेकरन, एसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
2. आईसी-43981एच मेजर जनरल शरद कपूर, वाईएसएम, एसएम, दि इन्फैन्ट्री (सेवानिवृत्त)
3. आईसी-46041एच मेजर जनरल अनूप सिंह जाखड़, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
4. आईसी-46172एन मेजर जनरल राजेश अरुण मोघे, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री
5. आईसी-46395एल मेजर जनरल संदीप कुमार, दि जैग डिपार्टमेंट
6. आईसी-47011एक्स मेजर जनरल विनायक सैनी, एसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
7. आईसी-47064डब्ल्यू मेजर जनरल मनोज नटराजन, एससी, दि इन्फैन्ट्री
8. आईसी-47298ए मेजर जनरल रविन्द्र सिंह, एसएम\*\*, दि इन्फैन्ट्री
9. आईसी-47604के मेजर जनरल विवेक वेंकटरमन, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
10. आईसी-49217एन मेजर जनरल सुजित शिवाजी पाटिल, दि इन्फैन्ट्री
11. आईसी-49478एफ मेजर जनरल आशीष रमेश सिर्सीकर, दि सेना सेवा कोर
12. आईसी-49710एफ मेजर जनरल योगेन्द्र सिंह पौल, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
13. आईसी-49895एन मेजर जनरल एस मुरुगोसन, दि इन्फैन्ट्री
14. आईसी-49959एन मेजर जनरल पंकज पचनन्दा, दि सेना आयुध कोर
15. आईसी-50284एल मेजर जनरल आदित्य विक्रम सिंह राठी, एसएम, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स
16. आईसी-50664के मेजर जनरल हरपाल सिंह, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
17. आईसी-50749ए मेजर जनरल सचिन मलिक, वाईएसएम, दि इन्फैन्ट्री
18. आईसी-50828पी मेजर जनरल सी बी के बनर्जी, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स

19. वी-00442वाई मेजर जनरल प्रमोद बत्रा, दि आर वी सी कोर
20. आईसी-48968एच ब्रिगेडियर लोकेन्द्र चंदेल, दि महार रेजीमेन्ट
21. आईसी-50725डब्ल्यू ब्रिगेडियर अतुल भदौरिया, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
22. आईसी-51564एल ब्रिगेडियर कुलेश्वर सिंह डडवाल, एसएम, दि सिख रेजीमेन्ट
23. आईसी-51838एल ब्रिगेडियर विकास भारद्वाज, दि पंजाब रेजीमेन्ट
24. आईसी-51962एम ब्रिगेडियर राहुल ओहरी, एसएम, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
25. आईसी-52005एन ब्रिगेडियर आदर्श वर्मा, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
26. आईसी-52035एल ब्रिगेडियर जंगशेर बहादुर सिंह सिद्धू, दि सेना आयुध कोर
27. आईसी-52420पी ब्रिगेडियर अजय कुमार शर्मा, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट
28. आईसी-52737के ब्रिगेडियर साकेत सिंह कुशवाहा, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
29. आईसी-52757एक्स ब्रिगेडियर सुधांशु शर्मा, एसएम, दि 3 गोरखा राईफल्स
30. आईसी-52766वाई ब्रिगेडियर सौरभ भटनागर, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
31. आईसी-52789ए ब्रिगेडियर अमित धीर, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
32. आईसी-53529एफ ब्रिगेडियर मनोज रुरिया, दि 4 गोरखा राईफल्स
33. आईसी-53657वाई ब्रिगेडियर नीलेश आनन्द पगुलवार, एससी, एसएम, दि असम रेजीमेन्ट
34. आईसी-53924पी ब्रिगेडियर आलोक दास, एसएम, दि 9 गोरखा राईफल्स
35. आईसी-54032डब्ल्यू ब्रिगेडियर अतुल राजपूत, एसएम, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
36. आईसी-54061एल ब्रिगेडियर अमन आनन्द, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट
37. आईसी-54260वाई ब्रिगेडियर नवीन अहलावत, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
38. आईसी-54499एफ ब्रिगेडियर एन कुमारा दास, दि मद्रास रेजीमेन्ट
39. आईसी-56611एफ ब्रिगेडियर दिनेश सिंह, दि डोगरा रेजीमेन्ट
40. आईसी-57585एक्स ब्रिगेडियर पृथ्वीराज चौहान, दि महार रेजीमेन्ट
41. डीआर-10428ए ब्रिगेडियर इ महेश गौड़ा, दि सेना दन्त चिकित्सा कोर
42. एमआर-06226एफ ब्रिगेडियर मानस चटर्जी, दि सेना चिकित्सा कोर
43. एमआर-07665वाई ब्रिगेडियर कुलदीप कुमार अष्टा, दि सेना चिकित्सा कोर
44. एनआर-18342डब्ल्यू ब्रिगेडियर पद्माभन भरती लक्ष्मी, दि सेना नर्सिंग कोर
45. एसएल-04597एल ब्रिगेडियर अश्वनी शर्मा, दि जनरल सर्विस
46. आईसी-57357पी कर्नल विवेक गोयल, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स
47. आईसी-57880ए कर्नल सचिन ठाकुर, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री
48. आईसी-58153पी कर्नल शैलेन्द्र सिंह आर्य, दि तोपखाना रेजीमेन्ट
49. आईसी-58291डब्ल्यू कर्नल के अरुण, दि 1 गोरखा राईफल्स
50. आईसी-58591एक्स कर्नल हरमनजीत लिड्डर, एसएम, दि पैराशूट रेजीमेन्ट
51. आईसी-58656ए कर्नल सत्यकाम डबास, दि आसूचना कोर
52. आईसी-58705एक्स कर्नल जयदेव सिंह असवाल, दि मद्रास रेजीमेन्ट
53. आईसी-59080ए कर्नल प्रदीप सेमवाल, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

54. आईसी-59100एच कर्नल शैलेन्द्र शर्मा, दि राजपूत रेजीमेन्ट
55. आईसी-59411डब्ल्यू कर्नल टी पी एस हुन्दल, दि बिहार रेजीमेन्ट
56. आईसी-59772पी कर्नल सुमित कपूर, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री
57. आईसी-60439एच कर्नल चिराग सिंह बड़क, एससी, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री
58. आईसी-60521एक्स कर्नल अंकुर शर्मा, एसएम, दि जाट रेजीमेन्ट
59. आईसी-60800एच कर्नल नीरज पाण्डेय, वाईएसएम, दि असम रेजीमेन्ट
60. आईसी-63227एच कर्नल नितिन अग्रिहोत्री, दि आसूचना कोर
61. आईसी-63505एल कर्नल राजेन्द्र सिंह कडाकोटि, दि ग्रेनेडियर्स
62. आईसी-63876एन कर्नल नवाजेश एन पटेल, एसएम, दि पैराशूट रेजीमेन्ट
63. आईसी-67984पी कर्नल अभिषेक सतीश पोतदार, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
64. आईसी-68445एल कर्नल अपूर्व भटनागर, दि कोर ऑफ सिग्नल्स
65. आईसी-68560एल कर्नल सूरज सिंह चिलवाल, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट
66. आईसी-68616एम कर्नल सन्दीप सोनी, दि सिख रेजीमेन्ट
67. एमआर-06980एच कर्नल सुभादीप घोष, दि सेना चिकित्सा कोर
68. एमआर-07249पी कर्नल पूजा डुडेजा, दि सेना चिकित्सा कोर
69. एमआर-07418एल कर्नल हरमीत सिंह अरोरा, दि सेना चिकित्सा कोर
70. एमआर-07659एल कर्नल कार्तिक वेंकटरमन, दि सेना चिकित्सा कोर
71. एमआर-08787पी कर्नल राहुल जैन, दि सेना चिकित्सा कोर
72. आईसी-74334के लेफ्टिनेंट कर्नल रिचा दत्त, दि आसूचना कोर
73. आईसी-70678एल लेफ्टिनेंट कर्नल विकास अग्रिहोत्री, दि सेना वायु रक्षा
74. एमआर-09017पी लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव मलिक, दि सेना चिकित्सा कोर
75. जेसी-624481एन सूबेदार क्षेत्रे बहादुर थापा, 6/8 गोरखा राईफल्स
76. जेसी-624655एच सूबेदार सोमन राणा, 2/8 गोरखा राईफल्स
77. जेसी-502227पी नायब सूबेदार हरमीत सिंह, 17 सिख
78. 3406329डब्ल्यू हवलदार वरिंदर सिंह, 22 सिख
79. 9426748ए हवलदार गोबिन तमांग, दि 11 गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काउट्स
80. 2622122एन सिपाही सोलईराज डी, 21 मद्रास
81. 03558के वाईस एडमिरल ए वाई सरदेसाई
82. 41236टी रियर एडमिरल एम निर्मल मेनन
83. 03691एन रियर एडमिरल कुनाल सिंह राजकुमार
84. 75593ए सर्जन कोमोडोर अजीत गोपीनाथ
85. 41472बी कोमोडोर आशीष सहगल
86. 03808बी कोमोडोर धर्मेन्द्रसिंह जीवनसिंह रेवर, एनएम



87. 51352एच कोमोडोर सारथ आशीर्वाद
88. 04043एन कोमोडोर गोकुल कृष्ण दत्ता
89. 51384एफ कोमोडोर जसदीप सिंह धनोआ
90. 51360ए कोमोडोर दिग्विजय सिंह पठानिया
91. 41735ए कोमोडोर संजय अधाना
92. 04538एन कोमोडोर संदीप सिंह रणधावा
93. 04576जेड कोमोडोर हिमाद्रि बोस
94. 04689एफ कोमोडोर मन्मीत सींग खुराना
95. 04698ए कोमोडोर पी शशी कुमार
96. 41398के कोमोडोर सुनील कौशिक, एनएम (सेवानिवृत्त)
97. 04055आर कैप्टन (टी एस) विजय कुमार
98. 41822जेड कैप्टन (टी एस) तेन्टि शर्मा
99. 04745एच कैप्टन (टी एस) अनुराग श्रीवास्तव
100. 172502ए एमसी एरा आई दिलबहादुर क्षेत्री
101. 19222 एयर वाइस मार्शल प्रशांत सुधीर करकरे, प्रशासन (सेवानिवृत्त)
102. 20205 एयर वाइस मार्शल एस शिवाकुमार, प्रशासन/एयर ट्रैफिक कंट्रोलर
103. 20624 एयर वाइस मार्शल राजेश भंडारी, परिभारिकी
104. 20597 एयर कमोडोर नारायणन नागराजन, प्रशासन/ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर
105. 21112 एयर कमोडोर राजीव श्रीवास्तव, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
106. 21337 एयर कमोडोर पेद्दिभोटला चन्द्रशेखर पूर्ण आनन्द, प्रशासन/एयर ट्रैफिक कंट्रोलर
107. 21734 एयर कमोडोर रजनीश कुमार, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
108. 22935 एयर कमोडोर आलोक भयाना, उड़ान (पायलट)
109. 20375 ग्रुप कैप्टन संदीप पत्रि, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
110. 21637 ग्रुप कैप्टन सुधीर गर्ग, परिभारिकी
111. 22396 ग्रुप कैप्टन लक्ष्मीनरसिम्हन श्रीराम, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
112. 23626 ग्रुप कैप्टन गोंडिपल्ली निर्मल विक्टर विजय आनंद, प्रशासन
113. 23802 ग्रुप कैप्टन श्रीमूलानाथन गिरीश, प्रशासन/एयर ट्रैफिक कंट्रोलर
114. 24052 ग्रुप कैप्टन मनीष कुमार, उड़ान (नेवीगेटर)
115. 24463 ग्रुप कैप्टन कायस्था सुमेश, चिकित्सा
116. 24992 ग्रुप कैप्टन कपिल कुमार गुलियानी, प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर
117. 25011 ग्रुप कैप्टन लोकेश कुमार मिश्रा, परिभारिकी
118. 25065 ग्रुप कैप्टन समर वीर सहारन, उड़ान (पायलट)
119. 26222 ग्रुप कैप्टन संजीव चेरियन, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

120. 26319 ग्रुप कैप्टन रितेश खण्डेलवाल, उड़ान(पायलट)
121. 26642 ग्रुप कैप्टन राकेश कुमार सिंह, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)
122. 26695 ग्रुप कैप्टन नमन बुन्देला, उड़ान (पायलट)
123. 26800 ग्रुप कैप्टन गुरबीर काँग, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)
124. 26809 ग्रुप कैप्टन गौतम हासन लक्ष्मण, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)
125. 27392 ग्रुप कैप्टन अविजित सिंह चौहान, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)
126. 28653 ग्रुप कैप्टन पंकज धिमान, उड़ान (पायलट)
127. 25680 विंग कमांडर विनायक शर्मा, प्रशासन/ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर
128. 29473 विंग कमांडर डैश, उड़ान (पायलट)
129. जीओ-3922एन अधिशासी अभियंता (सिविल) दिनेसन कारायी
130. जीओ-2178पी मुख्य अभियंता (सिविल) अजय कुमार मिश्र

एस एम समी  
अवर सचिव

सं. 21-प्रेज/2024.—राष्ट्रपति महोदया, सेनाध्यक्ष एवं वायु सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा “मेंशन इन डिस्पेच” प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मियों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देती हैं:—

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-63796डब्ल्यू कर्नल गौरव शर्मा, दि डोगरा रेजीमेन्ट, 62 राष्ट्रीय राईफल्स
2. आईसी-70910एल लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष कुमार कादियान, एसएम, 9 सिख, लाईट इन्फैन्ट्री
3. आईसी-76144डब्ल्यू मेजर मनीष क्षेत्री, 662 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
4. आईसी-79631एफ मेजर अभिनव चतुर्वेदी, 4 सिख
5. आईसी-80299एच मेजर अभिषेक सपाहिया, 9 सिख लाईट इन्फैन्ट्री
6. आईसी-80306एन मेजर महेन्द्र सिंह, 21 महार
7. आईसी-81443वाई मेजर पियुष पार्थ धाकड़, 666 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
8. आईसी-82044एफ मेजर शंकर बी, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 662 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
9. आईसी-82225एम मेजर पंकज कुमार, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 662 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
10. आईसी-82323एम मेजर शुभांकर दास शर्मा, 662 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
11. एससी-00876वाई मेजर गौरवा कुमार, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 45 राष्ट्रीय राईफल्स
12. आईसी-82933वाई कैप्टन रजत, 662 आर्मी एविएशन स्क्वाडन (आर एंड ओ)
13. आईसी-85315वाई कैप्टन अजय रावत, 4 सिख
14. आईसी-88906एल लेफ्टिनेंट मोहित कुमार जाखड़, 21 महार
15. जेसी-511327एफ सूबेदार बलविन्दर सिंह, 9 सिख लाईट इन्फैन्ट्री
16. जेसी-624418वाई सूबेदार लल्लुमन राना, 3/8 गोरखा राईफल्स
17. जेसी-313814डब्ल्यू नायब सूबेदार एस वेंकटेशन, 19 इंजीनियर रेजीमेन्ट

18. जेसी-552137के नायब सूबेदार एल पोंगचाई कोन्या, एसएम, 1 असम
19. 2703908ए हवलदार सुनिल कुमार, दि ग्रेनेडियर्स, 39 राष्ट्रीय राईफल्स
20. 4486876एम हवलदार मन्दीप सिंह, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 49 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
21. 5757904ए हवलदार रमन सिंह राना अछामि, 3/8 गोरखा राईफल्स
22. 2502713वाई नायक अरविंद कुमार, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
23. 4207238एल नायक दीपक सिंह, 12 कुमाऊँ
24. 4583886ए नायक सनकाम्बले विनोद सुरेश, 12 महार
25. 14949810वाई लांस नायक तेलु राम, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 16 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
26. 15236290के लांस नायक देवाशिष बिसवाल, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 49 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
27. 14705896वाई लांस नायक रुचिन सिंह रावत, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
28. 2714584ए सिपाही देवेन्द्र, दि ग्रेनेडियर्स, 55 राष्ट्रीय राईफल्स
29. 4495598एल सिपाही हरक्रिष्ण सिंह, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 49 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
30. 4498249एम सिपाही सेवक सिंह, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 49 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
31. 13631762एम पैराट्रूपर नवीन कुमार, दि पैराशूट रेजीमेंट, मुख्यालय सी आई एफ (आर)
32. 21012032ए पैराट्रूपर प्रमोद नेगी, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
33. 5762670एल पैराट्रूपर सिद्धांत छेत्री, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
34. ईएक्सजे-196317 पीएसआई शजाद अली, दि जम्मू और कश्मीर पुलिस ऑपरेशन स्तो लिओपार्ड
35. आईसी-66440एन कर्नल जीनू थकापन, दि मद्रास रेजीमेन्ट, 38 राष्ट्रीय राईफल्स
36. आईसी-67245एच कर्नल अमन दत्ता, 10 मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री
37. आईसी-67384एम कर्नल मोनित सिंह, 139 मीडियम रेजीमेन्ट
38. आईसी-68476एल कर्नल सव्यसाची बोस, 84 कवचित रेजीमेन्ट
39. एमआर-07246एफ कर्नल हरपनहल्ली रवि राममूर्ति, 303 फील्ड हॉस्पिटल
40. आईसी-77613ए मेजर राहुल भार्गव, 203 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (यू एच)
41. आईसी-81303एम मेजर दीपक जोशी, 12 पैरा (एस एफ)
42. आईसी-82157के मेजर सुनील राणा, दि कवचित कोर, मुख्यालय एस एफ एफ
43. आईसी-83540पी कैप्टन पेमा दोर्जी भूटिया, 12 पैरा (एस एफ)
44. आईसी-84099के कैप्टन अजीत कुमार सिंह, दि कोर ऑफ सिग्नल्स, 59 राष्ट्रीय राईफल्स
45. एसीसी-18 डिप्टी कमांडेन्ट मिंगमा खम्पा, मुख्यालय एस एफ एफ
46. जेसी-66763डब्ल्यू कम्पनी लीडर कुंचोक टेन्पा, मुख्यालय एस एफ एफ
47. जेसी-414806वाई नायब सूबेदार विजेन्द्र सिंह, 9 पैरा (एस एफ)
48. जेसी-414807एफ नायब सूबेदार देवेन्द्र सिंह, 9 पैरा (एस एफ)
49. 16118381एम हवलदार उपेन्द्र कुमार, 12 पैरा (एस एफ)

50. 14832609एच नायक असलम खान, 5009 कम्पनी दि सेना सेवा कोर (मरणोपरांत)

ऑपरेशन मेघदूत

51. आईसी-64407एक्स कर्नल विवेक कुमार, 10 सिख लाईट इन्फैन्ट्री

52. आईसी-64436एम कर्नल कमल सजगौत्रा, 2 सिख

53. आईसी-76329एक्स मेजर गगनदीप रंधावा, 666 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

54. आईसी-78615एक्स मेजर विनेश यादव, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 666 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

55. आईसी-79597एम मेजर परमिनदर सिंह विरक, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 666 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

56. आईसी-79721एच मेजर नितिन रावत, दि पंजाब रेजीमेन्ट, 666 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

57. आईसी-85152डब्ल्यू मेजर रविप्रीत सिंह संधू, 5 लद्दाख स्काउट्स

ऑपरेशन सहायता

58. आईसी-70904एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल मधु मनीष, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 21 असम राईफल्स

59. आईसी-85730ए कैप्टन साहिल फोगेडिया, 16 जाट

60. जी/5033065एच राइफलमैन अलागारसेमि आर, 9 असम राईफल्स

ऑपरेशन सिधरा

61. एसएस-46681एम मेजर महक मेहता, 1 पैरा(एस एफ)

62. जेसी-414898डब्ल्यू नायब सूबेदार सुरिंदर सिंह, 1 पैरा(एस एफ)

कैसुएलटी इवैक्युऐशन

63. आईसी-72101के लेफ्टिनेंट कर्नल वैभव जिंदल, 23 (आई) आर एंड ओ फ्लाईट

64. आईसी-79201एक्स मेजर एस निशांत रेड्डी, दि तोपखाना रेजीमेन्ट, 23 (आई) आर एंड ओ फ्लाईट

65. आईसी-85029एक्स कैप्टन परिनव पाठक, 23 (आई) आर एंड ओ फ्लाईट

मिशलेनियस ऑपरेशन

66. आईसी-63408एन कर्नल उमेश चंद्र सती, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट, 1 असम राईफल्स

67. आईसी-68179एक्स कर्नल ओईनम आकाश सिंह, एसएम, दि कुमाऊँ रेजीमेन्ट, 18 असम राईफल्स

68. 18004474एन हवलदार अजय कुमार, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 111 आर सी सी (ग्रेफ)

ऑपरेशन कावेरी

69. 28028 ग्रुप कैप्टन समीप निझावन, उड़ान (पायलट)

70. 28051 विंग कमांडर जगविन्द्र सिंह, प्रशासन

71. 29197 विंग कमांडर मनीष व्यास, उड़ान (पायलट)

72. 29444 विंग कमांडर लोकेश मनचन्दा, उड़ान (पायलट)

73. 29454 विंग कमांडर श्री कान्त भारद्वाज, उड़ान (नेवीगेटर)

74. 29900 विंग कमांडर रजनीश चन्द्र उनियाल, उड़ान (पायलट)

75. 31441 विंग कमांडर मानसे थत्ते, उड़ान (नेवीगेटर)

76. 32629 स्क्वाड्रन लीडर अंकित अग्रवाल, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

77. 33949 स्क्वाड्रन लीडर प्रितम सिंह जैतावत, प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर

78. 930401 जूनियर वारंट अफसर कालन्दी चरण साहू, फ्लाईट इंजीनियर

79. 902877 सार्जेंट जितेन्द्र कुमार महला, भारतीय वायु सेना (गरुड़)
  80. 903053 सार्जेंट विकास कुमार तिवारी, भारतीय वायु सेना (गरुड़)
  81. 924752 कार्पोरल महेंद्र कुमार, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)
  82. 977094 कार्पोरल शक्ति सिंह राजपुरोहित, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)
- मिशलेनियस ऑपरेशन
83. 23569 ग्रुप कैप्टन फिलिक्स पैट्रिक पिन्टो, शौर्य चक्र, वायु सेना मेडल, उड़ान (पायलट)
  84. 33223 स्क्वाड्रन लीडर कन्हैया कुमार उड़ान (पायलट)

एस एम समी  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय  
(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 2023

संकल्प

सं. 11034/01/2023-राजभाषा(नीति).—राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौलिक रूप से राजभाषा हिंदी में पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा जारी संकल्प संख्या 11034/01/2023-राजभाषा(नीति) दिनांक 21.03.2023 का अधिक्रमण करते हुए वर्ष 2022-23 से संशोधित “राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना” लागू की जाती है। इस योजना के अंतर्गत अब भारत के नागरिकों को निम्नलिखित पुरस्कार दिए जाएंगे:—

- (क) हिंदी में ज्ञान-विज्ञान संबंधी मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार।
- (ख) न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान और पुलिस प्रशासन पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार।
- (ग) संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर आदि पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार।
- (घ) विधि के क्षेत्र में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार।

2. नाम:—इस योजना का नाम ‘हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना’ है।

3. परिभाषाएँ:—इस योजना में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

- (i) “योजना” का अभिप्राय है:—तकनीकी, विज्ञान, न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर इत्यादि संबंधी विषयों एवं विधि के क्षेत्र में मौलिक रूप से हिंदी भाषा में पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा विभाग की पुरस्कार योजना।
- (ii) “मौलिक” से अभिप्राय है:—मूल रूप से हिंदी में लिखी गई व प्रथम बार प्रकाशित पुस्तक। पूर्व में प्रकाशित पुस्तकों का अनुवाद इस योजना में शामिल नहीं होगा।
- (iii) “पुस्तक” से आशय प्रकाशित पुस्तक से है।
- (iv) “वर्ष” से अभिप्राय है:—(क) योजना वर्ष —वित्तीय वर्ष (ख) प्रकाशन वर्ष—कैलेंडर वर्ष।

4. उद्देश्य:—

(क) केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में सरकारी कामकाज में तकनीकी विषयों पर भी कार्य किया जाता है। तकनीकी, विज्ञान, न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर इत्यादि संबंधी विषयों एवं विधि के क्षेत्र में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने में कठिनाई आ रही है क्योंकि इन विषयों पर पुस्तकों की कमी है। साथ ही, इन विषयों की हिंदी शब्दावली से कम परिचित अथवा परिचित नहीं होने के कारण सरकारी कामकाज को हिंदी में करने में कार्मिकों को कठिनाई आती है। उक्त विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग यह योजना चला रहा है।

(ख) केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी से संबंधित अलग-अलग पुरस्कार योजनाएँ चलायी जा रही हैं। हिंदी से संबंधित पुस्तक योजना के लिए केवल राजभाषा विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। अतः विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा चलायी जा रही राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी से संबंधित पुरस्कार योजनाओं में से प्रासंगिक योजनाओं को इस पुरस्कार योजना में शामिल कर लिया गया है। अन्य पुरस्कार योजनाओं को बंद करने का निर्णय लिया गया है। भविष्य में यदि कोई मंत्रालय/विभाग हिंदी से संबंधित कोई अन्य पुरस्कार योजना शुरू करना चाहता है तो उसे पुरस्कार योजना शुरू करने से पूर्व राजभाषा विभाग से परामर्श करना अनिवार्य होगा, ताकि पुरस्कार योजना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके।

#### 5. पुरस्कार:—

|   | पुरस्कार योजना का नाम   | कुल पुरस्कारों की संख्या | देय राशि, प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न                               |
|---|---|--------------------------|--|
| क | हिंदी में ज्ञान-विज्ञान संबंधी मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार   | प्रथम पुरस्कार (एक)      | ₹ 2,00,000/- (दो लाख रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न             |
|   |   | द्वितीय पुरस्कार (एक)    | ₹ 1,25,000/- (एक लाख पच्चीस हजार रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न |
|   |   | तृतीय पुरस्कार (एक)      | ₹ 75,000/- (पचहत्तर हजार रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न         |
| ख | न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान और पुलिस प्रशासन पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार | प्रथम पुरस्कार (एक)      | ₹ 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न   |
|   |   | द्वितीय पुरस्कार (एक)    | ₹ 1,00,000/- (एक लाख रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न             |
| ग | संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर आदि पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार                                    | प्रथम पुरस्कार (एक)      | ₹ 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न   |
|   |   | द्वितीय पुरस्कार (एक)    | ₹ 1,00,000/- (एक लाख रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न             |
| घ | विधि के क्षेत्र में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार  | प्रथम पुरस्कार (एक)      | ₹ 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न   |
|   |   | द्वितीय पुरस्कार (एक)    | ₹ 1,00,000/- (एक लाख रुपए), प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न             |

#### 6. पात्रता:—

(i) लेखक/ सह लेखक भारत का नागरिक होना चाहिए।

(ii) पुस्तक निम्नलिखित विधाओं पर लिखी होनी चाहिए:—

(क) इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी, जीव विज्ञान, ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान, आयुर्विज्ञान, रसायन विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन, मनोविज्ञान... इत्यादि; समसामयिक विषय यथा उदारीकरण, भूमंडलीकरण, उपभोक्तावाद, मानवाधिकार, प्रदूषण... इत्यादि

(ख) न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान और पुलिस प्रशासन आदि

(ग) संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर आदि

(घ) विधि संबंधी विषय

#### 7. सामान्य शर्तें:—

(i) पुस्तक के एक से अधिक लेखक होने की स्थिति में प्रत्येक सह-लेखक द्वारा अलग-अलग प्रपत्र (प्रोफॉर्मा) भरा जाए।

(ii) योजना के अंतर्गत पुरस्कार के लिए केवल वे पुस्तकें ही स्वीकार्य हैं जो लेखक की हिंदी में मौलिक रचना हों। अनूदित पुस्तकें स्वीकार्य नहीं हैं।

- (iii) किसी भी सरकारी संगठन द्वारा पूर्व में पुरस्कृत पुस्तकें पात्र नहीं होंगी। उपरि-विषयक योजना के अंतर्गत पुरस्कार की घोषणा से पहले यदि पुस्तक को अन्य किसी पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया हो तो इसकी सूचना लेखक द्वारा तत्काल राजभाषा विभाग को दी जाए।
- (iv) योजना के अंतर्गत 1 जनवरी से 31 दिसम्बर के दौरान प्रकाशित पुस्तकें स्वीकार्य हैं।
- (v) पुस्तक की विषय-वस्तु समीक्षात्मक एवं विश्लेषणयुक्त होनी चाहिए। पीएचडी के लिए लिखे गए शोध, कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक आदि के रूप में लिखी गई या पाठ्य पुस्तक के रूप में लिखी गई पुस्तक इस पुरस्कार योजना हेतु पात्र नहीं होगी।
- (vi) लेखक/सह-लेखक पुस्तक में दिए गए आँकड़ों एवं तथ्यों के लिए स्वयं उत्तरदायी होंगे और उनके प्रमाण में जहाँ तक संभव हो, संदर्भ देंगे।
- (vii) यदि किसी व्यक्ति को राजभाषा विभाग की किसी भी योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में कोई पुरस्कार मिल चुका हो तो उसकी प्रविष्टि विचारणीय नहीं होगी। तथापि, सह-लेखक (यदि कोई हो) योजना में भाग ले सकता है। सह-लेखक को पुरस्कार में आनुपातिक राशि ही प्रदान की जाएगी।
- (viii) पुस्तक कम से कम 100 पृष्ठ की हो।
- (ix) यदि मूल्यांकन समिति इस निष्कर्ष पर पहुँचती है कि प्राप्त प्रविष्टियों में से कोई भी पुस्तक किसी पुरस्कार के योग्य नहीं है तो इस संबंध में उसका निर्णय अंतिम माना जाएगा।
- (x) यदि पुरस्कार के लिए चुनी गई पुस्तक के लेखक एक से अधिक होंगे तो पुरस्कार की राशि उनमें बराबर-बराबर बाँट दी जाएगी।
- (xi) पुरस्कार योजना के अंतर्गत केवल आईएसबीएन (ISBN) वाली पुस्तकों को ही शामिल किया जाएगा।

#### 8. प्रविष्टि भेजने की विधि:—

- (i) प्रविष्टि अनुलग्नक में दिए गए प्रपत्र के साथ भेजी जाए अन्यथा उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (ii) कृपया प्रत्येक प्रविष्टि के साथ पुस्तक की तीन प्रतियाँ भेजें। ये प्रतियाँ वापस नहीं की जाएंगी।
- (iii) निर्धारित प्रपत्र भरकर प्रविष्टि विभाग द्वारा दी गई अंतिम तिथि तक पहुँच जानी चाहिए।
- (iv) एक लेखक केवल एक ही प्रविष्टि भेज सकता है।

#### 9. पुस्तकों की मूल्यांकन प्रक्रिया:—

पुस्तकों का मूल्यांकन राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर राजभाषा विभाग द्वारा गठित मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। समिति की अध्यक्षता संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग द्वारा की जाएगी। समिति में आवश्यकतानुसार सरकारी सदस्यों के अतिरिक्त गैर-सरकारी, प्रतिष्ठित विद्वान/विशेषज्ञ भी शामिल किए जा सकते हैं। समिति की संरचना निम्नानुसार होगी:—

|       |   |            |
|-------|---|------------|
| (i)   | संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग   | अध्यक्ष    |
| (ii)  | दो गैर सरकारी व्यक्ति, जो राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष नामित किए जाएंगे | सदस्य      |
| (iii) | निदेशक/उप-निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग                                 | सदस्य-सचिव |

- (i) प्रविष्टि भेजने वाले लेखकों के निकट संबंधी मूल्यांकन समिति में शामिल नहीं किए जाएंगे।
- (ii) प्रविष्टियों के मूल्यांकन हेतु विषय से संबंधित मंत्रालय/विभाग के एक पदाधिकारी को मूल्यांकन समिति में जगह दी जा सकती है।
- (iii) मूल्यांकन समिति को यह अधिकार होगा कि वह किसी पुस्तक के बारे में निर्णय देने से पहले संबंधित विषय के विशेषज्ञ/विशेषज्ञों की राय प्राप्त कर ले।
- (iv) मूल्यांकन समिति मूल्यांकन के मानदंड स्वयं निर्धारित करेगी।
- (v) पुरस्कार देने के बारे में सर्वसम्मति न होने की स्थिति में निर्णय बहुमत द्वारा किया जाएगा। यदि किसी निर्णय के बारे में पक्ष और विपक्ष में बराबर मत हों तो अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।

- (vi) मूल्यांकन समिति में शामिल सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता उसी स्रोत से मिलेगा, जिस स्रोत से उन्हें वेतन मिलता है। समिति के गैर-सरकारी सदस्य भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए और संबंधित अवधि में लागू अनुदेशों के अधीन यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पाने के अधिकारी होंगे।
- (vii) मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञ राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित मानदेय के भी अधिकारी होंगे।
- (viii) मूल्यांकन समिति की सिफारिशों पर निर्णय राजभाषा विभाग द्वारा किया जाएगा।

#### 10. पुरस्कार के बारे में घोषणा और पुरस्कार वितरण:

- (i) पुरस्कार के बारे में निर्णय की सूचना सभी पुरस्कार विजेताओं को पत्र/ईमेल द्वारा भेजी जाएगी तथा उसे राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।
- (ii) पुरस्कार वितरण राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित तिथि को किया जाएगा।

#### 11. सामान्य सूचना:

- (i) पुरस्कृत पुस्तक पर लेखक/प्रकाशक का कॉपीराइट बना रहेगा।
- (ii) पुरस्कार वितरण के लिए नियत स्थान से बाहर से आए हुए पुरस्कार विजेताओं को आने-जाने के लिए रेल का द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित का किराया तथा भारत सरकार के नियमों के अनुसार दैनिक भत्ता दिया जाएगा। ठहरने की व्यवस्था उन्हें स्वयं के खर्चे पर करनी होगी।
- (iii) पुरस्कार प्रदान किए जाने अथवा पुरस्कार के लिए पुस्तक चयन की प्रक्रिया के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं किया जाएगा।

#### 12. योजना को शिथिल करने का अधिकार:

जहाँ केंद्र सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इस संकल्प के किसी उपबंध को आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

\*\*\*\*\*

प्रपत्र

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, नीति आयोग, भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, सभी राज्य सरकारों एवं संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

डॉ. मीनाक्षी जौली

संयुक्त सचिव

अनुलग्नक

“भारत के नागरिकों के लिए हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना”

प्रपत्र

कृपया संबंधित पुरस्कार योजना, जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है, को चिह्नित करें।

|     |  |  |
|-----|--|--|
| (क) | हिंदी में ज्ञान-विज्ञान संबंधी मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार              |  |
| (ख) | न्यायालयिक विज्ञान, पुलिस, अपराधशास्त्र अनुसंधान और पुलिस प्रशासन पर हिंदी में मौलिक     |  |
| (ग) | संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर आदि पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार |  |
| (घ) | विधि के क्षेत्र में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार               |  |

1. पुरस्कार योजना का वर्ष : .....

2. पुस्तक का नाम : .....



3. (i) लेखक/सह लेखक का नाम : .....
- (ii) पूरा पता (पिन कोड सहित) : .....
- (iii) दूरभाष ..... ईमेल .....
- (iv) मोबाइल नं. ....
4. (i) प्रकाशक का नाम.....
- (ii) प्रकाशक का पूरा पता.....
- (iii) प्रकाशन का वर्ष.....
5. क्या पुस्तक को पूर्व में किसी सरकारी संगठन से पुरस्कार प्राप्त हुआ है? हाँ/नहीं
- यदि हाँ, तो कृपया पूरा ब्यौरा दें.....
6. मैं यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि-
- (i) मैं .....पुत्र/पुत्री श्री ..... भारतीय नागरिक हूँ।
- (ii) पुस्तक मेरे द्वारा मूल रूप से हिंदी में लिखी गई है।
- (iii) मेरी पुस्तक को इस योजना के अंतर्गत प्रविष्ट करने से किसी अन्य व्यक्ति के कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं होता है और पुस्तक में दिए गए आँकड़ों एवं तथ्यों के लिए मैं स्वयं उत्तरदायी हूँ।
7. मैं वचन देता हूँ/देती हूँ कि मैं उपर्युक्त मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना के उपबंधों का पालन करूँगा/करूँगी।

स्थान.....

दिनांक .....

लेखक/सह लेखक के हस्ताक्षर

नोट 1. जो लागू न हो, उसे काट दें।

नोट 2. पुस्तक के एक से अधिक लेखक होने की स्थिति में प्रत्येक सह लेखक द्वारा उपर्युक्त प्रपत्र अलग-अलग भरा जाए।

दिनांक 16 अगस्त 2023

सं. 20012/02/2019-रा.भा.(नीति)—लोकसभा सचिवालय के कार्यालय ज्ञापन सं. LAFEAS-CB1014/12/2023-CB-1 दिनांक 03.08.2023 के अनुसरण में लोकसभा के निम्नलिखित माननीय संसद सदस्य को संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री कुलदीप राय शर्मा

डॉ. मीनाक्षी जौली  
संयुक्त सचिव (राजभाषा)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
(बायोटेक्नोलॉजी विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 फरवरी 2024

सं. एआई-17011/1/2023-एआईपीएसयू-डीबीटी [एफटीएस-18871]— "एक स्वायत्तशासी निकाय जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार परिषद (बीआरआईसी) के सृजन के माध्यम से बायोटेक्नोलॉजी विभाग के 14 स्वायत्तशासी संस्थानों के युक्तिकरण" के संबंध में मंत्रिमंडल के अनुमोदन के अनुसरण में, सक्षम प्राधिकारी ने यह अनुमोदित किया है कि दिनांक 01.11.2023 से मोहाली स्थित राष्ट्रीय कृषि-खाद्य

जैवप्रौद्योगिकी संस्थान (एनएबीआई) और नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव-प्रसंस्करण केंद्र (सीआईएबी), एक निदेशक (अर्थात् कार्यकारी निदेशक, एनएबीआई की अध्यक्षता में) के अधीन एक प्रशासनिक इकाई के रूप में कार्य करेंगे।

चैतन्य मूर्ति  
संयुक्त सचिव

शिक्षा मंत्रालय  
(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 2024

सं. 9-1/2021-यू.3(ए)—जबकि, केंद्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सलाह पर किसी उच्च शिक्षण संस्थान को सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

2. और जबकि, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), कोलकाता को डी-नोवो श्रेणी (अब विशिष्ट श्रेणी) के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर दिनांक 15.07.2020 को एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

3. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2019 के अनुसार अपनी विशेषज्ञ समिति के माध्यम से आवेदन की जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद, एनआईटीटीटीआर, कोलकाता को कतिपय शर्तों के साथ आशय पत्र (एलओआई) जारी करने की सिफारिश की। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर आयोग द्वारा दिनांक 18.02.2021 को आयोजित अपनी 550वीं बैठक (मद संख्या 2.05) में विचार किया गया था और अनुमोदित किया गया था।

4. और इसके अलावा जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी विनियम, 2019 के स्थान पर नए यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 को अधिसूचित किया। एनआईटीटीटीआर, कोलकाता ने यूजीसी विनियम, 2023 के विनियम 30 के अनुसार अपने दिनांक 12.09.2023 के पत्र क्र. एनआईटीटीटीआर-के/यूजीसी/2023-24/538 द्वारा अपने विकल्प का प्रयोग किया और यूजीसी विनियम, 2023 की 'विशिष्ट' श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु उसके आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया।

5. और जबकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, तीन वर्ष की अवधि के भीतर कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए 25.09.2023 को एनआईटीटीटीआर, कोलकाता को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

6. और इसके अलावा जबकि, संस्थान ने दिनांक 17.11.2023 के पत्र के माध्यम से एलओआई की शर्तों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा सत्यापित किया गया था। समिति ने संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को कतिपय शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आयोग द्वारा दिनांक 13.02.2024 को आयोजित 577वीं बैठक (मद संख्या 2.08) में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया।

7. अब, इसलिए, शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूजीसी की सलाह पर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), कोलकाता को विशिष्ट श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान घोषित करता है। उक्त घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- i. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी शिक्षक शिक्षा में क्षमता निर्माण में नेतृत्व के सिद्धांतों को शामिल करेगा, जिसमें भावी कार्य, हरित और सतत विकास, महिला नेतृत्व आधारित विकास, विविध क्षमताओं के साथ संकाय विकास और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आदि शामिल होंगे।
- ii. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता तकनीकी शिक्षक शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप सभी तकनीकी संकाय को तकनीकी शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम उन्नयन, भावी कार्य कौशल, शिक्षाशास्त्र से अवगत कराया जाएगा।
- iii. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से छह वर्ष की अवधि के भीतर यूजीसी (समविश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 का अनुपालन करेगा।
- iv. संपूर्ण चल और अचल परिसंपत्तियां एनआईटीटीटीआर, कोलकाता या उसके प्रायोजक निकाय के नाम पर होगी।
- v. यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति के बिना, सम विश्वविद्यालय संस्थान/या इसकी घटक शिक्षण इकाइयों की परिसंपत्तियों या निधियों/राजस्व का कोई विचलन नहीं किया जाएगा।

- vi. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो वाणिज्यिक और लाभ कमाने वाली प्रकृति की हो।
- vii. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यूजीसी और संबंधित सांविधिक परिषदों/निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप होंगे।
- viii. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता ऑफ-कैम्पस, ऑफ-शोर कैम्पस के सहयोग से इस विषय पर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही नए शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- ix. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टरल और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए समुचित कदम उठाएगा। संस्थान केवल वर्तमान में नए उभरते क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा, अपितु यूजीसी विनियमों/दिशानिर्देशों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने का प्रयास करेगा।
- x. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता आईआईटी और एनआईटी जैसे अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान किए जा रहे सामान्य स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं करेगा।
- xi. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा वैध प्रत्यायन हेतु नियत सभी पात्र अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाएगा और संस्थान समय-समय पर यथासंशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 में यथा निहित उपबंधों के अनुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), जैसा भी मामला हो, द्वारा वैध प्रत्यायन प्राप्त करेगा।
- xii. छात्रों के प्रवेश, छात्रों की प्रवेश क्षमता, शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के अनुमोदन का नवीकरण, छात्रों की प्रवेश क्षमता में संशोधन, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करने आदि के मामले में संबंधित सांविधिक परिषदों के सभी निर्धारित मानदंड और प्रक्रियाएं प्रभावी रहेंगी और एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा उनका पालन किया जाएगा।
- xiii. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता अपने संशोधित संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमों को यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान), 2023 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय को जून, 2024 तक प्रस्तुत करेगा। जब भी आवश्यक होगा, संस्थान प्रचलित विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने संगम ज्ञापन/नियमों को अद्यतन या उनमें संशोधन या परिवर्तन करेगा।
- xiv. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता यूजीसी के नियमों एवं विनियमों और संबंधित सांविधिक परिषदों के अनुसार शुल्क संरचना का पालन करेगा।
- xv. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता इस मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा जारी वार्षिक भारतीय रैंकिंग में भाग लेगा।
- xvi. एनआईटीटीटीआर, कोलकाता अनिवार्य रूप से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), अपने छात्रों की पहचान बनाएगा और उनके क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि क्रेडिट स्कोर एबीसी पोर्टल पर प्रदर्शित हों और समर्थ ई-जीओवी को अंगीकृत करेगा।

पूर्णंदु किशोर बनर्जी  
संयुक्त सचिव

सं. 9-2/2021-यू.3(ए)—जबकि, केंद्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सलाह पर किसी उच्च शिक्षण संस्थान को सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

2. और जबकि, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ को डी-नोवो श्रेणी (अब विशिष्ट श्रेणी) के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

3. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2019 के अनुसार अपनी विशेषज्ञ समिति के माध्यम से आवेदन की जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद, एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ को कतिपय शर्तों के साथ आशय पत्र (एलओआई) जारी करने की सिफारिश की। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर आयोग द्वारा दिनांक 18.02.2021 को आयोजित अपनी 550वीं बैठक (मद संख्या 2.04) में विचार किया गया था और अनुमोदित किया गया था।

4. और इसके अलावा जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी विनियम, 2019 के स्थान पर नए यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 को अधिसूचित किया। एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ ने यूजीसी विनियम, 2023 के विनियम 30 के अनुसार अपने दिनांक

12.09.2023 के पत्र संख्या एनआईटीटीटीआर-के/यूजीसी/2023-24/538 द्वारा अपने विकल्प का प्रयोग किया और यूजीसी विनियम, 2023 की 'विशिष्ट' श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु उसके आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया।

5. और जबकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, तीन वर्ष की अवधि के भीतर कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए 25.09.2023 को एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

6. और इसके अलावा जबकि, संस्थान ने दिनांक 03.12.2023 के पत्र के माध्यम से एलओआई की शर्तों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा सत्यापित किया गया था। समिति ने संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को कतिपय शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आयोग द्वारा दिनांक 13.02.2024 को आयोजित 577वीं बैठक (मद संख्या 2.08) में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया।

7. अब, इसलिए शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूजीसी की सलाह पर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ को विशिष्ट श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान घोषित करता है। उक्त घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन है:

- i. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी शिक्षक शिक्षा में क्षमता निर्माण में नेतृत्व के सिद्धांतों को शामिल करेगा, जिसमें भावी कार्य, हरित और सतत विकास, महिला नेतृत्व आधारित विकास, विविध क्षमताओं के साथ संकाय विकास और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आदि शामिल होंगे।
- ii. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ तकनीकी शिक्षक शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप सभी तकनीकी संकाय को तकनीकी शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम उन्नयन, भावी कार्य कौशल, शिक्षाशास्त्र से अवगत कराया जाएगा।
- iii. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से छह वर्ष की अवधि के भीतर यूजीसी (समविश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 का अनुपालन करेगा।
- iv. संपूर्ण चल और अचल परिसंपत्तियां एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ या उसके प्रायोजक निकाय के नाम पर होगी।
- v. यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति के बिना, सम विश्वविद्यालय संस्थान/या इसकी घटक शिक्षण इकाइयों की परिसंपत्तियों या निधियों/राजस्व का कोई विचलन नहीं किया जाएगा।
- vi. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो वाणिज्यिक और लाभ कमाने वाली प्रकृति की हो।
- vii. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यूजीसी और संबंधित सांविधिक परिषदों/निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप होंगे।
- viii. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ ऑफ-कैम्पस, ऑफ-शोर कैम्पस के सहयोग से इस विषय पर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही नए शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- ix. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टोरल और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए समुचित कदम उठाएगा। संस्थान केवल वर्तमान में नए उभरते क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा, अपितु यूजीसी विनियमों/दिशानिर्देशों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने का प्रयास करेगा।
- x. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ आईआईटी और एनआईटी जैसे अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान किए जा रहे सामान्य स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं करेगा।
- xi. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा वैध प्रत्यायन हेतु नियत सभी पात्र अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाएगा और संस्थान समय-समय पर यथासंशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 में यथा निहित उपबंधों के अनुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), जैसा भी मामला हो, द्वारा वैध प्रत्यायन प्राप्त करेगा।
- xii. छात्रों के प्रवेश, छात्रों की प्रवेश क्षमता, शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के अनुमोदन का नवीकरण, छात्रों की प्रवेश क्षमता में संशोधन, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करने आदि के मामले में संबंधित सांविधिक परिषदों के सभी निर्धारित मानदंड और प्रक्रियाएं प्रभावी रहेंगी और एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ द्वारा उनका पालन किया जाएगा।
- xiii. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ अपने संशोधित संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमों को यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान), 2023 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय को जून, 2024 तक प्रस्तुत करेगा। जब भी आवश्यक होगा, संस्थान प्रचलित विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने संगम ज्ञापन/नियमों को अद्यतन या उनमें संशोधन या परिवर्तन करेगा।

- xiv. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ यूजीसी के नियमों एवं विनियमों और संबंधित सांविधिक परिषदों के अनुसार शुल्क संरचना का पालन करेगा।
- xv. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ इस मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा जारी वार्षिक भारतीय रैंकिंग में भाग लेगा।
- xvi. एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ अनिवार्य रूप से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), अपने छात्रों की पहचान बनाएगा और उनके क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि क्रेडिट स्कोर एबीसी पोर्टल पर प्रदर्शित हों और समर्थ ई-जीओवी को अंगीकृत करेगा।

पूर्णंदु किशोर बनर्जी  
संयुक्त सचिव

सं. 9-4/2021-यू.3(ए)—जबकि, केंद्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सलाह पर किसी उच्च शिक्षण संस्थान को सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

2. और जबकि, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चेन्नई को डी-नोवो श्रेणी (अब विशिष्ट श्रेणी) के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

3. और जबकि, जब मामला जांच के अधीन था, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी विनियम, 2019 के स्थान पर नए यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 को अधिसूचित किया। एनआईटीटीटीआर, चेन्नई ने यूजीसी विनियम, 2023 के विनियम 30 के अनुसार, यूजीसी विनियम, 2023 की 'विशिष्ट' श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु उसके आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया।

4. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2019 के अनुसार अपनी विशेषज्ञ समिति के माध्यम से आवेदन की जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद, एनआईटीटीटीआर, चेन्नई को कतिपय शर्तों के साथ आशय पत्र (एलओआई) जारी करने की सिफारिश की यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर आयोग द्वारा दिनांक 20.09.2023 को आयोजित अपनी 572वीं बैठक (मद संख्या 2.13) में विचार किया गया था और अनुमोदित किया गया था।

5. और जबकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, तीन वर्ष की अवधि के भीतर कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए 11.10.2023 को एनआईटीटीटीआर, चेन्नई को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

6. और इसके अलावा जबकि, संस्थान ने दिनांक 11.12.2023 के पत्र के माध्यम से एलओआई की शर्तों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा सत्यापित किया गया था। समिति ने संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को कतिपय शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आयोग द्वारा दिनांक 13.02.2024 को आयोजित 577वीं बैठक (मद संख्या 2.08) में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया।

7. अब इसलिए, शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूजीसी की सलाह पर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चेन्नई को विशिष्ट श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान घोषित करता है। उक्त घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- i. एनआईटीटीटीआर, भोपाल अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी शिक्षक शिक्षा में क्षमता निर्माण में नेतृत्व के सिद्धांतों को शामिल करेगा, जिसमें भावी कार्य, हरित और सतत विकास, महिला नेतृत्व आधारित विकास, विविध क्षमताओं के साथ संकाय विकास और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आदि शामिल होंगे।
- ii. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई तकनीकी शिक्षक शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप सभी तकनीकी संकाय को तकनीकी शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम उन्नयन, भावी कार्य कौशल, शिक्षाशास्त्र से अवगत कराया जाएगा।
- iii. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से छह वर्ष की अवधि के भीतर यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 का अनुपालन करेगा।
- iv. संपूर्ण चल और अचल परिसंपत्तियां एनआईटीटीटीआर, भोपाल या उसके प्रायोजक निकाय के नाम पर होगी।
- v. यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति के बिना, सम विश्वविद्यालय संस्थान/या इसकी घटक शिक्षण इकाइयों की परिसंपत्तियों या निधियों/राजस्व का कोई विचलन नहीं किया जाएगा।
- vi. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो वाणिज्यिक और लाभ कमाने वाली प्रकृति की हो।

- vii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यूजीसी और संबंधित सांविधिक परिषदों/निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप होंगे।
- viii. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई राष्ट्रीय महत्व के शीर्ष संस्थानों (आईएनआई), ऑफ-कैम्पस, ऑफ-शोर कैम्पस के सहयोग से इस विषय पर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही तकनीकी शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने से संबंधित नए शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- ix. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई शीर्ष आईएनआई के सहयोग से तकनीकी शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने से संबंधित अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टोरल और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए समुचित कदम उठाएगा। संस्थान केवल वर्तमान में नए उभरते क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा, अपितु यूजीसी विनियमों/दिशानिर्देशों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने का प्रयास करेगा।
- x. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई आईआईटी और एनआईटी जैसे अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान किए जा रहे सामान्य स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं करेगा।
- xi. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा वैध प्रत्यायन हेतु नियत सभी पात्र अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाएगा और संस्थान समय-समय पर यथासंशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 में यथा निहित उपबंधों के अनुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), जैसा भी मामला हो, द्वारा वैध प्रत्यायन प्राप्त करेगा।
- xii. छात्रों के प्रवेश, छात्रों की प्रवेश क्षमता, शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के अनुमोदन का नवीकरण, छात्रों की प्रवेश क्षमता में संशोधन, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करने आदि के मामले में संबंधित सांविधिक परिषदों के सभी निर्धारित मानदंड और प्रक्रियाएं प्रभावी रहेंगी और एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा उनका पालन किया जाएगा।
- xiii. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई अपने संशोधित संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमों को यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान), 2023 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय को जून, 2024 तक प्रस्तुत करेगा। जब भी आवश्यक होगा, संस्थान प्रचलित विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने संगम ज्ञापन/नियमों को अद्यतन या उनमें संशोधन या परिवर्तन करेगा।
- xiv. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई यूजीसी के नियमों एवं विनियमों और संबंधित सांविधिक परिषदों के अनुसार शुल्क संरचना का पालन करेगा।
- xv. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई इस मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा जारी वार्षिक भारतीय रैंकिंग में भाग लेगा।
- xvi. एनआईटीटीटीआर, चेन्नई अनिवार्य रूप से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), अपने छात्रों की पहचान बनाएगा और उनके क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि क्रेडिट स्कोर एबीसी पोर्टल पर प्रदर्शित हों और समर्थ ई-जीओबी को अंगीकृत करेगा।

पूर्णदु किशोर बनर्जी  
संयुक्त सचिव

सं. 9/5/2020-यू.3(ए).—जबकि, केंद्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सलाह पर किसी उच्च शिक्षण संस्थान को सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

2. और जबकि, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल, मध्य प्रदेश को डी-नोवो श्रेणी (अब विशिष्ट श्रेणी) के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

3. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2019 के अनुसार अपनी विशेषज्ञ समिति के माध्यम से आवेदन की जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद, एनआईटीटीटीआर, भोपाल को कतिपय शर्तों के साथ आशय पत्र (एलओआई) जारी करने की सिफारिश की यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर आयोग द्वारा दिनांक 18.02.2021 को आयोजित अपनी 550वीं बैठक (मद संख्या 2.03) में विचार किया गया था और अनुमोदित किया गया था।

4. और जबकि, जब मामला जांच के अधीन था, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी विनियम, 2019 के स्थान पर नए यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 को अधिसूचित किया। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने यूजीसी विनियम, 2023 के विनियम 30 के

अनुसार, यूजीसी विनियम, 2023 की 'विशिष्ट' श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु उसके आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया।

5. और जबकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, तीन वर्ष की अवधि के भीतर कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए 25.09.2023 को एनआईटीटीटीआर, भोपाल को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

6. और इसके अलावा जबकि, संस्थान ने दिनांक 06.12.2023 के पत्र के माध्यम से एलओआई की शर्तों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा सत्यापित किया गया था। समिति ने संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को कतिपय शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आयोग द्वारा दिनांक 13.02.2024 को आयोजित 577वीं बैठक (मद संख्या 2.08) में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया।

7. और अब, शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूजीसी की सलाह पर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल, मध्य प्रदेश को विशिष्ट श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान घोषित करता है। उक्त घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- i. एनआईटीटीटीआर, भोपाल अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी शिक्षक शिक्षा में क्षमता निर्माण में नेतृत्व के सिद्धांतों को शामिल करेगा, जिसमें भावी कार्यहरीत और सतत विकास, महिला नेतृत्व आधारित विकास, विविध क्षमताओं के साथ संकाय विकास और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आदि शामिल होंगे।
- ii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल तकनीकी शिक्षक शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप सभी तकनीकी संकाय को तकनीकी शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम उन्नयन, भावी कार्य कौशल, शिक्षाशास्त्र से अवगत कराया जाएगा।
- iii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से छह वर्ष की अवधि के भीतर यूजीसी (समविश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 का अनुपालन करेगा।
- iv. संपूर्ण चल और अचल परिसंपत्तियां एनआईटीटीटीआर, भोपाल या उसके प्रायोजक निकाय के नाम पर होगी।
- v. यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति के बिना, सम विश्वविद्यालय संस्थान/या इसकी घटक शिक्षण इकाइयों की परिसंपत्तियों या निधियों/राजस्व का कोई विचलन नहीं किया जाएगा।
- vi. एनआईटीटीटीआर, भोपाल ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो वाणिज्यिक और लाभ कमाने वाली प्रकृति की हो।
- vii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यूजीसी और संबंधित सांविधिक परिषदों/निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप होंगे।
- viii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल राष्ट्रीय महत्व के शीर्ष संस्थानों (आईएनआई), ऑफ-कैम्पस, ऑफ-शोर कैम्पस के सहयोग से इस विषय पर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही तकनीकी शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने से संबंधित नए शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- ix. एनआईटीटीटीआर, भोपाल शीर्ष आईएनआई के सहयोग से तकनीकी शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने से संबंधित अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टोरल और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए समुचित कदम उठाएगा। संस्थान केवल वर्तमान में नए उभरते क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा, अपितु यूजीसी विनियमों/दिशानिर्देशों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने का प्रयास करेगा।
- x. एनआईटीटीटीआर, भोपाल आईआईटी और एनआईटी जैसे अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान किए जा रहे सामान्य स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं करेगा।
- xi. एनआईटीटीटीआर, भोपाल राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा वैध प्रत्यायन हेतु नियत सभी पात्र अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाएगा और संस्थान समय-समय पर यथासंशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 में यथा निहित उपबंधों के अनुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), जैसा भी मामला हो, द्वारा वैध प्रत्यायन प्राप्त करेगा।
- xii. छात्रों के प्रवेश, छात्रों की प्रवेश क्षमता, शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के अनुमोदन का नवीकरण, छात्रों की प्रवेश क्षमता में संशोधन, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करने आदि के मामले में संबंधित सांविधिक परिषदों के सभी निर्धारित मानदंड और प्रक्रियाएं प्रभावी रहेंगी और एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा उनका पालन किया जाएगा।

- xiii. एनआईटीटीटीआर, भोपाल अपने संशोधित संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमों को यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान), 2023 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय को जून, 2024 तक प्रस्तुत करेगा। जब भी आवश्यक होगा, संस्थान प्रचलित विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने संगम ज्ञापन/नियमों को अद्यतन या उनमें संशोधन या परिवर्तन करेगा।
- xiv. एनआईटीटीटीआर, भोपाल यूजीसी के नियमों एवं विनियमों और संबंधित सांविधिक परिषदों के अनुसार शुल्क संरचना का पालन करेगा।
- xv. एनआईटीटीटीआर, भोपाल इस मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा जारी वार्षिक भारतीय रैंकिंग में भाग लेगा।
- xvi. एनआईटीटीटीआर, भोपाल अनिवार्य रूप से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), अपने छात्रों की पहचान बनाएगा और उनके क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि क्रेडिट स्कोर एबीसी पोर्टल पर प्रदर्शित हों और समर्थ ई-जीओवी को अंगीकृत करेगा।

पूर्णंदु किशोर बनर्जी  
संयुक्त सचिव

दिनांक 23 फरवरी 2024

सं. 9-7/2020-यू.3(ए).—जबकि, केंद्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सलाह पर किसी उच्च शिक्षण संस्थान को सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

2. और जबकि, राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, हटिया, रांची, झारखंड को डी-नोवो श्रेणी (अब विशिष्ट श्रेणी) के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

3. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2019 के अनुसार अपनी विशेषज्ञ समिति के माध्यम से आवेदन की जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद, एनआईएएमटी, रांची को कतिपय शर्तों के साथ आशय पत्र (एलओआई) जारी करने की सिफारिश की यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर आयोग द्वारा दिनांक 01.07.2021 को आयोजित अपनी 551वीं बैठक (मद संख्या 2.01) में विचार किया गया था और अनुमोदित किया गया था।

4. और इसके अलावा जबकि, जब मामला जांच के अधीन था, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी विनियम, 2019 के स्थान पर नए यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 को अधिसूचित किया। एनआईएएमटी, रांची ने यूजीसी विनियम, 2023 के विनियम 30 के अनुसार, यूजीसी विनियम, 2023 की 'विशिष्ट' श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु उसके आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया।

5. और जबकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, तीन वर्ष की अवधि के भीतर कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए 11.10.2023 को एनआईएएमटी, रांची को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

6. और इसके अलावा जबकि, संस्थान ने दिनांक 24.11.2023 के पत्र के माध्यम से एलओआई की शर्तों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा सत्यापित किया गया था। समिति ने संस्थान की अनुपालन रिपोर्ट को कतिपय शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया। यूजीसी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आयोग द्वारा दिनांक 13.02.2024 को आयोजित 577वीं बैठक (मद संख्या 2.05) में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया।

7. अब इसलिए, शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूजीसी की सलाह पर, राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, हटिया, रांची, झारखंड एनआईएएमटी, रांची को विशिष्ट श्रेणी के तहत सम विश्वविद्यालय संस्थान घोषित करता है। उक्त घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- i. एनआईएएमटी, रांची उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने से संबंधित नए शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- ii. एनआईएएमटी, रांची उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने से संबंधित स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करेगा।
- iii. एनआईएएमटी, रांची उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टरेट और नवीन शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने के लिए उचित कदम उठाएगा। संस्थान केवल वर्तमान में नए उभरते क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा, अपितु यूजीसी विनियमों/दिशानिर्देशों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने का प्रयास करेगा।



- iv. एनआईएमटी, रांची इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से छह वर्ष की अवधि के भीतर यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 का अनुपालन करेगा।
- v. संपूर्ण चल और अचल परिसंपत्तियां एनआईएमटी, रांची या उसके प्रायोजक निकाय के नाम पर होगी।
- vi. यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति के बिना, सम विश्वविद्यालय संस्थान/या इसकी घटक शिक्षण इकाइयों की परिसंपत्तियों या निधियों/राजस्व का कोई विचलन नहीं किया जाएगा।
- vii. एनआईएमटी, रांची ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो वाणिज्यिक और लाभ कमाने वाली प्रकृति की हो।
- viii. एनआईएमटी, रांची में प्रदान किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यूजीसी और संबंधित सांविधिक परिषदों/निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप होंगे।
- ix. एनआईएमटी, रांची ऑफ-कैम्पस, ऑफ-शोर कैम्पस के सहयोग से इस विषय पर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही तकनीकी शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने से संबंधित नए शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करेगा।
- x. एनआईएमटी, रांची राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा वैध प्रत्यायन हेतु नियत सभी पात्र अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाएगा और संस्थान समय-समय पर यथासंशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2023 में यथा निहित उपबंधों के अनुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), जैसा भी मामला हो, द्वारा वैध प्रत्यायन प्राप्त करेगा।
- xi. छात्रों के प्रवेश, छात्रों की प्रवेश क्षमता, शैक्षणिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के अनुमोदन का नवीकरण, छात्रों की प्रवेश क्षमता में संशोधन, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम शुरू करने आदि के मामले में संबंधित सांविधिक परिषदों के सभी निर्धारित मानदंड और प्रक्रियाएं प्रभावी रहेंगी और एनआईएमटी, रांची द्वारा उनका पालन किया जाएगा।
- xii. एनआईएमटी, रांची अपने संशोधित संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमों को यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान), 2023 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी /शिक्षा मंत्रालय को जून, 2024 तक प्रस्तुत करेगा। जब भी आवश्यक होगा, संस्थान प्रचलित विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपने संगम ज्ञापन/नियमों को अद्यतन या उनमें संशोधन या परिवर्तन करेगा।
- xiii. एनआईएमटी, रांची यूजीसी के नियमों एवं विनियमों और संबंधित सांविधिक परिषदों के अनुसार शुल्क संरचना का पालन करेगा।
- xiv. एनआईएमटी, रांची इस मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा जारी वार्षिक भारतीय रैंकिंग में भाग लेगा।
- xv. एनआईएमटी, रांची अनिवार्य रूप से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), अपने छात्रों की पहचान बनाएगा और उनके क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि क्रेडिट स्कोर एबीसी पोर्टल पर प्रदर्शित हों और समर्थ ई-जीओवी को अंगीकृत करेगा।

पूर्णंदु किशोर बनर्जी  
संयुक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2024

No. 5-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Kirti Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of conspicuous gallantry:—

## 1. IC-78103L MAJOR DIGVIJAY SINGH RAWAT, 21 PARA (SF)

(Effective date of Award: 26 March 2023)

Immediately on insertion in Manipur, Troop commander of 21 PARA (Special Forces), Major Digvijay Singh Rawat established an innovative and thorough intelligence network, which enabled him to map all Valley Based Insurgent Groups (VBIGs) accurately through painstaking efforts.

During an operation, Major Rawat received intelligence of VBIGs planning to target a VIP, scheduled to visit Manipur. Based on this intelligence, Major Rawat activated his source to mislead the insurgent groups towards own ambush location. The source successfully channelised the insurgent group in intended area, where, on being challenged by own party, terrorists opened heavy fire using automatic weapons. Without losing momentum and undaunted by hostile fire, Major Rawat tactfully maneuvered his party to engage the terrorists and himself crawled to a flank and eliminated one self-style Captain and injured another in a display of superlative skills. As per intelligence, self-style Major and self-style Captain were masterminds of ambush on Assam Rifles. Similarly, during another operation, the officer received intelligence of infiltration of VBIGs cadres. Using his knowledge of the area, he established close knit surveillance grid and successfully apprehended three senior cadres by physically overpowering them in a close quarter combat.

For dedication to duty, unmatched valour, raw courage and tactical acumen in challenging combat conditions, Major Digvijay Singh Rawat is awarded “KIRTI CHAKRA”.

## 2. SS-45933F MAJOR DEEPENDRA VIKRAM BASNET, 4 SIKH

(Effective date of Award: 15 June 2023)

Major Deependra Vikram Basnet was the commander of an ambush deployed in Keren sector of Kupwara district along the Line of Control on 15 June 2023. This ambush was deployed on receipt of intelligence regarding likely infiltration by a group of five terrorists.

His surveillance team spotted these terrorists and provided early warning to him. Showing outstanding presence of mind in a high pressure situation, he quickly re-adjusted his troops to trap the terrorists.

Post-midnight on 16 June 23, as the terrorists entered the ambush, he brought down heavy fire onto them. The leading terrorist, firing indiscriminately, threw grenades onto Major Deependra and his team. Realising the grave danger to his men, unmindful of his own safety, the officer crawled towards the terrorist amidst heavy fire and killed him at a close range. In the ensuing firefight, he came face to face with a second terrorist. Without second thought, he engaged this terrorist in fierce hand to hand combat and killed him with his combat knife.

He continued to resolutely control the operation and assisted in elimination of a third terrorist who was pinning down his team. The officer risked his life to safeguard his troops and ensured success of the operation. The operation eliminated five heavily armed foreign terrorists.

For planning and executing a clinical operation without own casualty, raw courage and outstanding combat leadership, Major Deependra Vikram Basnet is awarded “KIRTI CHAKRA”.

## 3. MS-20323K CAPTAIN ANSHUMAN SINGH, AMC, 26 PUNJAB (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 19 July 2023)

Captain Anshuman Singh was commissioned into the Army Medical Corps on 19 March 2020. The Officer joined 26 PUNJAB as Medical Officer for Chandan Complex under Operation MEGHDOOT.

During the night of 19th July 2023, Chandan Dropping Zone witnessed a major fire incident. The officer heard the call of fire and rushed out of his Fibre Glass Hut. He rescued 4-5 individuals from the adjacent Fibre Glass Hut which was covered in smoke and was on the verge of catching fire. He directed individuals to a safe location. Meanwhile, he noticed Medical Investigation Shelter containing medicines and other essential medical equipment has also been engulfed in raging fire. Appreciating the requirement of these life-saving medical aids, the officer, without caring for his own safety and welfare entered the Medical Investigation Shelter to retrieve these medicines and equipment, however, he could not make his way out as the flames had spread and engulfed the shelter because of high velocity winds. He could not be rescued despite repeated efforts. His mortal remains were retrieved from the shelter after the fire was doused.

Captain Anshuman Singh exhibited exceptional bravery and resolve of the highest order with utter disregard to his own safety. For his act of valour and sacrifice reflecting the finest traditions of the Indian Army, Captain Anshuman Singh is awarded “KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

## 4. 4576018L HAVILDAR PAWAN KUMAR YADAV, 21 MAHAR

(Effective date of Award: 22 June 2023)

Based on intelligence input of likely infiltration, Havildar Pawan Kumar Yadav led an Ambush team and on receipt of fresh and specific intelligence of infiltration by 4-5 terrorists, he promptly volunteered to lay ambush in a densely forested area along the LoC in Kupwara district.

He displayed indomitable courage in laying ambush in close proximity of enemy post. When his team was fired upon from a close distance, displaying intrepid nerves of steel, he voluntarily moved ahead and crawled under indiscriminate firing of terrorists despite heavily mined terrain and thick vegetation, eliminated one fleeing terrorist. Second terrorist was still on run. With total disregard for his own safety, he continued chasing second terrorist under overwhelming fire. Despite being physically exhausted, he exhibited raw courage by successfully neutralising second terrorist in hand to hand combat.

For conspicuous gallantry, intrepidity and heroism at risk of his life, above and beyond call of duty resulting in elimination of two hardcore foreign terrorists, Havildar Pawan Kumar Yadav is awarded "KIRTI CHAKRA".

## 5. 9114288Y HAVILDAR ABDUL MAJID, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 22 November 2023)

Havildar Abdul Majid was a squad commander of 9th Battalion, the Parachute Regiment (Special Forces) operating in Jammu and Kashmir since 2011.

On 22 November 2023, during a search operation in forested areas of Rajouri district, his squad moved in to evacuate Captain MV Pranjal of 63 Rashtriya Rifles Battalion who was mortally wounded due to terrorist's fire. Bringing down heavy fire to pin down the terrorists, he crawled forward and evacuated the officer to safe area and returned back to his position. Displaying exceptional tactical acumen he manoeuvred his squad near the natural cave where the terrorists were hiding and firing indiscriminately. Despite being hit by a bullet in his leg during firing and bleeding profusely, he closed in with the terrorist hiding in the cave and lobbed a grenade inside, which forced the injured terrorist to come out of the cave. Sensing danger to own troops, Havildar Majid swiftly changed his position and charged towards the terrorist killing him at close quarters before succumbing to his injuries.

For his exceptional courage, selflessness and most conspicuous gallantry while evacuating a mortally wounded officer and then neutralising a hardcore foreign terrorist, Havildar Abdul Majid is awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

## 6. 2710816W SEPOY PAWAN KUMAR, GRENADIERS, 55RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 27 February 2023)

On 27 February 2023, specific input was received regarding presence of terrorists in a village of South Kashmir's Pulwama district. Sepoy Pawan Kumar displayed exceptional tactical acumen in laying an impregnable cordon.

Sepoy Pawan Kumar led search from the front and volunteered to undertake room intervention alongwith his buddy. As he approached the first floor, hiding terrorists resorted to grenade lobbing and indiscriminate firing. Displaying operational composure, Sepoy Pawan Kumar retaliated with restraint to prevent collateral damage while preventing terrorists escape. Sensing grievous danger to his colleagues, in an act of supreme courage and indomitable spirit, he dashed ahead and engaged one terrorist in a hand to hand combat and snatched his weapon before eliminating him at very close quarters while injuring second terrorist. In this intense fire fight, Sepoy Pawan Kumar sustained fatal gunshot wounds and laid down his life in the highest traditions of Indian Army. The terrorist eliminated was identified as Category 'A', terrorist.

For displaying undaunted courage and unparalleled devotion beyond call of duty, Sepoy Pawan Kumar is awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

S.M. SAMI  
Under Secretary

No. 6-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of "Shaurya Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

## 1. IC-76640X MAJOR MANEO FRANCIS PF, 21 PARA (SF)

(Effective date of Award: 04 January 2023)

Major Maneo Francis PF, the Assault Team commander of 21 Para (SF) has been operating in Manipur since 2022. Within a short duration, he developed an immaculate intelligence network and kept close surveillance on terrorist activities in Manipur, resulting in accumulation of accurate intelligence of Valley Based Insurgent Groups.

On receipt of reliable intelligence of likely sabotage activity on a VIP, Major Francis planned an operation to foil the plan of the terrorists. Through painstaking efforts and protracted surveillance done over a long period, he identified likely crossing point of insurgent group near a Border Pillar and laid an ambush at the site. Four heavily armed personnel were moving

towards the ambush site. On being challenged, the terrorists opened heavy fire using automatic weapons. In retaliation, unmindful of personnel safety, he quickly manoeuvred and outflanked the insurgents and successfully eliminated a self-style Major, Commander of an insurgent group and injured another insurgent at close range using his superior combat skills. As per intelligence, self-style Major and self-style Captain were masterminds of ambush on Assam Rifles. He continued engaging the remaining insurgents who were following the leading four thus ensuring safety of his men.

Major Francis' resolute leadership, raw courage under fire and precise intelligence foiled a major insurgent attack as confirmed from the recoveries. For meticulous planning, selfless and gallant act, Major Maneo Francis PF is awarded "SHAURYA CHAKRA".

2. SS-47915X MAJOR AMANDEEP JAKHAR, 4 SIKH

(Effective date of Award: 15 June 2023)

Major Amandeep Jakhar was part of cut-off group of an ambush deployed in Keren sector of Kupwara district along the Line of Control on 15 June 2023. This ambush was deployed on receipt of intelligence regarding likely infiltration by a group of five terrorists.

On 16 June 2023, as the ambush was sprung, two terrorists tried to escape while firing indiscriminately towards the officer and his team. Major Amandeep, despite being under heavy fire, tactically pursued these two terrorists. In this action, he came face to face with one terrorist whom he killed in fierce hand to hand combat. Another terrorist had taken cover behind a tree and brought down heavy automatic and grenade fire. Sensing grave danger to his troops, Major Amandeep unmindful of his personal safety, moved closer to this terrorist to draw him out of cover. As the terrorist took aimed fire onto the officer and got exposed, his buddy eliminated this terrorist.

The officer put his own life at risk to save his troops and ensured that the operation was a success. The operation resulted in elimination of five heavily armed foreign terrorists.

For displaying raw courage, leading his men from front and outstanding decision making under a combat situation, Major Amandeep Jakhar is awarded "SHAURYA CHAKRA".

3. IC-83609N CAPTAIN MV PRANJAL, SIG, 63 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 22 November 2023)

On 22 November 2023, based on information about presence of terrorist in forested areas of Rajouri district, Captain M V Pranjal was leading a small team surveillance operation in an area which also included presence of civilian consisting women and children.

While maintaining stealth under cover, he spotted movement of two terrorists, who too spotted him and opened fire. Sensing danger to the women and children, disregarding his own safety, he rushed out and pushed them out of danger and simultaneously engaged the terrorists from minimum cover. Despite his team size and heavy fire, he continued maintaining contact with the terrorists till arrival of additional troops. In the process, he succumbed to a fatal gunshot wound.

The unflinching bravery displayed while saving the lives of civilians and sustaining contact with the terrorists leading to their elimination has been exemplary. The terrorists eliminated were identified as masterminds behind the killing of civilians and targeting of security forces in the region. The operation dealt a decisive blow on the terrorists in the area.

For displaying unparalleled and selfless courage under fire in the highest traditions of the Indian Army, Captain M V Pranjal is awarded "SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)".

4. IC-86211K CAPTAIN AKSHAT UPADHYAY, 20 JAT

(Effective date of Award: 27 May 2023)

On the intervening night of 27-28 May 2023, Captain Akshat Upadhyay and his party established a temporary operating base. At 0300 hr he observed one house catching fire at a distance in the village and also noticed movement of a large mob towards the village. Captain Akshat Upadhyay deployed his party tactically and ordered to fire illumination round for better observation. As soon as illumination round was fired, his party came under effective heavy automatic fire from the direction of the burning house. Under heavy fire Captain Akshat Upadhyay immediately moved tactically and led his team towards the rear of the mob. He warned the mob not to burn the houses but he was again fired upon. Captain Akshat Upadhyay retaliated the fire thus eliminating four insurgents and apprehending five along with war like stores. The action forced the remaining mob to disperse thus saving the village and lives of 200 villagers.

For this act of exceptional courage, unparalleled bravery under heavy fire in utter disregard to his personal safety, highest standards of tactical acumen, swift and resolute action in a challenging situation, Captain Akshat Upadhyay is awarded "SHAURYA CHAKRA".

5. JC-573009A NAIB SUBEDAR BARIA SANJAY KUMAR BHAMAR SINH, 21 MAHAR

(Effective date of Award: 12 June 2023)

Based on intelligence inputs from various agencies of a likely infiltration, Naib Subedar Baria Sanjay Kumar Bhamar Sinh was part of an ambush since 12th June 2023. He kept his team motivated even after 11 days when contact was not imminent. On 22nd June, when the ambush was called off for rest and recoup, specific intelligence input of infiltration by 4-5 terrorists was received. Though physically drained and exhausted, he volunteered to be part of the ambush in General Area Kala Jungle.

At 23 Jun 2023, when terrorists came within effective firing range but could not be engaged due to the defiladed position of the ground, he volunteered to move ahead to establish contact with the terrorists. Displaying intrepid nerves of steel, he took immediate control of the situation and co-ordinated effective, swift and aggressive retaliatory fire towards the terrorist group and moved in heavily mined terrain with undulating ground and thick vegetation. With total disregard to his own safety he continued engaging terrorists under overwhelming fire neutralising one hard core terrorist.

For displaying indomitable courage and devotion beyond call of duty resulting in elimination of one hardcore terrorist, Naib Subedar Baria Sanjay Kumar Bhamar Sinh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

6. G/95821X HAVILDAR SANJAY KUMAR, 9 ASSAM RIFLES

(Effective date of Award: 13 May 2023)

On 13 May 2023, Havildar Sanjay Kumar received an input pertaining to presence of four armed insurgents.

At 1100 hours a column was launched under one Officer and at around 1230 hours column reached the general area. Havildar Sanjay Kumar spotted two armed insurgents at short distance (08 Meters) and challenged them but the armed insurgents with their automatic weapon opened fire on him. Havildar Sanjay Kumar was hit by a bullet on his right calf however, the individual showing utter disregard to his personal safety, displayed raw courage and tactical acumen and quickly deployed his Light Machine Gun at a dominating height having great knowledge of terrain. The Non Commissioned Officer ensured that his section does not come under effective fire while pinning the armed insurgent down. In this exchange of heavy automatic fire, he ensured the safety of his entire column even while being injured.

For his humane act and selfless service and unflinching bravery under cross firing with armed insurgents, Havildar Sanjay Kumar is awarded "SHAURYA CHAKRA".

7. G/5031618P RIFLEMAN ALOK RAO, 18 ASSAM RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 03 May 2023)

On 03 May 2023, ethnic riots erupted in Manipur and the situation quickly deteriorated in the entire state. To control the worsening situation, columns of 18 Assam Rifles were deployed. Rifleman Alok Rao was part of an Internal Security column deployed in the most sensitive area in the district. The Column was tasked to occupy a highest tactical feature overlooking the villages involved in violent activities.

On 10 May 2023, Rifleman Alok Rao was deployed in the Light Machine Gun Bunker. At around 1130 hours, 10 - 12 suspected armed insurgents were seen moving to his position. Rifleman Alok Rao realising an imminent danger to his position and to his colleagues, challenged the armed group who opened fire without warning. He therefore effectively returned fire in which two/three insurgents sustained injuries and were forced to flee, thereby saving his colleagues. However, in the ensuing firing Rifleman Alok Rao also sustained a gunshot wound and was evacuated to Military Hospital wherein he succumbed to his injuries.

For his exemplary courage, bravery, and immaculate application of intelligence during operation, and utter disregard to his personnel safety, Rifleman Alok Rao is awarded "SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)".

8. SHRI PARSHOTAM KUMAR, C/O 63 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 05 August 2023)

Shri Parshotam Kumar, resident of district Rajouri is a farmer by profession and Village Defence Committee Member. He is a go getter with a panache of service to the nation ingrained in him and has been responsible for ensuring the safety and security of his village.

In August 2023, while in the jungle with his family, collecting fire wood, he spotted two suspicious armed individuals with rucksacks resting in close vicinity to his location. Realizing the imminent danger to the village, he quietly moved his family members to safety of their house and fetched his weapon while also alerting other members of Village Defence Committee, Police and the Army. While the forces were closing in, unmindful of his safety, he tailed the two terrorists and with raw courage and excellent field craft, he closed in to the terrorists and engaged them from a close distance. He maintained contact with the other till security forces closed in. His brave act led to the neutralization of one foreign terrorist.

For displaying astute patriotism, courage and heroism under fire Shri Parshotam Kumar for his inspirational act of valour is awarded "SHAURYA CHAKRA".

## 9. 09883-K LT BIMAL RANJAN BEHERA

(Effective date of Award: 06 Mar 2023)

On 06 Mar 23 ONGC reported an operational emergency and sought IN's diving assistance urgently. Armada Sterling V, a Fuel Production Storage and Offloading (FPSO) vessel deployed off Kakinada for a major offshore development project, critical for the nation's Energy Security, had to abruptly suspend operations due to entanglement of fishing nets at the Fuel Extraction Mechanism/ turret area. Lt Bimal Ranjan Behera was part of the Diving team deployed to render assistance.

At the FPSO, a vertical dive of 18 feet to bilge keel followed by horizontal dive of 100 feet athwart ships was required to reach the turret to restore operations. The underwater conditions were perilous. The vessel's complex u/w fitments, menacing currents, sharp barnacles and the bulbous bow presented a ferocious waterbody. Diving to depths of even few feet was gravely risky. Divers were unable to merely stabilise. Lt Bimal Ranjan Behera stepped up fearlessly as lead diver. At about 1000h on 12 Mar 23 as soon as the officer dived, the waters brutally assaulted him, throwing him bodily aft leaving him instantly breathless. The officer gallantly fought against these ruthless waters and descended 18 feet to reach the bilge keel. Without respite the officer continued diving. As the enormous turbulence swirled and pushed, he precariously hung onto the bottom chain, hauled himself and the long umbilical, advancing barely few inches at a time, and successfully reached the turret area traversing 100 feet athwart ships. Fighting complete exhaustion, the officer extricated the nets around turret and cleared the bell mouths one by one. Realising that orienting and clearing the turret by another diver would be risky, the officer shouldered bulk of diving efforts himself during this gruelling diving operation. He repeatedly dived 16 times for 552 minutes in two phases, negotiating the complex underwater fitments as also the sharp cuts inflicted by barnacles and cleared the nets around the turret. Subsequently, braving the whirlpools, the officer dived and videographed under the turret. This offered an accurate underwater picture. The complex Fuel Extraction Equipment was extricated of the nets and seamless installation of additional underwater fuel lines was enabled.

For the officer's selfless act and raw courage with utter disregard to personal safety in an extremely hostile diving operation which brought to closure ONGC's operational emergency, Lt Bimal Ranjan Behera is awarded "SHAURYA CHAKRA".

## 10. 29507 WING COMMANDER SHAILESH SINGH, FLYING (PILOT)

(Effective date of Award: 11 February, 2023)

Wing Commander Shailesh Singh (29507) was commissioned in Flying (Pilot) branch of Indian Air Force as a helicopter pilot on 16 Jun 07.

He was detailed to fly the No. 2 helicopter in the lead formation of a very audacious and daring Special Heliborne Operation, targeting Anti National Elements in the core of their highly guarded location. On D-day, the mission required flying at ultra-low level in thickly forested area with troops on board and to insert them in a small clearing with tall trees around for storming ops. The unfamiliarity and high probability of hostile firing from ground made the task even more daunting. As he approached the landing zone with 24 troops on board, the helicopter came under intense firing by automatic weapons from all directions. Displaying immaculate presence of mind, he immediately ordered retaliatory fire which inflicted heavy damage to the hostile elements. Displaying exceptional courage, he skilfully carried out evasive manoeuvres from firing zone. His aircraft sustained 35 bullet hit marks causing damage to critical systems and injuring six troops, including the flight engineer in the cockpit. The bullet hits damaged the left fuel transfer pump and the flight gunner reported heavy leak in the cargo compartment. There was heavy fuel leak inside the helicopter with an imminent threat of fire and explosion. Shortly afterwards, the other fuel transfer pump also failed and the fuel dropped to critical levels. Undeterred and unfazed, he remained calm and focussed and took timely decision to divert to the nearest helipad at a distance of 22 kms and recovered the helicopter and all personnel safely.

For act of exceptional courage, displaying indomitable valour and exemplary gallantry beyond call of duty, Wing Commander Shailesh Singh is awarded 'SHAURYA CHAKRA'.

## 11. 36810 FLIGHT LIEUTENANT HRISHIKESH JAYAN KARUTHEDATH, FLYING (PILOT)

(Effective date of Award: 24 May, 2023)

Flight Lieutenant Hrishikesh Jayan Karuthedath (36810) was commissioned in the Flying (Pilot) branch of the Indian Air Force on 20 June 2020.

On 24 May 2023, he was detailed to fly on a Routine Transport Role mission as captain from Pathankot to Delhi in a Do-228 aircraft with two ground crew on-board. On final approach course, while selecting the landing gear down, three greens were not obtained and hydraulic pressure was reading zero. In face of a grave situation endangering the aircraft and its occupants, he maintained his composure, correctly identified the emergency and promptly carried out go around actions. Understanding the dense traffic situation at Delhi International airport, he decided to proceed to Hindan airfield for visual inspection of the landing gear. On carrying out all actions as per Pilot Operating Handbook and selecting landing gear with emergency means, the three greens were not obtained. Amidst this rapidly deteriorating situation in air, he displayed exceptional courage and situational awareness and decided to carry out a belly landing after burning additional fuel. Despite his limited experience, he took control of the situation, displayed excellent Crew Resource Management and directed his co-pilot to take

any additional inputs for lowering landing gears from the supervisor available on ground through Radio Telephony while he continued to fly the aircraft accurately. Having decided to belly land on Hindan runway, he displayed flawless crew coordination and spatial orientation to execute a perfect belly landing at dusk time. He stopped the aircraft on the runway centerline, ordered a quick exit and ensured safe evacuation of the crew from the aircraft.

For an act of exceptional courage, displaying indomitable valour and exemplary gallantry beyond call of duty, Flight Lieutenant Hrishikesh Jayan Karuthedath is awarded of 'SHAURYA CHAKRA'.

12. 11225 ASSISTANT COMMANDANT BIBHOR KUMAR SINGH, 205 COBRA, CRPF

(Effective date of Award: 25 February, 2022)

On 25 Feb 22, based on an int input, about the presence of an armed group of Naxals in the strong-hold area in Chhakarbandha forest area around Langorahi, Pachrukhiya, Brahamdev Bathan, Kariba Dhoba, Bandi & Doodhjagra pahar PS Madanpur, Distt Aurangabad, Bihar, a special SADO was launched by 205 CoBRA, 47 CRPF and Bihar Police.

Team No. 01, 02 & 10 of 205 CoBRA along with A Coy of 47 CRPF, were tasked to hit the target area at about 1100 hrs. At about 1455 hrs, as per the plan, the troops of 47 CRPF, Team No. 10 under command Sh Varinder Pal Singh, DC, along with Team No. 01 under command Sh Aneesh A S, AC, and Team No. 02, under command of Sh Bibhor Kumar Singh, AC, proceeded towards Kariba Dhoba strategically. Sh Varinder Pal Singh, DC, conducted a thorough analysis of the terrain, taking into account the modus operandi of the Naxals and the presence of IEDs in the area. Further, it was decided to cover the target from two directions, dividing the troops into two groups. Negotiating through challenging obstacles such as big boulders, scrubs, and nallahs, the troops bravely ascended towards the summit of the target hillock. Team No 10 proceeded to negotiate the hillock of Kariba Dhoba, Team No. 01 and Team No. 02 was assigned the task of searching and sanitizing the foothills of the target. In the course of negotiating the summit, as the Team No. 10 moved further towards the hill top and were about to reach the target, at about 1630 hrs, the Naxals opened heavy volume of indiscriminate fire on the troops of Team No. 10 from dominating heights. Amidst the life-threatening situation and seeing Team No. 10 coming under heavy fire of the Maoists, Sh Aneesh A S, AC, along with his team, courageously advanced to provide support from the left flank. Ct/GD Md Kajal Shaikh, a skilled BDDS member, swiftly and effectively sanitized the heavily mined area, ensuring a safe passage for the troops to advance. However, the relentless indiscriminate fire from the Naxals posed a significant challenge to their advance. In a remarkable display of leadership and tactical acumen, Sh Aneesh A S, AC, mobilized his team and moved forward with his buddy and scout group, engaging the Naxals concealed behind large and sturdy boulders up ahead. Despite the valiant retaliation by commanders and troops near the hilltop's foothill, the intense firing from the Naxals' well-fortified position prevented the further advance of the troops. Recognizing the deadlock caused by the heavy and indiscriminate fire from the left side of the hilltop and considering the approaching dusk, Sh Aneesh A S, AC, took decisive action and directed Sh Bibhor Kumar Singh, AC, to provide flanking support to break through the impasse.

In response to the situation, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, demonstrated unwavering determination and fearlessness. Along with his team consisting of HC/RO Surendra Kumar Yadav, and others, he proceeded from the right side to provide flanking support to Team No 01, which was trapped near the hilltop's foothill. They advanced by crawling and firing towards the Naxals, displaying great courage and selflessness despite the imminent danger. However, the Naxals remained entrenched behind secure covers of boulders and trees, and their defenses were further bolstered by strategically placed command and pressure IEDs. Assessing the critical and hazardous situation and prioritizing the safety of his team, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, and HC/RO Surender Kumar Yadav continued to advance and fire relentlessly, putting their own life at risk. To counter the Naxals attack, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, took bold action and directed to fire UBGL at the Naxal positions. Their audacious action caused the collapse of the Naxals' fortifications, shattering their morale and instilling fear, leading to their retreat from the encounter site. As the Naxals retreated, they continued firing incessantly upon the troops, using the cover of boulders and trees to evade capture. During the strong counter offensive attack against the Naxals, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, along with HC/RO Surendra Kumar Yadav and HC/GD Suman Kumar Pandey, came under the impact of IED blast triggered by the Naxals. As a result, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, and HC/RO Surendra Kumar Yadav sustained severe and critical injuries. Despite the gravity of the wounds, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, displayed remarkable bravery and continued to lead and direct his troops with unwavering determination, even in the face of a life-threatening situation. Notwithstanding his critical condition, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, fearlessly, exemplified extraordinary valor, courage, and strength, even after losing his left foot. Undeterred by his impaired mobility, he maintained his firing position behind cover and continued to provide covering fire to support his troop's further advancement. The realization of being critically injured and the sight of oozing blood could disorient anyone, but Sh Bibhor Kumar Singh, AC, valiantly kept on leading and directing his troops with his indomitable will, regardless of his personal safety. Despite unimaginable pain and agony, he ensured zero vacuums in command and control, and continued to give vital directions to the troops effectively. The unparalleled leadership and unwavering resolve of Sh Bibhor Kumar Singh, AC, served as a tremendous inspiration to all those around him. Bravery and tenacity displayed by Sh Bibhor Kumar Singh, AC, in the face of adversity left an indelible mark on all who witnessed his courageous actions. Despite facing severe odds, Sh Bibhor Kumar Singh, AC, displayed unwavering courage, a deep commitment that went beyond the call of duty, and exemplary leadership, even in the face of imminent danger. With death staring him in the eyes, he fearlessly led his men, inspiring them to launch a synchronized and spirited offensive that compelled the Naxals to retreat. As a result of their courageous efforts, the troops of 205 CoBRA successfully reached the hilltop and gained control of the dominating position. As a result, the Naxals were compelled to fall back, but while retreating they

continued to fire intermittently. In retaliation, the troops of 205 CoBRA responded with a strong counter attack and their brave actions and collective effort turned the tide, forcing the Naxals to retreat resulting in securing the hilltop by the forces. The remarkable determination and leadership of Sh Bibhor Kumar Singh, AC, along with the unwavering resolve of the troops, ensured the success of the operation, despite the challenging circumstances. During the operation, large quantities of IED making materials were recovered from the incident site.

In recognition of his extreme valour and exemplary determination, in the face of imminent threat, despite grievous injuries; Sh Bibhor Kumar Singh, AC of 205 CoBRA is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

13. JKPS116050 DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE MOHAN LAL, J&K POLICE

(Effective date of Award: 14 June, 2022)

On 14.06.2022 a specific input was received from an asset of (PC) Srinagar regarding movement/presence of unknown terrorist/s carrying illegal arms/ammunition in Bemina area of District Srinagar. It was also revealed that the terrorist/s have plans to carry out fidayeen attack type activity on NHW from Pantha Chowk Parimpora axis by attacking police/ SFs/ convoy/ deployment in the wake of the Shri Amarnath Ji Yatra 2022. Acting on the tip-off and to get the positive location/proper identification of the terrorist/s, immediately Police teams of District Srinagar/ Police Component Srinagar were constituted and deployed to the area so that action into the matter is taken into the matter without any collateral damage.

In order to chase the terrorist/s, avoid any untoward incident and to take appropriate action, a small team led by DySP Mohan Lal Police Component, Srinagar established a special Naka at JVC Bemina Bypass, Srinagar. The officer alongwith his buddies positioned at the front of ambush party so as to cover up the most possible route which was leading to nearby the SKIMS Bemina (JVC) which always remains abuzz of patients and their attendants besides common civilian. The installation could have been exploited by terrorist/s to escape or to carry-out their nefarious designs after confronting with the police party. The terrorist/s being a ‘fidayeen squad’ when reached near the naka/ambush, resorted to indiscriminate firing on the naka party and ran towards the nearby build-up area flanked by the Government hospital on one side and a CRPF Camp on the other side. DySP Mohan Lal alongwith his buddies kept on advancing towards the targeted area amid operational tactics and soon after the officer and his buddy reached closer, the hiding terrorists suspected their movement and lobbed grenades amid indiscriminate firing towards the officer and his buddy resulting into multiple splinter injuries to the officer. However, the officer while displaying incomparable bravery & uncommon courage and without caring for his life even after getting injured removed his buddy from the firing area. Further leading his team from the front amid displaying exemplary leadership, the officer DySP Mohan Lal remained firm and showed nerves of steel. In order to restrict the movement of terrorists towards the Government hospital where civilian, patients/attendants including women and children were present and to avoid any hostage like situation at the said installation, the officer challenged the terrorists. The terrorists in retaliation opened indiscriminate fire besides lobbed grenades towards the officer. The officer, sensing imminent threat to the lives of civilians, kept on advancing in the volley of fire, without caring for his personal life and displaying indomitable courage and neutralized 01 terrorist in a face of gunfight from very close range with his personal weapon and inflicting injuries to the 2nd terrorist. The identification of the eliminated terrorist was later on revealed as terrorist Commander “Rahi Bhai @ Abdullah Gojri, R/o Pakistan an “A+” category terrorist of LeT outfit”. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 52/2022 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act; 16, 18, 38 ULA(P) Act stands registered in Police Station Bemina, Srinagar for further investigation. DySP Mohan Lal while displaying uncommon courage approached toward the nearby area leading his small team where the 2nd terrorist had taken refuge under behind a cemented structure after being injured. Noticing the movement of police team, the terrorist fired opened indiscriminate firing besides lobbing grenades resulting into injuries to some other personnel. At this stage, sensing imminent threat to the lives of his team members, Shri Mohan Lal-JKPS, DySP PC Srinagar without caring for his life left his cover and advanced bravely towards the terrorist and neutralized him with his assault rifle from a very close range. The identification of the said eliminated terrorist was later on revealed as “Adil Hussain Mir @ Musaib S/o Altaf Hussain Mir R/o Liver Srigufwara Anantnag, a Pakistan trained “B” category terrorist of LeT outfit. These eliminated terrorists were involved in a number of terror attacks in the valley. The operation was concluded without any collateral damage and elimination of these terrorists is a big jolt to LeT terrorist network in South/Central Kashmir Range.

The instant anti-terrorist operation at Bemina near JVC Srinagar, falling within the J/D of P/S Bemina was one of the most daunting and challenging owing to presence of terrorists in a very critical location adjacent to 02 sensitive installations viz; Government Hospital on one side and CRPF Camp on other side. The police team headed by DySP Mohan Lal besides ensuring the safety of civilians inside the Government Hospital & the people residing in nearby area and the CRPF installation in-spite-of continued uncertainty during the operation remained undeterred and firm in action on forefront and ensured safety of civilians. The achievement in neutralizing the dreaded terrorists of LeT outfit could be attributed to the tremendous grit, determination, exemplary valour and never-say-die-spirit of DySP Mohan Lal. The whole operation concluded successfully without any collateral damage due to exceptional and conspicuous bravery, commitment to duty, indomitable will and passion displayed by the officer to succeed and uphold the honour and integrity of the nation in the face of heavy odds. For display of incomparable bravery, indomitable courage, exemplary leadership, courage under fire, tactical acumen and unparalleled esprit-de-corps under most challenging and rarest of the rare circumstances (in the face of enemy) DySP Mohan Lal JKPS116050 is awarded “SHAURYA CHAKRA”.



## 14. EXK022280 SUB INSPECTOR AMIT RAINA, J&amp;K POLICE

(Effective date of Award: 03 January, 2022)

On 03.01.2022 a specific input was received from reliable sources to the effect that some unknown terrorists possessing illegal arms/ammunition are hiding in a house of Manzoor Ahmad Dar S/o Abdul Ahad Dar R/o Wanihama Batpora at Dar Mohalla Wanihama Srinagar area of District Srinagar with the intention to attack Police/ SFs within the city Srinagar. In order to get the positive location/proper identification of the terrorists, immediately police teams of District Srinagar/ Police Component Srinagar/ Valley QAT CRPF/ 24 RR were constituted to identify the exact location and to neutralize the terrorists without any collateral damage. The teams so-constituted started intensified the searches in the said area and succeeded in the zeroing of the house wherein the terrorist was hiding. In the meantime, the identified target house was encircled by the advance party.

It was learnt that LeT commander Hafiz @ Hamza @ Abu Ukasha R/o Pak category “A” is present inside the target house. The teams of Police Component Srinagar, Valley QRT and Army (24-RR) discussed and prepared the plan for launching an operation in the said area. After proper planning, it was decided that to conceal the identity and maintain surprise, a small team consisting of Police Component Srinagar, Valley QRT and Army (24-RR) will launch operation in the area. One small team headed by SI Amit Raina of Police Component Srinagar alongwith his buddy covered the house from rear side and another small team from front side. SI Amit Raina EXK022280 along with his buddy identified and located the target house and placed initial cordon. The houses inside the cordon were separated by either high tin sheets or high boundary walls which caused a lot of problems for the personnel to move from one house to another by crossing these barriers under constant threat from the terrorist/s. Despite the challenges, he maintained the surprise and reached close to the target house.

The officer and his buddy positioned themselves to cover the most likely escape root of the terrorist/s and also evacuated civilians to the safer places earlier and also leading his team from the front and remained firm displaying steel nerves while advancing the target house. During the course, the hiding terrorist noticed the presence of personnel and lobbed grenades during which they had narrow escape and displaying utmost courage in the face of enemy, responded with controlled fire making the terrorist to run in another direction. Finding him trapped from other side also as the 2nd team of Police Component, Valley QRT/Army (24 RR) cornered the terrorist from other side of the house, the terrorist ran to take cover and took cover behind a cemented structure and boundary walls of the target house and started firing indiscriminately. He kept on engaging the terrorist and moved close to terrorist and in close proximity, the terrorist fired heavily towards them which was effectively retaliated and made him run for life. The other team of Police Component Srinagar, Valley QRT/Army (24-RR) also retaliated, inflicting injuries to terrorist. Both the officials on realising that the terrorist was injured prompting him to decide to eliminate the terrorist. He left his cover without caring for his life, advanced towards the terrorist and in a face-to-face gunfight with terrorist, the terrorist was neutralized. Later on, the dead body of the killed terrorist was recovered from the scene of encounter whose identity was ascertained as foreign terrorist namely Hafiz @ Hamza @ Abu Ukasha R/o Pak, an “A” category categorized terrorist of LeT outfit. A Case FIR No. 02/2022 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act and 13, 16, 18, 20, 38 ULAP Act stands registered in Police Station Zakoora Srinagar for further investigation.

SI Amit Raina EXK022280 not only took front in elimination of the LeT Commander but also due to display of his exceptional and conspicuous bravery, indomitable will, passion to succeed and uphold the honour and integrity of the nation in the face of heavy odds and professional tactics attributed to the tremendous grit, determination and exemplary valour because of which the whole operation concluded successfully. In view of above, SI Amit Raina EXK022280 is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

## 15. ARP995924 SUB INSPECTOR FAROZ AHMAD DAR, J&amp;K POLICE

(Effective date of Award: 03 January, 2022)

On 03.01.2022 at around 1420 hours a specific input was received from reliable sources to the effect that terrorists possessing illegal arms/ammunition are roaming in a Shalimar Garden of District Srinagar. In order to get the proper identification of the terrorist immediately police teams of District Srinagar/ Police Component Srinagar/ Valley QAT CRPF were constituted to identify the exact location and to neutralize the terrorist without any collateral damage.

It was learnt that LeT Commander Mohammad Saleem Parray “A++ category” is present inside the Shalimar Garden. Saleem Parray @ Billa was also known as Throat-slitter and was responsible for killing 12 civilians and martyring 05 J&K Police personnel and 01 CRPF person beside injuring many. The teams of SOG Srinagar and valley QRT discussed the plan for launching an operation inside the garden. It was well known that Saleem Parray had escaped from number of operations in past also. After proper planning it was decided that to conceal the identity and maintain surprise small teams consisting of SOG and Valley QRT will launch covert operation in civvies inside the garden. One small team headed by SI Faroz Ahmad Dar ARP995924 entered the garden from front side and another small team of SOG and Valley QRT from back side. The garden was full of civilians mostly women and children. The population of the civilian inside the garden was dense towards the starting and was thin towards the end. SI Faroz Ahmad Dar alongwith his buddy identified and located the position of the terrorist towards the end of the garden and advanced towards the terrorist, sensing the presence of troops and the terrorist took out his weapon. SI Faroz Ahmad Dar asked the terrorist to drop his weapon and surrender but he opened indiscriminate firing upon them and began running. However, the police party immediately took laying position and has a miraculous escape.

SI Faroz Ahmad Dar displaying utmost courage in the face of enemy responded with controlled fire making the terrorist to run in another direction. Finding himself trapped from other side also as the 2nd team of SOG Srinagar and Valley QRT cornered the terrorist from other side, the terrorist ran to take cover. The dreaded terrorist took an advantageous position between a cemented structure and a tree with big trunk and started firing indiscriminately. He finding civilians mostly women and children under imminent threat of life left his cover amid the bullets fired by the terrorist and asked his buddy to give cover fire and without caring for his life moved towards the civilians and while reaching close to the civilians, shifted them to a concrete structure towards the centre of the garden. After shifting the civilians to a safer place, he alongwith another team decided to eliminate the terrorist at the earliest. SI Faroz Ahma Dar realized that terrorist is injured and decided to eliminate the terrorist, he left his cover without caring for his life advanced towards the terrorist and in a face to face gun fight with the terrorist neutralized him. Later on, the dead body of the killed terrorist was recovered from the scene of encounter and his identity was ascertained as Mohammad Saleem Parray @ Billa S/o Ghulam Mohammad Parray R/o Khan Mohalla Hajin, Bandipora “A++ Categorized” terrorist of LeT Outfit alongwith recovery of arms/ammunition. A case FIR No. 02/2022 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act 13, 16, 18, ULAP Act stands registered in Police Station Harwan Srinagar for further investigation.

The operation was concluded without any collateral damage and the elimination of the said terrorists is a big jolt to the LeT terrorist network in South/Central Kashmir Range. The above mentioned neutralized terrorist was also involved in a number of terrorist related activities/ attacks in the valley. SI Faroz Ahmad Dar not only took front in elimination of the LeT Commander but also displayed his exceptional and conspicuous bravery, indomitable will, passion to succeed and uphold the honour and integrity of the nation in the face of heavy odds and professional tactics attributed to the tremendous grit, determination and exemplary valour because of which the whole operation concluded successfully. In view of above, SI Faroz Ahmad Dar ARP995924 is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

16. ARP182381 CONSTABLE VARUN SINGH, J&K POLICE

(Effective date of Award: 12 June, 2022)

On 12.06.2022, a specific input was gleaned from reliable sources to the effect that some unknown terrorists carrying illegal arms/ ammunition are hiding in Chonchi Fakeer locality of Sangam area of District Srinagar and have plans to carryout an attack on police/SFs in city Srinagar. Immediately, teams of local Police Srinagar/PC Srinagar were constituted and CASO was launched in the area. While the CASO was being launched in target locality Chonchi Faqeer, Sangam Srinagar, terrorists hurled grenades amid indiscriminate firing upon the police parties with the intention to kill and escapee from the area. During the course of Cordon & Search Operation (CASO), terrorist/s smelled presence of Police parties opened indiscriminate firing & hurled grenades in order to manage escape from the area but the Police parties while taking all the precautions as per the SOPs, retaliated the fire bravely & effectively without caring for their personal lives.

Meanwhile, Ct. Varun Singh ARP182381 alongwith his team located the suspect in the locality and approached towards the terrorist from his side. While the terrorist sensing presence of personnel towards him resorted to fire upon Ct. Varun Singh and his buddies. However, the official swiftly pulled down himself and his buddy down to lying position and this way Ct. Varun Singh and his buddy had a narrow escape. Meantime, Ct. Varun Singh retaliated and caused fire injury in the leg of running terrorist. During the course, Ct. Varun Singh, decided to eliminate the terrorist at the earliest and he cornered the terrorist from his side who was taking cover behind the trees and in the exchange of the fire, dreaded terrorist was neutralized. The dead body of the killed terrorist was recovered from the scene of encounter and later on identified as “Adil Ahmad Parray @ Abu Baker S/O Habibullah Parray R/O Khan Mohalla Baderkund (Badergund) Ganderbal”, an A-Category terrorist of LeT/ TRF outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of neutralized terrorist at the scene of encounter. Case FIR No. 22/2022 U/S 307 IPC; 7/27 Arms Act, 16, 18, 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Sangam, Srinagar for further investigation. The said terrorist was involved in number of terrorist activity which took place in the Valley. The operation was concluded without any collateral damage and elimination of the terrorist is a big jolt to the LeT/ TRF terrorist network in Central Kashmir Range.

Ct. Varun Singh ARP182381 not only took front in elimination of the LeT/TRF commander but also due to display of his exceptional and conspicuous bravery, indomitable will and professional tactics attributed to the tremendous grit, determination and exemplary, whole operation concluded successfully. For display of conspicuous, exemplary courage, under fire, and never-say-die-spirit under most challenging circumstances, Ct. Varun Singh ARP182381 is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 7-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Param Vishisht Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of the most exceptional order:—

1. IC-42273K LIEUTENANT GENERAL BASANT KUMAR REPSWAL, AVSM, VSM, THE ARMY SERVICE CORPS
2. IC-42298W LIEUTENANT GENERAL UPENDRA DWIVEDI, AVSM, THE INFANTRY
3. IC-42336F LIEUTENANT GENERAL AJAI KUMAR SINGH, AVSM, YSM, SM, VSM, THE INFANTRY

4. IC-42387P LIEUTENANT GENERAL SURINDER SINGH MAHAL, AVSM, VSM, THE ARMoured CORPS (RETD)
5. IC-42390P LIEUTENANT GENERAL MADHAVAN UNNIKRISHNAN NAIR, AVSM, SM, THE CORPS OF SIGNALS
6. IC-42794X LIEUTENANT GENERAL MV SUCHINDRA KUMAR, AVSM, YSM\*\*, VSM, THE INFANTRY
7. IC-43245K LIEUTENANT GENERAL NS RAJA SUBRAMANI, AVSM, SM, VSM, THE INFANTRY
8. IC-43252A LIEUTENANT GENERAL KULBHUSHAN HANUMANT GAWAS, VSM, THE CORPS OF SIGNALS
9. IC-43262K LIEUTENANT GENERAL ARUN ANANTHANARAYAN, YSM, SM, VSM, THE INFANTRY
10. IC-43285L LIEUTENANT GENERAL DEVENDRA PRATAP PANDEY, UYSM, AVSM, VSM, THE INFANTRY
11. IC-43295P LIEUTENANT GENERAL RAVIN KHOSLA, UYSM, AVSM, SM, VSM, THE INFANTRY (RETD)
12. IC-43370N LIEUTENANT GENERAL JOHNSON P MATHEW, UYSM, AVSM, VSM, THE INFANTRY
13. IC-43444X LIEUTENANT GENERAL P GOPALAKRISHNA MENON, UYSM, AVSM, THE INFANTRY
14. IC-43684P LIEUTENANT GENERAL JAGDISH BALIRAM CHAUDHARI, SM, VSM, THE BRIGADE OF THE GUARDS
15. IC-43710L LIEUTENANT GENERAL TARUN KUMAR AICH, AVSM, THE INFANTRY
16. IC-43771H LIEUTENANT GENERAL SUBRAMANIAN MOHAN, AVSM, SM, VSM, THE ARMY AIR DEFENCE
17. IC-43796P LIEUTENANT GENERAL SAMIR GUPTA, VSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
18. IC-44504N LIEUTENANT GENERAL GURBIRPAL SINGH, AVSM, VSM, THE INFANTRY
19. MR-04902M LIEUTENANT GENERAL ASHOK KUMAR JINDAL, AVSM, YSM, THE ARMY MEDICAL CORPS (RETD)
20. MR-05712M LIEUTENANT GENERAL AJITH NILAKANTAN, THE ARMY MEDICAL CORPS
21. IC-44038K MAJOR GENERAL HARIHARAN DHARMARAJAN, AVSM, SM\*\*, VSM, THE CORPS OF ENGINEERS
22. IC-44473Y MAJOR GENERAL RAVI MURUGAN, AVSM, THE BRIGADE OF THE GUARDS
23. 02904Z VICE ADMIRAL DINESH KUMAR TRIPATHI, AVSM, NM
24. 50884W VICE ADMIRAL SANDEEP NAITHANI, AVSM, VSM (RETD)
25. 02797F VICE ADMIRAL SANJAY MAHINDRU, AVSM, NM (RETD)
26. 17358 AIR MARSHAL CHALAPATI JONNALAGEDDA, AVSM, VSM, ADC FLYING (PILOT) (RETD)
27. 17647 AIR MARSHAL VIBHAS PANDE, AVSM, VSM, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
28. 17699 AIR MARSHAL VIKRAM SINGH, AVSM, VSM, FLYING (PILOT) (RETD)
29. 17726 AIR MARSHAL B CHANDRA SEKHAR, AVSM, FLYING (PILOT) (RETD)
30. 17853 AIR MARSHAL R RADHISH, AVSM, VM, FLYING (PILOT)
31. 18253 AIR MARSHAL RAVI GOPAL KRISHNA KAPOOR, AVSM, VM, FLYING (PILOT)

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 8-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Uttam Yudh Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of an exceptional order during hostilities:—

1. IC-47603F LIEUTENANT GENERAL VIRESH PRATAP SINGH KAUSHIK, YSM, SM, THE KUMAON REGIMENT, HEADQUARTERS 33 CORPS

2. IC-48067W LIEUTENANT GENERAL RASHIM BALI, AVSM, SM, VSM, THE SIKH LIGHT INFANTRY, HEADQUARTERS 14 CORPS
3. IC-48085Y LIEUTENANT GENERAL MANISH MOHAN ERRY, AVSM, SM, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, HEADQUARTERS 4 CORPS
4. IC-48389W LIEUTENANT GENERAL HARJEET SINGH SAHI, AVSM, YSM, SM, THE RAJPUT REGIMENT, HEADQUARTERS 3 CORPS

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 9-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Bar to Ati Vishisht Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of an exceptional order:—

1. IC-42958H LIEUTENANT GENERAL S HARIMOHAN IYER, AVSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
2. IC-43223L MAJOR GENERAL RAJESH KUMAR JHA, AVSM, THE CORPS OF ENGINEERS (RETD)

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 10-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Ati Vishisht Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of an exceptional order:—

1. IC-42400N LIEUTENANT GENERAL TUMUL VARMA, SM, VSM, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS
2. IC-42781A LIEUTENANT GENERAL ULHAS VEERAPPA TALUR, VSM, THE ARMY AIR DEFENCE
3. IC-42792M LIEUTENANT GENERAL AJAY KUMAR SURI, THE ARMY AVIATION CORPS
4. IC-43297A LIEUTENANT GENERAL JAGMOHAN SINGH SIDANA, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS
5. IC-43655A LIEUTENANT GENERAL K VINOD KUMAR, THE CORPS OF SIGNALS
6. IC-43858K LIEUTENANT GENERAL MANJIT KUMAR, THE CORPS OF SIGNALS
7. IC-44065N LIEUTENANT GENERAL MANJINDER SINGH, YSM, VSM, THE INFANTRY
8. IC-47023M LIEUTENANT GENERAL NAVNEET SINGH SARNA, SM, VSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
9. IC-47076L LIEUTENANT GENERAL RAKESH KAPOOR, VSM, THE ARMOURED CORPS
10. IC-47079Y LIEUTENANT GENERAL SANJAY SETHI, VSM, THE ARMY ORDNANCE CORPS
11. IC-48050H LIEUTENANT GENERAL VIPUL SHINGHAL, SM, THE ARMOURED CORPS
12. IC-48427F LIEUTENANT GENERAL ARVIND WALIA, THE CORPS OF ENGINEERS
13. MR-05385M LIEUTENANT GENERAL SARAT CHANDRA DASH, YSM, VSM\*\*, THE ARMY MEDICAL CORPS
14. MR-05688F LIEUTENANT GENERAL NARENDRA KOTWAL, SM, VSM, THE ARMY MEDICAL CORPS
15. IC-43702M MAJOR GENERAL PATANJALI RAHUL, VSM, THE ARMY AIR DEFENCE (RETD)
16. IC-44729W MAJOR GENERAL PARAMVIR SINGH SEHRAWAT, SM\*\*, THE BRIGADE OF THE GUARDS
17. IC-46701P MAJOR GENERAL VAKAMULLA HARIHARAN, SM, THE INFANTRY
18. IC-47213Y MAJOR GENERAL ASHOK KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS
19. IC-48219M MAJOR GENERAL VINOD T MATHEW, YSM, THE INFANTRY
20. IC-48510Y MAJOR GENERAL SANDEEP SINGH, THE ARMOURED CORPS
21. IC-48749F MAJOR GENERAL ANOOP SHINGHAL, SM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
22. IC-48923H MAJOR GENERAL SANJIV SHARMA, SM, THE CORPS OF SIGNALS

23. IC-48957W MAJOR GENERAL GURPREET SINGH, SM, VSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
24. IC-48963K MAJOR GENERAL PANKAJ MALHOTRA, SM, THE BRIGADE OF THE GUARDS
25. IC-49200A MAJOR GENERAL PRIT PAL SINGH, THE ARMOURED CORPS
26. IC-49473H MAJOR GENERAL RAJAN SHARAWAT, VSM, THE INFANTRY
27. IC-49680P MAJOR GENERAL VIKAS LAKHERA, SM, THE INFANTRY
28. IC-49870F MAJOR GENERAL CHARNJIT SINGH MANN, VSM, THE ARMOURED CORPS
29. IC-49926H MAJOR GENERAL VIJAY KUMAR PUROHIT, YSM, SM, THE INFANTRY
30. IC-50080Y MAJOR GENERAL YASHPAL SINGH AHLAWAT, YSM, SM, THE INFANTRY
31. IC-50226F MAJOR GENERAL AJAY KUMAR SINGH, SM, THE INFANTRY
32. IC-50765X MAJOR GENERAL GIRISH KALIA, VSM, THE INFANTRY
33. MR-05515K MAJOR GENERAL BHUPESH KUMAR GOYAL, VSM, THE ARMY MEDICAL CORPS
34. IC-52426W BRIGADIER GAURAV SINGH KARKI, VSM, THE CORPS OF ENGINEERS
35. MR-06329A BRIGADIER AMRESH GHAI, THE ARMY MEDICAL CORPS
36. JC-572305Y SUBEDAR SABLE AVINASH MUKUND, VSM, 5 MAHAR
37. 75408F SURGEON VICE ADMIRAL ARTI SARIN, VSM
38. 03371K VICE ADMIRAL SANJAY BHALLA, NM
39. 03482N VICE ADMIRAL VINEET MCCARTY
40. 03594T VICE ADMIRAL GURCHARAN SINGH, NM
41. 03597H VICE ADMIRAL AN PRAMOD
42. 03136A REAR ADMIRAL SANJAY ROYE, VSM
43. 41392Y REAR ADMIRAL DEEPAK KUMAR GOSWAMI
44. 51116Y REAR ADMIRAL R VIJAY SEKHAR, NM
45. 18324 AIR MARSHAL PRABAL KANTI GHOSH, ADMINISTRATION
46. 18539 AIR MARSHAL AJAY KUMAR ARORA, VSM, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
47. 18575 AIR MARSHAL JEETENDRA MISHRA, VSM, FLYING (PILOT)
48. 18781 AIR MARSHAL AWADHESH KUMAR BHARTI, VM, FLYING (PILOT)
49. 18787 AIR MARSHAL SEETHEPALLI SHRINIVAS, VSM, FLYING (PILOT)
50. 20186 AIR VICE MARSHAL JAGJEET SINGH BHALLA, VSM, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
51. 20491 AIR VICE MARSHAL JASVIR SINGH MANN, VM, FLYING (PILOT)
52. 20743 AIR VICE MARSHAL PHILIP THOMAS, VM, FLYING (PILOT)
53. 22525 AIR COMMODORE MANSIJ LAL, FLYING (PILOT)
54. 22666 AIR COMMODORE PANKAJ KUMAR SRIVASTAVA, FLYING (PILOT)
55. 22916 AIR COMMODORE ANAND SONDHI, VSM, FLYING (PILOT)
56. 22920 AIR COMMODORE MUKESH KUMAR YADAV, VM, FLYING (PILOT)
57. 22925 AIR COMMODORE PRADEEP ARUN SHAH, VM, FLYING (PILOT)
58. 0225-L DIRECTOR GENERAL RAKESH PAL, PTM, TM
59. GO-1993W ADGBR RAM KUMAR DHIMAN, VSM

S. M . SAMI  
Under Secretary

No. 11-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Yudh Seva Medal” to the under mentioned personnel for the distinguished service of a high order during hostilities:—

1. IC-53553X BRIGADIER TAPAS KUMAR MISRA, VSM, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, HEADQUARTERS 268 INFANTRY BRIGADE
2. IC-54360K BRIGADIER BANIT SINGH NEGI, THE MAHAR REGIMENT, HEADQUARTERS 118 (I) INFANTRY BRIGADE GROUP
3. IC-55543M BRIGADIER MICHAEL D'SOUZA, THE RAJPUT REGIMENT, HEADQUARTERS 27 SECTOR ASSAM RIFLES
4. IC-63824X COLONEL MANISH RAMESH LANJEKAR, 15 KUMAON
5. IC-64526N COLONEL ARUN TOM SEBASTIAN, SM, THE GRENADIERS, 55 RASHTRIYA RIFLES
6. IC-67510N COLONEL WAKNIS HRISHIKESH AJIT, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 52 RASHTRIYA RIFLES
7. IC-68580Y COLONEL JOHN DANIEL, 12 PARA (SF)
8. 25864 GROUP CAPTAIN SAMEER SHARMA, FLYING (PILOT)
9. 27749 WING COMMANDER VINIT VIJAY MARWADKAR, ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER
10. 28775 WING COMMANDER ANURAG SAXENA, LOGISTICS

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 12-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-67551X LIEUTENANT COLONEL VARUN CHAUDHARY, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
2. IC-68161F LIEUTENANT COLONEL G VIJAYA RAJAN, 207 ARMY AVN SQN (UH)
3. IC-69987F LIEUTENANT COLONEL ABHISHEK JOSHI, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
4. IC-72206N LIEUTENANT COLONEL ANUJ SHARMA, THE DOGRA REGIMENT, 40 RASHTRIYA RIFLES
5. IC-72421Y MAJOR JAIVEER SINGH, 203 ARMY AVN SQN (UH)
6. IC-74900Y MAJOR VIVEK KUMAR SINGH, 1/3 GR
7. IC-74937A MAJOR DEEPAK KUMAR KATARIA, THE MECHANISED INFANTRY, 16 ASSAM RIF
8. IC-76936W MAJOR ABHIMANYU SIROHI, THE CORPS OF ENGINEERS, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
9. IC-77210A MAJOR DIXANT KUMAR GUPTA, 246 FD REGT
10. IC-78550P MAJOR TUFAIL AHMED, THE BRIGADE OF THE GUARDS, 207 ARMY AVN SQN (UH)
11. IC-78657K MAJOR SUMUKH M S, 16 KUMAON
12. IC-79032F MAJOR MOHIT SANGWAN, THE PUNJAB REGIMENT, 16 ASSAM RIF
13. IC-79677K MAJOR GOVIND SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
14. IC-80181F MAJOR NAVEEN JANU, 3/8 GR
15. IC-81698Y MAJOR DHANANJAY KUMAR, THE RAJPUTANA RIFLES, 43 RASHTRIYA RIFLES
16. IC-82518X MAJOR AVITOSH SINGH TOMAR, 12 PARA (SF)
17. IC-82652H MAJOR SAURABH THAPA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 10 ASSAM RIF
18. IC-82676M MAJOR ROHIT JOSHI, THE CORPS OF ENGINEERS, 39 RASHTRIYA RIFLES
19. IC-84254A MAJOR MANIK SATI, 20 JAT
20. SS-47264M MAJOR ABHIMANYU SHARMA, THE ARMoured CORPS, 9 ASSAM RIF
21. IC-82759X CAPTAIN JAYDEEP SINGH RAWAT, THE JAT REGIMENT, 45 RASHTRIYA RIFLES

22. IC-83988P CAPTAIN SOIBA MANINGBA RANGNAMEI, THE BIHAR REGIMENT, 22 ASSAM RIF
23. IC-84541K CAPTAIN SHUBHAM GUPTA, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
24. IC-85485H CAPTAIN VIMANYU TYAGI, 2 PARA (SF)
25. JC-472231A SUBEDAR HARVIR SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
26. JC-523357L SUBEDAR NARESH KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 40 RASHTRIYA RIFLES
27. JC-424154Y NAIB SUBEDAR KULDEEP SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 16 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
28. JC-454211K NB SUBEDAR SULTAN SINGH, THE GRENADIERS, 39 RASHTRIYA RIFLES
29. JC-NYA-4195267L NAIB SUBEDAR PAWAN SAWANT, 16 KUMAON
30. 13626760X HAVILDAR NARENDER KUMAR, 1 PARA (SF)
31. 13626843H HAVILDAR NEELAM SINGH, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
32. 3201202A HAVILDAR JITENDRA PAL SINGH, 20 JAT
33. 3409952X HAVILDAR BALWINDER SINGH, 4 SIKH
34. 4576473N HAVILDAR PAWAN KUMAR, 21 MAHAR
35. 5050596W HAVILDAR PHUP DORJEE BHUTIA, 11 GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
36. 9108628A HAVILDAR SHABEER AHMED SHEIKH, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 2 RASHTRIYA RIFLES
37. 9927927P HAVILDAR STANZIN TSAPAK, 5 LADAKH SCOUTS
38. 13629119K NAIK PADMA RIGZEN, 9 PARA (SF)
39. 15501430L NAIK HEM RAJ, THE ARMoured CORPS, 55 RASHTRIYA RIFLES
40. 19003541X NAIK HARVINDAR SINGH, 4 SIKH
41. 3205970Y NAIK JASAVEER SINGH, 20 JAT
42. 4374707K NK LALHMANGAIHSANGA CHINZAH, 1 ASSAM
43. 15717577P LANCE NAIK HARISH CHANDRA NAIN, THE CORPS OF SIGNALS, 59 RASHTRIYA RIFLES
44. 4207184P LANCE NAIK SANJAY BISHT, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
45. 4490974K LANCE NAIK KULWANT SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 49 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
46. 12984723X SEPOY MOHD MAQBOOL SOFI, 163 INF BN (TA)
47. 3217343Y SEPOY ABDUL QUDUS, THE JAT REGIMENT, 45 RASHTRIYA RIFLES
48. 4591889H SEPOY CHETAN KALLAPPA SARAPURE, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES
49. 17029915N CRAFTSMAN PABBALLA ANIL, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 207 ARMY AVN SQN (UH) (POSTHUMOUS)
50. 2713812L GRENADIER GOVIND, THE GRENADIERS, 29 RASHTRIYA RIFLES
51. 13785699L RIFLEMAN CHUNI LAL, 2 JAK RIF
52. 5761756X RIFLEMAN DHIRENDRA SINGH DHAMI, 3/8 GR
53. 16032927X PARATROOPER SACHIN LAUR, 2 PARA (SF) (POSTHUMOUS)

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 13-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 08159T LIEUTENANT COMMANDER BHASKAR RAJVANSHI

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 14-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 21218 GROUP CAPTAIN PANKAJ GUPTA, FLYING (PILOT) (RETD)
2. 26730 WING COMMANDER VISHAL LAKHESH, ADMINISTRATION
3. 29204 WING COMMANDER MOMIN MOHAMMED HAFEEZULLA, FLYING (PILOT)
4. 34919 SQUADRON LEADER NIKITA MALHOTRA, FLYING (PILOT)

S. M . SAMI  
Under Secretary

No. 15-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. IC-48525F MAJOR GENERAL VIKAS ROHELLA, SM, THE CORPS OF ENGINEERS
2. IC-48643P MAJOR GENERAL SUDHIR KUMAR SHARMA, SM, VSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
3. IC-53934Y BRIGADIER YASHDEEP SANGWAN, SM, THE MADRAS REGIMENT
4. IC-54003F BRIGADIER NAGARAJ MOHAN BENDIGERI, SM, THE DOGRA REGIMENT
5. IC-54412P BRIGADIER VEDPAL YADAV, SM, THE NAGA REGIMENT
6. IC-51506F BRIGADIER SAUMYA BANERJEE, SM, THE MADRAS REGIMENT
7. IC-51602W BRIGADIER MANISH KUMAR, SM, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
8. IC-59175A COLONEL SHUBHANKAR GHOSHAL, SM, THE SIKH LIGHT INFANTRY

S. M . SAMI  
Under Secretary

No. 16-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. IC-50257F LIEUTENANT GENERAL SUMER IVAN D'CUNHA, THE ARMY AIR DEFENCE
2. MR-05377N LIEUTENANT GENERAL VATTAPARAMBIL SABID SYED, THE ARMY MEDICAL CORPS
3. IC-47043A MAJOR GENERAL BIKRAM DEEP SINGH, VSM, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS
4. IC-49426L MAJOR GENERAL ASHISH SHAH, THE ARMOURED CORPS
5. IC-49498P MAJOR GENERAL BIMAL MONGA, VSM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
6. IC-49499X MAJOR GENERAL JAI SINGH BAINSLA, THE INFANTRY
7. IC-49558Y MAJOR GENERAL SHAMSHER SINGH VIRK, THE INFANTRY
8. IC-49759X MAJOR GENERAL RAJDEEP SINGH RAWAL, THE CORPS OF ENGINEERS
9. IC-50306Y MAJOR GENERAL ARVIND CHAUHAN, YSM, THE INFANTRY
10. IC-50427A MAJOR GENERAL RK SURESH, SC\*\*, THE INFANTRY
11. IC-51118K MAJOR GENERAL VISHAL SINGH, VSM, THE ARMOURED CORPS
12. MR-05521X MAJOR GENERAL KAVITA SAHAI, VSM, THE ARMY MEDICAL CORPS
13. MR-05913L MAJOR GENERAL DESIRAJU VIVEKANAND, THE ARMY MEDICAL CORPS
14. IC-50890F BRIGADIER AMAR PAL SINGH CHAHAL, THE REGIMENT OF ARTILLERY
15. IC-51142A BRIGADIER MANISH GUPTA, VSM, THE MARATHA LIGHT INFANTRY
16. IC-51267X BRIGADIER AKHILESH KUMAR, THE RAJPUTANA RIFLES
17. IC-51493P BRIGADIER VANGURU RAGHU, VSM, THE CORPS OF SIGNALS



18. IC-52056F BRIGADIER SANJEEV LUTHRA, THE REGIMENT OF ARTILLERY
19. IC-53072L BRIGADIER S GOPIKRISHNAN, THE CORPS OF ENGINEERS
20. IC-53513W BRIGADIER BALJINDER SINGH MULTANI, THE REGIMENT OF ARTILLERY
21. IC-53530W BRIGADIER SUKHVINDER SINGH DHALIWAL, SC, YSM, THE 5 GORKHA RIFLES
22. IC-53920Y BRIGADIER KAPIL RANA, THE ASSAM REGIMENT
23. IC-54023P BRIGADIER SANJIV MEHROTRA, YSM, VSM, THE SIKH LIGHT INFANTRY
24. IC-54300P BRIGADIER RAJNEESH MOHAN, THE PARACHUTE REGIMENT
25. IC-54326K BRIGADIER RAMESH KRISHNAN, THE GARHWAL RIFLES
26. IC-54386Y BRIGADIER SHAILENDRA BISHT, THE 1 GORKHA RIFLES
27. IC-56727X BRIGADIER SYED FAISAL AHMAD, THE MECHANISED INFANTRY
28. IC-58600N COLONEL DAYANAND SHARMA, THE MARATHA LIGHT INFANTRY
29. IC-59621W COLONEL GAURAV BATRA, THE MADRAS REGIMENT
30. IC-66845Y COLONEL SATISH PATIL, THE 11 GORKHA RIFLES
31. IC-66852P COLONEL SHIVESH SINGH, THE DOGRA REGIMENT
32. IC-66927F COLONEL RAKESH MADHAV BIRAR, THE SIKH REGIMENT
33. IC-67398M COLONEL ROHIT KUMAR SINGH, THE BIHAR REGIMENT
34. IC-68532Y COLONEL JAYENDRASING KUMARSING PATIL, THE 1 GORKHA RIFLES
35. IC-60906P LIEUTENANT COLONEL YOGENDRA SINGH, THE CORPS OF SIGNALS
36. IC-67422X LIEUTENANT COLONEL YUVRAJ MALIK, VSM, THE RAJPUT REGIMENT
37. IC-75041L MAJOR ADITYA PRAKASH, THE KUMAON REGIMENT
38. SS-48584N MAJOR SURAJIT BANERJEE, THE REGIMENT OF ARTILLERY

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 17-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. 04071A REAR ADMIRAL VIVEK DAHIYA
2. 41764T COMMODORE VIKAS CHAWLA
3. 04279Z COMMODORE NEERAJ MALHOTRA
4. 41805K COMMODORE S GANESAN
5. 04050B CAPTAIN AYYANAR MURLIDHAR
6. 04692N CAPTAIN ASHOK KOTESWARA RAO
7. 51647B CAPTAIN RAJESH JANGID
8. 05168W CAPTAIN ANISH MATHEW
9. 03562W CAPTAIN (TS) ATOOL SINHA
10. 05935N COMMANDER LIBU RAJ

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 18-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. 24915 GROUP CAPTAIN MOHIT SAXENA, FLYING (PILOT)
2. 26512 GROUP CAPTAIN FALGUNI LAHA ROY, FLYING (PILOT)

3. 26733 GROUP CAPTAIN HARSEERAT SINGH SIDHU, FLYING (PILOT)
4. 26995 GROUP CAPTAIN KSHITIJ AWASTHI, FLYING (PILOT)
5. 27202 GROUP CAPTAIN AMIT RAI TAMTA, FLYING (PILOT)
6. 27206 GROUP CAPTAIN SATYENDER SINGH RANA, FLYING (PILOT)
7. 27211 GROUP CAPTAIN GOVINDU DINESH KUMAR REDDY, FLYING (PILOT)
8. 27213 GROUP CAPTAIN MANISH GULIA, FLYING (PILOT)
9. 27439 GROUP CAPTAIN VINOD PRABHAKARAN, FLYING (PILOT)
10. 27443 GROUP CAPTAIN ROHIT KATARIA, FLYING (PILOT)
11. 27444 GROUP CAPTAIN RAVI KIRAN SINGH, FLYING (PILOT)
12. 27445 GROUP CAPTAIN NEERAJ JHAMB, FLYING (PILOT)
13. 27457 GROUP CAPTAIN ARPIT KALA, FLYING (PILOT)
14. 26586 WING COMMANDER MANOHAR T BHEEMSEN RAO, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER

S. M . SAMI  
Under Secretary

No. 19-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Bar to Vishisht Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of a high order:—

1. IC-49025W MAJOR GENERAL RAJESH KUMAR, SM, VSM, THE INFNATRY
2. IC-50104X MAJOR GENERAL DINESH SINGH BISHT, SM, VSM, THE INFNATRY
3. IC-50730F MAJOR GENERAL MOHIT SETH, SM, VSM, THE INFNATRY
4. MR-05531F MAJOR GENERAL SANDEEP THAREJA, SM, VSM, THE ARMY MEDICAL CORPS
5. IC-53926A BRIGADIER AMANDEEP MALHI, VSM, THE PUNJAB REGIMENT

S. M . SAMI  
Under Secretary

No. 20-Pres/2024.—The President is pleased to approve the award of “Vishisht Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of a high order:—

1. IC-43856Y MAJOR GENERAL M GNANA SEKARAN, SM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
2. IC-43981H MAJOR GENERAL SHARAD KAPUR, YSM, SM, THE INFNATRY (RETD)
3. IC-46041H MAJOR GENERAL ANOOP SINGH JAKHAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY
4. IC-46172N MAJOR GENERAL RAJESH ARUN MOGHE, THE MECHANISED INFANTRY
5. IC-46395L MAJOR GENERAL SANDEEP KUMAR, THE JAG DEPARTMENT
6. IC-47011X MAJOR GENERAL VINAYAK SAINI, SM, THE CORPS OF ENGINEERS
7. IC-47064W MAJOR GENERAL MANOJ NATARAJAN, SC, THE INFNATRY
8. IC-47298A MAJOR GENERAL RAVINDRA SINGH, SM\*\*, THE INFNATRY
9. IC-47604K MAJOR GENERAL VIVEK VENKATRAMAN, THE CORPS OF ENGINEERS
10. IC-49217N MAJOR GENERAL SUJEET SHIVAJI PATIL, THE INFNATRY
11. IC-49478F MAJOR GENERAL ASHISH RAMESH SIRSIKAR, THE ARMY SERVICE CORPS
12. IC-49710F MAJOR GENERAL YOGENDER SINGH PAUL, THE BRIGADE OF THE GUARDS
13. IC-49895N MAJOR GENERAL S MURUGESAN, THE INFNATRY
14. IC-49959N MAJOR GENERAL PANKAJ PACHNANDA, THE ARMY ORDNANCE CORPS
15. IC-50284L MAJOR GENERAL ADITYA VIKRAM SINGH RATHEE, SM, THE BRIGADE OF THE GUARDS

16. IC-50664K MAJOR GENERAL HARPAL SINGH, THE CORPS OF ENGINEERS
17. IC-50749A MAJOR GENERAL SACHIN MALIK, YSM, THE INFANTRY
18. IC-50828P MAJOR GENERAL CBK BANERJEE, THE CORPS OF ENGINEER
19. SV-00442Y MAJOR GENERAL PRAMOD BATRA, THE REMOUNT AND VETERINARY CORPS
20. IC-48968H BRIGADIER LOKINDER CHANDEL, THE MAHAR REGIMENT
21. IC-50725W BRIGADIER ATUL BHADAURIA, THE REGIMENT OF ARTILLERY
22. IC-51564L BRIGADIER KULESHWAR SINGH DHADWAL, SM, THE SIKH REGIMENT
23. IC-51838L BRIGADIER VIKAS BHARDWAJ, THE PUNJAB REGIMENT
24. IC-51962M BRIGADIER RAHUL OHRI, SM, THE REGIMENT OF ARTILLERY
25. IC-52005N BRIGADIER ADARSHA VERMA, THE REGIMENT OF ARTILLERY
26. IC-52035L BRIGADIER JANGSHER BAHADAR SINGH SIDHU, THE ARMY ORDNANCE CORPS
27. IC-52420P BRIGADIER AJAY KUMAR SHARMA, THE KUMAON REGIMENT
28. IC-52737K BRIGADIER SAKET SINGH KUSHWAHA, THE CORPS OF ENGINEERS
29. IC-52757X BRIGADIER SUDHANSHU SHARMA, SM, THE 3 GORKHA RIFLES
30. IC-52766Y BRIGADIER SAURABH BHATNAGAR, THE CORPS OF ENGINEERS
31. IC-52789A BRIGADIER AMIT DHIR, THE REGIMENT OF ARTILLERY
32. IC-53529F BRIGADIER MANOJ RURIA, THE 4 GORKHA RIFLES
33. IC-53657Y BRIGADIER NEELESH ANAND PAGULWAR, SC, SM, THE ASSAM REGIMENT
34. IC-53924P BRIGADIER ALOK DASH, SM, THE 9 GORKHA RIFLES
35. IC-54032W BRIGADIER ATUL RAJPUT, SM, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
36. IC-54061L BRIGADIER AMAN ANAND, THE KUMAON REGIMENT
37. IC-54260Y BRIGADIER NAVEEN AHLAWAT, THE CORPS OF ENGINEERS
38. IC-54499F BRIGADIER N KUMARA DHAS, THE MADRAS REGIMENT
39. IC-56611F BRIGADIER DINESH SINGH, THE DOGRA REGIMENT
40. IC-57585X BRIGADIER PRITHVI RAJ CHAUHAN, THE MAHAR REGIMENT
41. DR-10428A BRIGADIER E MAHESH GOWDA, THE ARMY DENTAL CORPS
42. MR-06226F BRIGADIER MANAS CHATTERJEE, THE ARMY MEDICAL CORPS
43. MR-07665Y BRIGADIER KULDEEP KUMAR ASHTA, THE ARMY MEDICAL CORPS
44. NR-18342W BRIGADIER PADMANABHAN BHARANI LAKSHMI, THE MILITARY NURSING SERVICE
45. SL-04597L BRIGADIER ASHWANI SHARMA, THE GENERAL SERVICE
46. IC-57357P COLONEL VIVEK GOYAL, THE CORPS OF ENGINEERS
47. IC-57880A COLONEL SACHIN THAKUR, THE MARATHA LIGHT INFANTRY
48. IC-58153P COLONEL SHAILENDER SINGH ARYA, THE REGIMENT OF ARTILLERY
49. IC-58291W COLONEL K ARUN, THE 1 GORKHA RIFLES
50. IC-58591X COLONEL HARMANJEET LIDDER, SM, THE PARACHUTE REGIMENT
51. IC-58656A COLONEL SATYAKAM DABAS, THE INTELLIGENCE CORPS
52. IC-58705X COLONEL JAIDEV SINGH ASWAL, THE MADRAS REGIMENT
53. IC-59080A COLONEL PRADEEP SEMWAL, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
54. IC-59100H COLONEL SHAILENDER SHARMA, THE RAJPUT REGIMENT
55. IC-59411W COLONEL TPS HUNDAL, THE BIHAR REGIMENT

56. IC-59772P COLONEL SUMIT KAPUR, THE MECHANISED INFANTRY
57. IC-60439H COLONEL CHIRAG SINGH BARAK, SC, THE MECHANISED INFANTRY
58. IC-60521X COLONEL ANKUR SHARMA, SM, THE JAT REGIMENT
59. IC-60800H COLONEL NEERAJ PANDEY, YSM, THE ASSAM REGIMENT
60. IC-63227H COLONEL NITIN AGNIHOTRI, THE INTELLIGENCE CORPS
61. IC-63505L COLONEL RAJENDER SINGH KARAKOTI, THE GRENADIERS
62. IC-63876N COLONEL NAWAZESH N PATEL, SM, THE PARACHUTE REGIMENT
63. IC-67984P COLONEL ABHISHEK SATISH POTDAR, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
64. IC-68445L COLONEL APURVA BHATNAGAR, THE CORPS OF SIGNALS
65. IC-68560L COLONEL SURAJ SINGH CHILWAL, THE KUMAON REGIMENT
66. IC-68616M COLONEL SANDEEP SONI, THE SIKH REGIMENT
67. MR-06980H COLONEL SUBHADEEP GHOSH, THE ARMY MEDICAL CORPS
68. MR-07249P COLONEL PUJA DUDEJA, THE ARMY MEDICAL CORPS
69. MR-07418L COLONEL HARMEET SINGH ARORA, THE ARMY MEDICAL CORPS
70. MR-07659L COLONEL KARTHIK VENKATRAMAN, THE ARMY MEDICAL CORPS
71. MR-08787P COLONEL RAHUL JAIN, THE ARMY MEDICAL CORPS
72. IC-74334K LIEUTENANT COLONEL RICHA DATT, THE INTELLIGENCE CORPS
73. IC-70678L LIEUTENANT COLONEL VIKAS AGNIHOTRI, THE ARMY AIR DEFENCE
74. MR-09017P LIEUTENANT COLONEL SANJEEV MALIK, THE ARMY MEDICAL CORPS
75. JC-624481N SUBEDAR KSHETRA BAHADUR THAPA, 6/8 GR
76. JC-624655H SUBEDAR SOMAN RANA, 2/8 GR
77. JC-502227P NAIB SUBEDAR HARMEET SINGH, 17 SIKH
78. 3406329W HAVILDAR VARINDER SINGH, 22 SIKH
79. 9426748A HAVILDAR GOBIN TAMANG, THE 11 GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
80. 2622122N SEPOY SOLAIRAJ D, 21 MADRAS
81. 03558K VICE ADMIRAL AY SARDESAI
82. 41236T REAR ADMIRAL M NIRMAL MENON
83. 03691N REAR ADMIRAL KUNAL SINGH RAJKUMAR
84. 75593A SURGEON COMMODORE AJIT GOPINATH
85. 41472B COMMODORE ASHISH SEHGAL
86. 03808B COMMODORE DHARMENDRASINH J REVAR, NM
87. 51352H COMMODORE SARATH AASHIRVAD
88. 04043N COMMODORE GOKUL KRISHNA DUTTA
89. 51384F COMMODORE JASDEEP SINGH DHANOA
90. 51360A COMMODORE DIGVIJAY S PATHANIA
91. 41735A COMMODORE SANJAY ADHANA
92. 04538N COMMODORE SUNDEEP SINGH RANDHAWA
93. 04576Z COMMODORE HIMADRI BOSE
94. 04689F COMMODORE MANMEET SINGH KHURANA
95. 04698A COMMODORE P SASI KUMAR
96. 41398K COMMODORE SUNIL KAUSHIK, NM (RETD)

97. 04055R CAPTAIN (TS) VIJAY KUMAR
98. 41822Z CAPTAIN (TS) TENNETI SHARMA
99. 04745H CAPTAIN (TS) ANURAG SRIVASTAVA
100. 172502A MC ERA-I DIL BAHADUR CHETTRI
101. 19222 AIR VICE MARSHAL PRASHANT SUDHEER KARKARE, ADMINISTRATION (RETD)
102. 20205 AIR VICE MARSHAL S SIVAKUMAR, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
103. 20624 AIR VICE MARSHAL RAJESH BHANDARI, LOGISTICS
104. 20597 AIR COMMODORE NARAYANAN NAGARAJAN, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
105. 21112 AIR COMMODORE RAJEEV SHRIVASTAVA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
106. 21337 AIR COMMODORE PEDDIBHOTLA CHENDRASHEKAR POORNA ANAND, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
107. 21734 AIR COMMODORE RAJNEESH KUMAR, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
108. 22935 AIR COMMODORE ALOK BHAYANA, FLYING (PILOT)
109. 20375 GROUP CAPTAIN SANDEEP PATRI, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
110. 21637 GROUP CAPTAIN SUDHIR GARG, LOGISTICS
111. 22396 GROUP CAPTAIN LAKSHMINARASIMHAN SHRIRAM, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
112. 23626 GROUP CAPTAIN GONDIPALLY NIRMAL VICTOR VIJAY ANAND, ADMINISTRATION
113. 23802 GROUP CAPTAIN SRIMOOLANATHAN GIRISH, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
114. 24052 GROUP CAPTAIN MANISH KUMAR, FLYING (NAVIGATOR)
115. 24463 GROUP CAPTAIN KAISTHA SUMESH, MEDICAL
116. 24992 GROUP CAPTAIN KAPIL KUMAR GULIYANI, ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER
117. 25011 GROUP CAPTAIN LOKESH KUMAR MISHRA, LOGISTICS
118. 25065 GROUP CAPTAIN SAMAR VEER SAHARAN, FLYING (PILOT)
119. 26222 GROUP CAPTAIN SANJEEV CHERIAN, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
120. 26319 GROUP CAPTAIN RITESH KHANDELWAL, FLYING (PILOT)
121. 26642 GROUP CAPTAIN RAKESH KUMAR SINGH, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
122. 26695 GROUP CAPTAIN NAMAN BUNDELA, FLYING (PILOT)
123. 26800 GROUP CAPTAIN GURBIR KANG, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
124. 26809 GROUP CAPTAIN GOWTHAM HASSAN LAKSHMAN, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
125. 27392 GROUP CAPTAIN AVIJIT SINGH CHAUHAN, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
126. 28653 GROUP CAPTAIN PANKAJ DHIMAN, FLYING (PILOT)
127. 25680 WING COMMANDER VINAYAK SHARMA, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
128. 29473 WING COMMANDER DAISH, FLYING (PILOT)
129. GO-3922N EE(CIV) DINESAN KARAYI
130. GO-2178P CE(CIV) AJAY KUMAR MISHRA

S. M. SAMI  
Under Secretary

No. 21-Pres/2024.—The President is pleased to give orders for Publication in the Gazette of India of the names of the under Mentioned officers/personnel for “Mention- in-Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Army Staff and Chief of the Air Staff” respectively:—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-63796W COLONEL GAURAV SHARMA, THE DOGRA REGIMENT, 62 RASHTRIYA RIFLES
2. IC-70910L LIEUTENANT COLONEL MANISH KUMAR KADIAN, SM, 9 SIKH LI
3. IC-76144W MAJOR MANISH CHHETRI, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
4. IC-79631F MAJOR ABHINAV CHATURVEDI, 4 SIKH
5. IC-80299H MAJOR ABHISHEK SAPAHIA, 9 SIKH LI
6. IC-80306N MAJOR MAHENDER SINGH, 21 MAHAR
7. IC-81443Y MAJOR PIYUSH PARTH DHAKED, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
8. IC-82044F MAJOR SHANKAR B, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
9. IC-82225M MAJOR PANKAJ KUMAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
10. IC-82323M MAJOR SHUBHANKAR DAS SHARMA, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
11. SC-00876Y MAJOR GAURAVA KUMAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 45 RASHTRIYA RIFLES
12. IC-82933Y CAPTAIN RAJAT, 662 ARMY AVN SQN (R&O)
13. IC-85315Y CAPTAIN AJAY RAWAT, 4 SIKH
14. IC-88906L LIEUTENANT MOHIT KUMAR JAKHAR, 21 MAHAR
15. JC-511327F SUBEDAR BALWINDER SINGH, 9 SIKH LI
16. JC-624418Y SUBEDAR LACHHUMAN RANA, 3/8 GR
17. JC-313814W NAIB SUBEDAR S VENKATESAN, 19 ENGR REGT
18. JC-552137K NAIB SUBEDAR L PONGCHAI KONYAK, SM, 1 ASSAM
19. 2703908A HAVILDAR SUNIL KUMAR, THE GRENADIERS, 39 RASHTRIYA RIFLES
20. 4486876M HAVILDAR MANDEEP SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 49 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
21. 5757904A HAVILDAR RAMAN SINGH RANA ACHHAMI, 3/8 GR
22. 2502713Y NAIK ARVIND KUMAR, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
23. 4207238L NAIK DEEPAK SINGH, 12 KUMAON
24. 4583886A NAIK SONKAMBLE VINOD SURESH, 12 MAHAR
25. 14949810Y LANCE NAIK TELU RAM, THE MECHANISED INFANTRY, 16 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
26. 15236290K LANCE NAIK DEBASHISH BISWAL, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 49 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
27. 14705896Y LANCE NAIK RUCHIN SINGH RAWAT, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
28. 2714584A SEPOY DEVENDRA, THE GRENADIERS, 55 RASHTRIYA RIFLES
29. 4495598L SEPOY HARKRISHAN SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 49 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
30. 4498249M SEPOY SEWAK SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 49 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
31. 13631762M PARATROOPER NAVEEN KUMAR, THE PARACHUTE REGIMENT, HQ CIF (R)
32. 21012032A PARATROOPER PRAMOD NEGI, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
33. 5762670L PARATROOPER SIDDHANT CHETTRI, 9 PARA (SF) (POSTHUMOUS)
34. EXJ-196317 PROBATIONARY SUB INSPECTOR SHAJAD ALI, THE JAMMU AND KASHMIR POLICE

## OPERATION SNOW LEOPARD

35. IC-66440N COLONEL JINU THANKAPPAN, THE MADRAS REGIMENT, 38 RASHTRIYA RIFLES
36. IC-67245H COLONEL AMAN DATTA, 10 MECH INF
37. IC-67384M COLONEL MONEET SINGH, 139 MED REGT
38. IC-68476L COLONEL SAVYASACHI BOSE, 84 ARMD REGT
39. MR-07246F COLONEL HARPANAHALLI RAVI RAMAMURTHY, 303 FD HOSP
40. IC-77613A MAJOR RAHUL BHARGAVA, 203 ARMY AVN SQN (UH)
41. IC-81303M MAJOR DEEPAK JOSHI, 12 PARA (SF)
42. IC-82157K MAJOR SUNIL RANA, THE ARMOURED CORPS, HQ SFF
43. IC-83540P CAPTAIN PEMA DORJEE BHUTIA, 12 PARA (SF)
44. IC-84099K CAPTAIN AJIT KUMAR SINGH, THE CORPS OF SIGNALS, 59 RASHTRIYA RIFLES
45. ACC-18 DEPUTY COMMANDANT MINGMA KHAMPA, HQ SFF
46. JC-66763W COMPANY LEADER KUNCHOK TENPA, HQ SFF
47. JC-414806Y NAIB SUBEDAR VIJENDER SINGH, 9 PARA (SF)
48. JC-414807F NAIB SUBEDAR DEVENDRA SINGH, 9 PARA (SF)
49. 16118381M HAVILDAR UPENDRA KUMAR, 12 PARA (SF)
50. 14832609H NAIK ASLAM KHAN, 5009 COY ASC (POSTHUMOUS)

## OPERATION MEGHDOOT

51. IC-64407X COLONEL VIVEK KUMAR, 10 SIKH LI
52. IC-64436M COLONEL KAMAL SAJGOTRA, 2 SIKH
53. IC-76329X MAJOR GAGANDEEP RANDHAWA, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
54. IC-78615X MAJOR VINESH YADAV, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
55. IC-79597M MAJOR PARMINDER SINGH VIRK, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
56. IC-79721H MAJOR NITIN RAWAT, THE PUNJAB REGIMENT, 666 ARMY AVN SQN (R&O)
57. IC-85152W MAJOR RAVIPREET SINGH SANDHU, 5 LADAKH SCOUTS

## OP SAHAYATA

58. IC-70904X LIEUTENANT COLONEL MADHU MANISH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 21 ASSAM RIF
59. IC-85730A CAPTAIN SAHIL FAGERIA, 16 JAT
60. G/5033065H RIFLEMAN ALAGARSAMY R, 9 ASSAM RIF

## OP SIDHRA

61. SS-46681M MAJOR MAHAK MEHTA, 1 PARA (SF)
62. JC-414898W NAIB SUBEDAR SURINDER SINGH, 1 PARA (SF)

## CASUALTY EVACUATION

63. IC-72101K LIEUTENANT COLONEL VAIBHAV JINDAL, 23 (I) R&O FLT
64. IC-79201X MAJOR S NISHANT REDDY, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 23 (I) R&O FLT
65. IC-85029X CAPTAIN PARINAV PATHAK, 23 (I) R&O FLT

## MISCELLANEOUS OPERATION

66. IC-63408N COLONEL UMESH CHANDRA SATI, THE KUMAON REGIMENT, 1 ASSAM RIF
67. IC-68179X COLONEL OINAM AKASH SINGH, SM, THE KUMAON REGIMENT, 18 ASSAM RIF
68. 18004474N HAVILDAR AJAY KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 111 RCC (GREF)

## OP KAVERI

69. 28028 GROUP CAPTAIN SAMEEP NIJHAWAN, FLYING (PILOT)
70. 28051 WING COMMANDER JAGVINDRA SINGH, ADMINISTRATION
71. 29197 WING COMMANDER MANISH VYAS, FLYING (PILOT)
72. 29444 WING COMMANDER LOKESH MANCHANDA, FLYING (PILOT)
73. 29454 WING COMMANDER SHREE KANT BHARDWAJ, FLYING (NAVIGATOR)
74. 29900 WING COMMANDER RAJNEESH CHANDRA UNIYAL, FLYING (PILOT)
75. 31441 WING COMMANDER MANAS THATTE, FLYING (NAVIGATOR)
76. 32629 SQUADRON LEADER ANKIT AGARWAL, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
77. 33949 SQUADRON LEADER PRITAM SINGH JAITAWAT, ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
78. 930401 JUNIOR WARRANT OFFICER KALANDI CHARAN SAHOO, FLIGHT ENGINEER
79. 902877 SERGEANT JITENDRA KUMAR MAHLA, INDIAN AIR FORCE (GARUD)
80. 903053 SERGEANT VIKAS KUMAR TIWARY, INDIAN AIR FORCE (GARUD)
81. 924752 CORPORAL MAHENDRA KUMAR, INDIAN AIR FORCE (SECURITY)
82. 977094 CORPORAL SHAKTI SINGH RAJPUROHIT, INDIAN AIR FORCE (SECURITY)

## MISCELLANEOUS OPERATION

83. 23569 GROUP CAPTAIN FELIX PATRICK PINTO, SC, VM, FLYING (PILOT)
84. 33223 SQUADRON LEADER KANHAIYA KUMAR, FLYING (PILOT)

S. M. SAMI  
Under Secretary

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE)

New Delhi, the 22nd June 2024

## RESOLUTION

No. 11034/01/2023-O.L.(Policy)—A revised award scheme named 'Rajbhasha Gaurav Puraskar Yojna' from the year 2022-23 is introduced by the Department of Official Language, with an objective to encourage writing books originally in Hindi and to promote Official Language, in supersession of earlier Resolution No. 11034/01/2023-O.L.(Policy) dated 21.03.2023. Under the scheme, the citizens of India will be awarded as follows:—

(A) Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on knowledge and science based subjects.

(B) Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on Forensic Science, Police, Criminology Research and Police Administration.

(C) Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on subjects related to Culture, Religion, Arts and Heritage.

(D) Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi in the field of law.

2. Name: The name of the scheme shall be "Rajbhasha Gaurav Puraskar Scheme for writing original book in Hindi."

3. Definitions: In this scheme, unless the context otherwise requires:—

(i) "Scheme" means "The award scheme of Department of Official Language for encouraging writing original book in Hindi on subjects related to Technology, Science, Forensic Science, Police, Criminology Research, Police Administration, Culture, Religion, Arts, Heritage etc. and in the field of law."

(ii) "Original" means "It should be originally written in Hindi and published for the first time. Translation of books published earlier will not be included under the scheme."

(iii) "Book" means "published books".

(iv) "Year" means (a) Scheme year - Financial year (b) Publication year - Calendar Year

4. Objectives:

(A) Various Ministries/Departments/Offices/Undertakings/Banks etc. of the Central Government also deal with technical subjects in their official work. Difficulty is being faced to increase the use of Hindi in official work due to scarcity of



books in Hindi on the subjects based on technology, science, forensic science, police, criminology research, police administration, culture, religion, arts, heritage and in the field of law. In addition, employees do face difficulties in doing their official work in Hindi as they are less-acquainted or non-acquainted with Hindi terminologies of these subjects. The Department of Official Language is undertaking this scheme with the sole objective to encourage writing books in Hindi on the above-mentioned subjects.

(B) Various Ministries/Departments have undertaken different award schemes related to Hindi at national level. Department of Official Language has been made sole Nodal Department for book scheme related to Hindi. Hence, relevant schemes among the award schemes related to Hindi being run by various Ministries/Departments at national level have been incorporated under the scheme. It has been decided to discontinue the other award schemes. If any Ministry/Department, in future, wishes to undertake any other award scheme related to Hindi it shall mandatorily consult with Department of Official Language before taking up any such scheme to avoid repetition of award scheme.

#### 5. Awards:

|   | Name of the Award Scheme   | Total no. of awards | Payable Amount, Certificate and Memento  |
|---|--|---------------------|--|
| A | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on knowledge and science based subjects                                     | First Prize (One)   | ₹ 2,00,000/- (Two lakh rupees), a certificate and a memento                      |
|   |  | Second Prize (One)  | ₹ 1,25,000/- (One lakh twenty five thousand rupees), a certificate and a memento |
|   |  | Third Prize (One)   | ₹ 75,000/- (Seventy five thousand rupees), a certificate and a memento           |
| B | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on Forensic Science, Police, Criminology Research and Police Administration | First Prize (One)   | ₹ 1,50,000/- (One lakh fifty thousand rupees), a certificate and a memento       |
|   |  | Second Prize        | ₹ 1,00,000/- (One lakh rupees), a certificate and a memento                      |
| C | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on subjects related to Culture, Religion, Arts and Heritage                 | First Prize (One)   | ₹ 1,50,000/- (One lakh fifty thousand rupees), a certificate and a memento       |
|   |  | Second Prize (One)  | ₹ 1,00,000/- (One lakh rupees), a certificate and a memento                      |
| D | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi in the field of law   | First Prize (One)   | ₹ 1,50,000/- (One lakh fifty thousand rupees), a certificate and a memento       |
|   |  | Second Prize (One)  | ₹ 1,00,000/- (One lakh rupees), a certificate and a memento                      |

#### 6. Eligibility:

- (i) The author/ co-author should be a citizen of India.
- (ii) The book should be written on the genres mentioned as follows:-
  - (a) Engineering, Electronics, Computer Science, Physics, Biology, Energy, Space Science, Medicine, Chemistry, Information Technology, Management, Psychology etc; Contemporary subjects such as Liberalisation, Globalisation, Consumerism, Human Rights and Pollution etc.
  - (b) Forensic Science, Police, Criminology Research and Police Administration etc.
  - (c) Culture, Religion, Arts and Heritage etc.
  - (d) Subject related to Law

#### 7. General Conditions:

- (i) In case of Author being more than one, each co-author must fill the proforma separately.
- (ii) Under the scheme only those books which are original work of the author in Hindi, are accepted. Translated books are not accepted.
- (iii) Books awarded previously by any government organisation will not become eligible. The author of the book must inform Department of Official Language immediately if the book is awarded under any other award scheme before the declaration of the awards under the above mentioned schemes.
- (iv) Under the scheme, books published during 1st January to 31st December are acceptable.

- (v) The book should be an analytical review of the subject it deals with. Books written in the form of thesis for Ph.D., poems, novel, story, play etc. or text books will not be eligible under the scheme.
- (vi) The author/co-author will be responsible for facts and figures given in the book and must give references wherever possible as proof.
- (vii) If a person has received a prize under any scheme of Department of Official Language during the preceding three years, his/her entry shall not be considered. However, a co-author, (if any) can participate in the scheme. The co-author will be given the amount proportionately.
- (viii) The books should contain at least 100 pages.
- (ix) If the Evaluation Committee arrives at a conclusion that none of the books, received as entries, is suitable for the award, decision of the committee in this regard will be considered as final.
- (x) In case the book selected for the award has more than one author the award money will be divided equally among them.
- (xi) Only books with ISBN will be accepted under the scheme.

8. Procedure for sending the entries:

- (i) The entry should be sent along with the proforma given at Annexure; otherwise the same would not be accepted.
- (ii) Kindly send three copies of the book invariably with each entry. The copies will not be returned.
- (iii) Entry filled in prescribed proforma must reach the Department before the last date so declared.
- (iv) An author may send only one entry under the scheme.

9. Evaluation procedure of Books:

Books will be evaluated by a committee constituted by Department of Official Language based on the criteria set by Department of Official Language. Joint Secretary, Department of Official Language will be the Chairperson of the committee. If necessary, Committee may include non-official renowned scholars/experts along with official members. The Committee will comprise of the following:—

|       |  |                  |
|-------|--|------------------|
| (i)   | Joint Secretary, Department of Official Language   | Chairperson      |
| (ii)  | Two non- official persons, who will be nominated by the Department of Official Language every year | Member           |
| (iii) | Director/Deputy Director (Implementation), Department of Official Language                         | Member-Secretary |

- (i) Next of kin of the authors, who are sending their entries, will not be included in the Evaluation Committee.
- (ii) An official from the Ministry/Department concerned with the subject may be included in the Evaluation Committee for evaluation of the entries.
- (iii) The Evaluation Committee shall have the right to take advice from specialists/experts of the subject before deciding on a book.
- (iv) The evaluation committee will determine the assessment criteria themselves.
- (v) In the absence of consensus about the award the decision will be made by majority. In case for and against votes are equal on any decision, then the Chairperson shall have the right to vote to arrive at a decision.
- (vi) The official members of the Evaluation Committee will get TA/DA from the source, from where they get their salaries. The non-governmental members will be entitled to travelling allowance and daily allowance as per instructions issued by the Government from time to time and applicable during the period.
- (vii) The experts of the Evaluation Committee will also be entitled to honorarium as determined by the Department of Official Language.
- (viii) The Department of Official Language will take decision on recommendations made by the Evaluation Committee.

10. Declaration and distribution of awards:

- (i) Decision regarding the award will be intimated through a letter/email to all the awardees and placed on the website of Department of Official Language also.

- (ii) Distribution of the Awards will be held on the date fixed by the Department of Official Language.

11. General information:

- (i) Copyright on the award winning book will remain with the Authors/Publishers.
- (ii) Awardees coming from places other than the place fixed for distribution of award will be given to and fro fare for 2nd AC and daily allowance as per rules of the Government of India. Arrangement for lodging will be made by him/her at his/her own expenses.
- (iii) No correspondence regarding conferment of the award or procedure for selection of a book for the award will be entertained.

12. Right to relax the scheme:

If it is necessary or expedient in the opinion of the Central Government to do so, documenting the reason for it, any of the provisions of these regulations may be relaxed by issuing an order.

Proforma

ORDER

IT IS HEREBY ORDERED that a copy of this resolution should be communicated to the all Ministries/Departments, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, NITI Aayog, The Comptroller and Auditor General of India, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Secretariat of all the State Governments and UT Administrations.

It is also ordered that this Resolution be published in the Gazette of India for public information.

DR. MEENAKSHI JOLLY  
Joint Secretary

Annexure

“Rajbhasha Gaurav Puraskar to Citizens of India for writing original book in Hindi”

PROFORMA

Please mark the relevant Award Scheme for which the entry is being sent.

|   |  |  |
|---|--|--|
| A | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on knowledge and science based subjects                                     |  |
| B | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on Forensic Science, Police, Criminology Research and Police Administration |  |
| C | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi on subjects related to Culture, Religion, Arts and Heritage                 |  |
| D | Rajbhasha Gaurav Puraskar for writing original book in Hindi in the field of law   |  |

1. Year of the Award Scheme.....
2. Title of the book.....
3. (i) Name of the Author/Co author.....
- (ii) Full Address (with Pin code).....
- .....
- (iii) Telephone No. ....
- (iv) Mobile No. .... E-mail.....
4. (i) Name of the publisher.....
- (ii) Full Address of the publisher.....
- .....

(iii) Year of publishing.....

5. Has the book been awarded by any Government organization previously? Yes/No.  
If yes, please give full details thereof.....

6. I certify that

- (i) I..... son/daughter of .....am a citizen of India.
- (ii) The book has been written originally in Hindi by me.
- (iii) The copyright of any other person is not violated on entering my book in this scheme and I am responsible for the facts and figures given in the book.

7. I promise to abide by the provisions of the regulations of the Award Scheme for writing original book in Hindi on knowledge and science based subjects.

Place: .....

Date: .....

Signature of Author/Co-author

Note 1. Strike off whichever is not applicable.

Note 2. In case of authors being more than one, each co-author shall fill the above proforma separately.

\_\_\_\_\_  
The 16th August 2023

No. 20012/02/2019-OL(Policy)—In pursuance of the Office Memorandum No LAFEAS-CB1014/12/2023-CB-1 dated 03.08.2023 of the Lok Sabha Secretariat, the following Hon'ble Member of the Lok Sabha is appointed as the Member of the Parliamentary Committee on Official Language

- 1. Shri Kuldeep Rai Sharma

DR. MEENAKSHI JOLLY  
Joint Secretary (OL)

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY  
(DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY)

New Delhi-110030, the 1st February 2024

No. AI-17011/1/2023-AIPSU-DBT [FTS-18871]—In pursuance of the approval of the Cabinet regarding “Rationalization of 14 Autonomous Institutions of the Department of Biotechnology, through creation of one Autonomous Body viz. Biotechnology Research and Innovation Council (BRIC)”, the Competent Authority has approved that National Agri-Food Biotechnology Institute (NABI) and Centre for Innovative and Applied Bioprocessing (CIAB), located at Mohali, shall henceforth function as one administrative unit with one Director (i.e. headed by Executive Director, NABI) w.e.f. 01.11.2023.

CHAITANYA MURTI  
Joint Secretary

MINISTRY OF EDUCATION  
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 22nd February 2024

No. 9-1/2021-U.3(A)—Whereas, the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an Institution of higher learning as an Institution Deemed to be University.

2. And whereas, an online application dated 15.07.2020 was submitted on the UGC Portal for conferment of Institution deemed to be University status under de-novo category (now Distinct Category) to National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Kolkata.

3. And whereas, UGC examined the application through its Expert Committee in accordance with UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2019. The Committee, after overall assessment, recommended that Letter of Intent (LoI) may be issued to NITTTR, Kolkata with certain conditions. The recommendation of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 550th meeting (Item No. 2.05) held on 18.02.2021.

4. And further whereas, UGC notified the new UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 in place of UGC Regulations, 2019. As per Regulation 30 of UGC Regulations, 2023, NITTTR, Kolkata, vide its letter no. NITTTR-K/UGC/2023-24/538 dated 12.09.2023, exercised its option and requested to consider its application under 'distinct' category of UGC Regulations, 2023.

5. And whereas, the Ministry of Education, on the advice of UGC, issued Letter to Intent (LoI) to NITTTR, Kolkata on 25.09.2023 for fulfilment of certain conditions within a period of three years.

6. And further whereas, the Institution, vide letter dated 17.11.2023, submitted compliance report in respect of the conditions of LoI. The compliance report of the Institution was verified by the UGC Expert Committee. The Committee accepted the compliance report of the Institution with certain conditions. The report of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 577th meeting (Item No.2.08) held on 13.02.2024.

7. Now, therefore, in exercise of powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of the UGC, hereby declares National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Kolkata as an Institution deemed to be University under distinct category. The said declaration is subject to the following conditions:

- i. NITTTR, Kolkata shall incorporate principles of leadership in capacity building in technical teacher education through its courses encompassing future of work, green and sustainable development, women led development, development of faculty with diverse abilities and harnessing technology, etc.
- ii. NITTTR, Kolkata shall provide leadership in technical teacher education that result in all technical faculty being made abreast with curriculum upgradation, future of work skills, pedagogy in the domain of technical teacher education.
- iii. NITTTR, Kolkata shall become compliant with the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 within a period of six years from the date of issuance of this Notification;
- iv. The entire moveable & immoveable assets shall be in the name of NITTTR, Kolkata or its Sponsoring body.
- v. There shall be no diversion of assets or funds/revenues of the Institution Deemed to be University/or of its constituent teaching units, without prior permission of the UGC and Ministry of Education.
- vi. NITTTR, Kolkata shall not engage or indulge in any activities that are of commercial and profit making in nature.
- vii. The academic programmes to be offered at NITTTR, Kolkata shall conform to the norms and standards prescribed by the UGC and the Statutory Councils/Bodies concerned.
- viii. NITTTR, Kolkata shall start new academic Courses/Programmes, Off-Campus(es), Off-Shore Campus(es) only in accordance with the norms and guidelines issued by the UGC, from time to time, on the subject.
- ix. NITTTR, Kolkata shall take appropriate steps to commence research programmes as well as doctoral and innovative academic programmes. The Institute shall not keep confined only to presently new emerging areas but it make endeavour to expand in other areas in accordance with the UGC Regulations / Guidelines as well as National Education Policy-2020.
- x. NITTTR, Kolkata shall not conduct routine undergraduate or postgraduate courses offered by other institutions like the IITs and NITs.
- xi. NITTTR, Kolkata shall take all the required steps to get all the eligible academic courses/programmes rated for valid accreditation by National Board of Accreditation (NBA) and the Institute to get valid accreditation by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), as the case may be, in terms of the provisions as contained in the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations, 2023, as amended from time to time.
- xii. All the prescribed norms and procedures of the Statutory Councils concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, renewal of approval to the academic course / programme, revision of intake capacity of students, starting of new courses / programmes, etc. shall continue to be in force, and shall be adhered to by NITTTR, Kolkata.

- xiii. NITTTR, Kolkata shall submit its revised Memorandum of Association (MoA) / Rules to UGC/ Ministry of Education as per the provisions of the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 by June, 2024. As and when necessary, the Institute shall update or revise or modify its MoA / Rules, as per the provisions of the prevailing Regulations.
- xiv. NITTTR, Kolkata shall follow the fee structure as per the Rules and Regulations of the UGC and relevant Statutory Councils.
- xv. NITTTR, Kolkata shall participate in annual Indian rankings issued by National Institutional Ranking Framework (NIRF) of this Ministry.
- xvi. NITTTR, Kolkata shall compulsorily create Academic Bank of Credits (ABC), identities of their students and upload their credit score in digital lockers and ensure that the credit scores are reflected in ABC Portal and adopt Samarth e-Gov.

PURNENDU KISHORE BANERJEE  
Joint Secretary

No. 9-2/2021-U.3(A)—Whereas, the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an Institution of higher learning as an Institution Deemed to be University.

2. And whereas, an online application dated 15.07.2020 was submitted on the UGC Portal for conferment of Institution deemed to be University status under de-novo category (now Distinct Category) to National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Chandigarh.

3. And whereas, UGC examined the application through its Expert Committee in accordance with UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2019. The Committee, after overall assessment, recommended that Letter of Intent (LoI) may be issued to NITTTR, Chandigarh with certain conditions. The recommendation of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 550th meeting (Item No. 2.04) held on 18.02.2021.

4. And further whereas, UGC notified the new UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 in place of UGC Regulations, 2019. As per Regulation 30 of UGC Regulations, 2023, NITTTR, Chandigarh, vide its letter no. NITTTR/Dir/1755 dated 12.09.2023, exercised its option and requested to consider its application under 'distinct' category of UGC Regulations, 2023.

5. And whereas, the Ministry of Education, on the advice of UGC, issued Letter to Intent (LoI) to NITTTR, Chandigarh on 25.09.2023 for fulfilment of certain conditions within a period of three years.

6. And further whereas, the Institution, vide letter dated 03.12.2023, submitted compliance report in respect of the conditions of LoI. The compliance report of the Institution was verified by the UGC Expert Committee. The Committee accepted the compliance report of the Institution with certain conditions. The report of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 577th meeting (Item No.2.08) held on 13.02.2024.

7. Now, therefore, in exercise of powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of the UGC, hereby declares National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Chandigarh as an Institution deemed to be University under distinct category. The said declaration is subject to the following conditions:

- i. NITTTR, Chandigarh shall incorporate principles of leadership in capacity building in technical teacher education through its courses encompassing future of work, green and sustainable development, women led development, development of faculty with diverse abilities and harnessing technology, etc.
- ii. NITTTR, Chandigarh shall provide leadership in technical teacher education that result in all technical faculty being made abreast with curriculum upgradation, future of work skills, pedagogy in the domain of technical teacher education.
- iii. NITTTR, Chandigarh shall become compliant with the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 within a period of six years from the date of issuance of this Notification;
- iv. The entire moveable & immoveable assets shall be in the name of NITTTR, Chandigarh or its Sponsoring body.
- v. There shall be no diversion of assets or funds/revenues of the Institution Deemed to be University/or of its constituent teaching units, without prior permission of the UGC and Ministry of Education.
- vi. NITTTR, Chandigarh shall not engage or indulge in any activities that are of commercial and profit making in nature.

- vii. The academic programmes to be offered at NITTTR, Chandigarh shall conform to the norms and standards prescribed by the UGC and the Statutory Councils/Bodies concerned.
- viii. NITTTR, Chandigarh shall start new academic Courses/Programmes, Off-Campus(es), Off-Shore Campus(es) only in accordance with the norms and guidelines issued by the UGC, from time to time, on the subject.
- ix. NITTTR, Chandigarh shall take appropriate steps to commence research programmes as well as doctoral and innovative academic programmes. The Institute shall not keep confined only to presently new emerging areas but it makes endeavour to expand in other areas in accordance with the UGC Regulations / Guidelines as well as National Education Policy-2020.
- x. NITTTR, Chandigarh shall not conduct routine undergraduate or postgraduate courses offered by other institutions like the IITs and NITs.
- xi. NITTTR, Chandigarh shall take all the required steps to get all the eligible academic courses/programmes rated for valid accreditation by National Board of Accreditation (NBA) and the Institute to get valid accreditation by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), as the case may be, in terms of the provisions as contained in the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations, 2023, as amended from time to time.
- xii. All the prescribed norms and procedures of the Statutory Councils concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, renewal of approval to the academic course / programme, revision of intake capacity of students, starting of new courses / programmes, etc. shall continue to be in force, and shall be adhered to by NITTTR, Chandigarh.
- xiii. NITTTR, Chandigarh shall submit its revised Memorandum of Association (MoA) / Rules to UGC/ Ministry of Education as per the provisions of the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 by June, 2024. As and when necessary, the Institute shall update or revise or modify its MoA / Rules, as per the provisions of the prevailing Regulations.
- xiv. NITTTR, Chandigarh shall follow the fee structure as per the Rules and Regulations of the UGC and relevant Statutory Councils.
- xv. NITTTR, Chandigarh shall participate in annual Indian rankings issued by National Institutional Ranking Framework (NIRF) of this Ministry.
- xvi. NITTTR, Chandigarh shall compulsorily create Academic Bank of Credits (ABC), identities of their students and upload their credit score in digital lockers and ensure that the credit scores are reflected in ABC Portal and adopt Samarth e-Gov.

PURNENDU KISHORE BANERJEE  
Joint Secretary

No. 9-4/2021-U.3(A)—Whereas, the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an Institution of higher learning as an Institution Deemed to be University.

2. And whereas, an online application dated 27.01.2021 was submitted on the UGC Portal for conferment of Institution deemed to be University status under de-novo category (now Distinct Category) to National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Chennai.

3. And whereas, while the matter was under examination, UGC notified the new UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 in place of UGC Regulations, 2019. As per Regulation 30 of UGC Regulations, 2023, NITTTR, Chennai requested to consider its application for deemed to be University status under 'distinct' category of UGC Regulations, 2023.

4. And whereas, UGC examined the application through its Expert Committee in accordance with UGC Regulations, 2023. The Committee, after overall assessment, recommended that Letter of Intent (LoI) may be issued to NITTTR, Chennai with certain conditions. The recommendation of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 572nd meeting (item No. 2.13) held on 20.09.2023.

5. And whereas, the Ministry of Education, on the advice of UGC, issued Letter to Intent (LoI) to NITTTR, Chennai on 11.10.2023 for fulfilment of certain conditions within a period of three years.

6. And further whereas, the Institution, vide letter 11.12.2023, submitted compliance report in respect of the conditions of LoI. The compliance report of the Institution was verified by the UGC Expert Committee. The Committee accepted the compliance report of the Institution with certain conditions. The report of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 577th meeting (Item No.2.08) held on 13.02.2024.

7. Now, therefore, in exercise of powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of the UGC, hereby declares National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Chennai as an Institution Deemed to be University under distinct category. The said declaration is subject to the following conditions:

- i. NITTTR, Chennai shall incorporate principles of leadership in capacity building in technical teacher education through its courses encompassing future of work, green and sustainable development, women led development, development of faculty with diverse abilities and harnessing technology, etc.
- ii. NITTTR, Chennai shall provide leadership in technical teacher education that result in all technical faculty being made abreast with curriculum upgradation, future of work skills, pedagogy in the domain of technical teacher education.
- iii. NITTTR, Chennai shall become compliant with the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 within a period of six years from the date of issuance of this Notification.
- iv. The entire moveable & immoveable assets shall be in the name of NITTTR, Chennai or its Sponsoring body.
- v. There shall be no diversion of assets or funds/revenues of the Institution Deemed to be University/or of its constituent teaching units, without prior permission of the UGC and Ministry of Education.
- vi. NITTTR, Chennai shall not engage or indulge in any activities that are of commercial and profit making in nature.
- vii. The academic programmes to be offered at NITTTR, Chennai shall conform to the norms and standards prescribed by the UGC and the Statutory Councils/Bodies concerned.
- viii. NITTTR, Chennai shall start new academic Courses/Programmes pertaining to furtherance of technical teacher education in collaboration with top Institutes of National Importance (INIs), Off-Campus(es), Off-Shore Campus(es) only in accordance with the norms and guidelines issued by the UGC, from time to time, on the subject.
- ix. NITTTR, Chennai shall take appropriate steps to commence research programmes as well as doctoral and innovative academic programmes pertaining to furtherance of technical teacher education in collaboration with top INIs. The Institute shall not keep confined only to presently new emerging areas but make endeavour to expand in other areas in accordance with the UGC Regulations / Guidelines as well as National Education Policy-2020.
- x. NITTTR, Chennai shall not conduct routine undergraduate or postgraduate courses offered by other institutions like the IITs and NITs.
- xi. NITTTR, Chennai shall take all the required steps to get all the eligible academic courses/programmes rated for valid accreditation by National Board of Accreditation (NBA) and the Institute to get valid accreditation by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), as the case may be, in terms of the provisions as contained in the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations, 2023, as amended from time to time.
- xii. All the prescribed norms and procedures of the Statutory Councils concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, renewal of approval to the academic course / programme, revision of intake capacity of students, starting of new courses / programmes, etc. shall continue to be in force, and shall be adhered to by NITTTR, Chennai.
- xiii. NITTTR, Chennai shall submit its revised Memorandum of Association (MoA) / Rules to UGC/ Ministry of Education as per the provisions of the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 by June, 2024. As and when necessary, the Institute shall update or revise or modify its MoA / Rules, as per the provisions of the prevailing Regulations.
- xiv. NITTTR, Chennai shall follow the fee structure as per the Rules and Regulations of the UGC and relevant Statutory Councils.
- xv. NITTTR, Chennai shall participate in annual Indian rankings issued by National Institutional Ranking Framework (NIRF) of this Ministry.
- xvi. NITTTR, Chennai shall compulsorily create Academic Bank of Credits (ABC), identities of their students and upload their credit score in digital lockers and ensure that the credit scores are reflected in ABC Portal and adopt Samarth e-Gov.

PURNENDU KISHORE BANERJEE  
Joint Secretary



No. 9/5/2020-U.3(A)—Whereas, the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an Institution of higher learning as an Institution Deemed to be University.

2. And whereas, an online application was submitted on the UGC Portal for conferment of Institution deemed to be University status under de-novo category (now Distinct Category) to National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Bhopal, Madhya Pradesh.

3. And whereas, UGC examined the application through its Expert Committee in accordance with UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2019. The Committee, after overall assessment, recommended that Letter of Intent (LoI) may be issued to NITTTR, Bhopal with certain conditions. The recommendation of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 550th meeting (item No. 2.03) held on 18.02.2021.

4. And whereas, while the matter was under examination, UGC notified the new UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 in place of UGC Regulations, 2019. As per Regulation 30 of UGC Regulations, 2023, NITTTR, Bhopal requested to consider its application for deemed to be University status under 'distinct' category of UGC Regulations, 2023.

5. And whereas, the Ministry of Education, on the advice of UGC, issued Letter to Intent (LoI) to NITTTR, Bhopal on 25.09.2023 for fulfilment of certain conditions within a period of three years.

6. And further whereas, the Institution, vide letter 06.12.2023, submitted compliance report in respect of the conditions of LoI. The compliance report of the Institution was verified by the UGC Expert Committee. The Committee accepted the compliance report of the Institution with certain conditions. The report of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 577th meeting (Item No.2.08) held on 13.02.2024.

7. Now, therefore, in exercise of powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of the UGC, hereby declares National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR), Bhopal, Madhya Pradesh as an Institution Deemed to be University under distinct category. The said declaration is subject to the following conditions:

- i. NITTTR, Bhopal shall incorporate principles of leadership in capacity building in technical teacher education through its courses encompassing future of work, green and sustainable development, women led development, development of faculty with diverse abilities and harnessing technology, etc.
- ii. NITTTR, Bhopal shall provide leadership in technical teacher education that result in all technical faculty being made abreast with curriculum upgradation, future of work skills, pedagogy in the domain of technical teacher education.
- iii. NITTTR, Bhopal shall become compliant with the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 within a period of six years from the date of issuance of this Notification.
- iv. The entire moveable & immoveable assets shall be in the name of NITTTR, Bhopal or its Sponsoring body.
- v. There shall be no diversion of assets or funds/revenues of the Institution Deemed to be University/or of its constituent teaching units, without prior permission of the UGC and Ministry of Education.
- vi. NITTTR, Bhopal shall not engage or indulge in any activities that are of commercial and profit making in nature.
- vii. The academic programmes to be offered at NITTTR, Bhopal shall conform to the norms and standards prescribed by the UGC and the Statutory Councils/Bodies concerned.
- viii. NITTTR, Bhopal shall start new academic Courses/Programmes pertaining to furtherance of technical teacher education in collaboration with top Institutes of National Importance (INIs), Off-Campus(es), Off-Shore Campus(es) only in accordance with the norms and guidelines issued by the UGC, from time to time, on the subject.
- ix. NITTTR, Bhopal shall take appropriate steps to commence research programmes as well as doctoral and innovative academic programmes pertaining to furtherance of technical teacher education in collaboration with top INIs. The Institute shall not keep confined only to presently new emerging areas but make endeavour to expand in other areas in accordance with the UGC Regulations / Guidelines as well as National Education Policy-2020.
- x. NITTTR, Bhopal shall not conduct routine undergraduate or postgraduate courses offered by other institutions like the IITs and NITs.
- xi. NITTTR, Bhopal shall take all the required steps to get all the eligible academic courses/programmes rated for valid accreditation by National Board of Accreditation (NBA) and the Institute to get valid accreditation by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), as the case may be, in terms of the provisions as

contained in the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations, 2023, as amended from time to time.

- xii. All the prescribed norms and procedures of the Statutory Councils concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, renewal of approval to the academic course / programme, revision of intake capacity of students, starting of new courses / programmes, etc. shall continue to be in force, and shall be adhered to by NITTTR, Bhopal.
- xiii. NITTTR, Bhopal shall submit its revised Memorandum of Association (MoA) / Rules to UGC/ Ministry of Education as per the provisions of the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 by June, 2024. As and when necessary, the Institute shall update or revise or modify its MoA / Rules, as per the provisions of the prevailing Regulations.
- xiv. NITTTR, Bhopal shall follow the fee structure as per the Rules and Regulations of the UGC and relevant Statutory Councils.
- xv. NITTTR, Bhopal shall participate in annual Indian rankings issued by National Institutional Ranking Framework (NIRF) of this Ministry.
- xvi. NITTTR, Bhopal shall compulsorily create Academic Bank of Credits (ABC), identities of their students and upload their credit score in digital lockers and ensure that the credit scores are reflected in ABC Portal and adopt Samarth e-Gov.

PURNENDU KISHORE BANERJEE  
Joint Secretary

The 23rd February 2024

No. 9-7/2020-U.3(A)—Whereas, the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an Institution of higher learning as an Institution Deemed to be University.

2. And whereas, an online application was submitted on the UGC Portal for conferment of Institution deemed to be University status under de-novo category (now distinct category) to National Institute of Advanced Manufacturing Technology, Hatia, Ranchi, Jharkhand.

3. And whereas, UGC examined the application through its Expert Committee in accordance with UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2019. The Committee, after overall assessment, recommended that Letter of Intent (LoI) may be issued to NIAMT, Ranchi with certain conditions. The recommendation of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 551st meeting (item No. 2.01) held on 01.07.2021.

4. And further whereas, while the matter was under examination, UGC notified the new UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 in place of UGC Regulations, 2019. As per Regulation 30 of UGC Regulations, 2023, NIAMT, Ranchi requested to consider its application for deemed to be University status under 'distinct' category of UGC Regulations, 2023.

5. And whereas, the Ministry of Education, on the advice of UGC, issued Letter to Intent (LoI) to NIAMT, Ranchi on 11.10.2023 for fulfilment of certain conditions within a period of three years.

6. And further whereas, the Institution, vide letter 24.11.2023, submitted compliance report in respect of the conditions of LoI. The compliance report of the Institution was verified by the UGC Expert Committee. The Committee accepted the compliance report of the Institution. The report of the UGC Expert Committee was considered and approved by the Commission in its 577th meeting (Item No 2.05) held on 13.02.2024.

7. Now, therefore, in exercise of powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of the UGC, hereby declares National Institute of Advanced Manufacturing Technology (NIAMT), Hatia, Ranchi, Jharkhand as an Institution deemed to be University under distinct category. The said declaration is further subject to the following conditions:

- i. NIAMT, Ranchi shall start new academic Courses/Programmes pertaining to furtherance of advanced manufacturing technology.
- ii. NIAMT, Ranchi shall conduct undergraduate or postgraduate courses pertaining to furtherance of advanced manufacturing technology.
- iii. NIAMT, Ranchi shall take appropriate steps to commence research programmes as well as doctoral and innovative academic programmes pertaining to advanced manufacturing technology. The Institute shall not

keep confined only to presently new emerging areas but make endeavour to expand in other related areas in accordance with the UGC Regulations / Guidelines as well as National Education Policy-2020.

- iv. NIAMT, Ranchi shall become compliant with the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 within a period of six years from the date of issuance of this Notification.
- v. The entire moveable & immovable assets shall be in the name of NIAMT, Ranchi or its Sponsoring body.
- vi. There shall be no diversion of assets or funds/revenues of the Institution Deemed to be University/or of its constituent teaching units, without prior permission of the UGC and Ministry of Education.
- vii. NIAMT, Ranchi shall not engage or indulge in any activities that are of commercial and profit making in nature.
- viii. The academic programmes to be offered at NIAMT, Ranchi shall conform to the norms and standards prescribed by the Statutory Councils/Bodies concerned.
- ix. NIAMT, Ranchi shall start Off-Campus(es), Off-Shore Campus(es) only in accordance with the norms and guidelines issued by the UGC, from time to time, on the subject.
- x. NIAMT, Ranchi shall take all the required steps to get all the eligible academic courses/programmes rated for valid accreditation by National Board of Accreditation (NBA) and the Institute to get valid accreditation by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), as the case may be, in terms of the provisions as contained in the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations, 2023, as amended from time to time.
- xi. All the prescribed norms and procedures of the Statutory Councils concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, renewal of approval to the academic course / programme, revision of intake capacity of students, starting of new courses / programmes, etc. shall continue to be in force, and shall be adhered to by NIAMT, Ranchi.
- xii. NIAMT, Ranchi shall submit its revised Memorandum of Association (MoA) / Rules to UGC/ Ministry of Education as per the provisions of the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023 by June, 2024. As and when necessary, the Institute shall update or revise or modify its MoA / Rules, as per the provisions of the prevailing Regulations.
- xiii. NIAMT, Ranchi shall follow the fee structure as per the Rules and Regulations of the UGC and relevant Statutory Councils.
- xiv. NIAMT, Ranchi shall participate in annual Indian rankings issued by National Institutional Ranking Framework (NIRF) of this Ministry.
- xv. NIAMT, Ranchi shall compulsorily create Academic Bank of Credits (ABC), identities of their students and upload their credit score in digital lockers and ensure that the credit scores are reflected in ABC Portal and adopt Samarth e-Gov.

PURNENDU KISHORE BANERJEE  
Joint Secretary